वांसारसमेखलंकरावे चनेसमानगोलिआंहोई छायामीन्सुकावेकोई प्रातरातमुखताहिधरावे चू-
पेरसखांसीकटजावे सीसालूणमनसिलाजोई बावाडिंगसुंठीमघसोई लेसममधूमिलायचटावे मासैस-
तकासहटजावे गौकादूधसेरदोलीजें चाढअगनपरआधाकीजें जीरालाखताहुमेपावे सतसतमासिपी-
समिलावे रातसमेनरपीबेसोई काठिनकासतबनासेहोई सुंठीमघाभडिंगीलीजें वचवांसाताहूमेदीजें
सतसतमासेकाथबनावे पीवेकठिनकासमिटजावे अलसिबीजलेताहिभुनावे खावेमधुसौंकासमिटावे
फटकलूणलेसंपुटकरिए ताहिपकायपीसकरधरिए साढेदसमासेनितसेवे घृतकेसाथभातलिसदेवे कास
रोगऐसेमिटजावे सुगमउपायकरेसुखपावे एकभारपुटकंडालीजे ताकीभस्मफूककरकीजें एकतलीभ-
रसेवनकरिए सीतलजलसौंखांसीहरिए

॥रोगपित्तजखांसी॥

॥ चौपे ॥ पित्तजदिककासजोआवे कंठहृदेमेदाहदिखावे वारंवारतृषावहुलागे सीतलपवनसंगसुख-
जागे रेजसगाढीसिरतेंआवे सोफिफरेकेऊपरधावे गरमीखुष्कीफिफरेमाही लक्षणसूकीखांसीता-
ही क्रोधक्षुधामारगमेंजांनो पित्तजखांसीअधकपछांनो कदीकिसीकोऐसाभावे पित्तजखांसीरुधि-
रदिखावे ॥ लौंगइलाचीअगरपछांनो चिटाजरिाचंदनमांनो तगरखसमघसुंठमिलाय छडवाला-
जैफलतासंगपाय गंढीराजढनीलोफरलीजें मुसककपूरजुआहसंगदीजें कवावचीनिगजकेसरपा-
वे दालचीनिसमभागमिलावे पीसऔषधीचूरनकीजें सभसमांनामिसरीसंगदीजे साढेदसमासेनि-
तखावे प्रातरातऔषधमनभावे आदिकारनमेंसेवनकरिए पित्तजकासताहिछिनहरिए ॥ हर्दलमासे-
सातमंगावे अर्धभागमघसंगरलावे चूरनप्रातसमेनितसेवे घृतखिचडीकवहूंनहिंदेवे पित्तजकासदू-
रकरलीजें तापहोएघृतकवहुंनदीजें ॥ किकरगूंदखंडसंगहोई तोलेतीनतीनसमसोई अकरकराजढ-
सोसनआंनो मासेसातसातपहचांनो साढेदसमासेनितखावे पित्तजखांसीताहिहटावे ॥ इतिश्रीचि-
कित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांकासरोगाऽधिकारवर्णननामचतुर्विंशोऽधिकारः ॥ २४

॥ अथराजयक्ष्मारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ राजयक्ष्मजोरोगहैजैसेंकह्योनिदान तैसेंवैद्यकग्रंथमतसमुझोकरोंबषान ॥ चौपई ॥ क्षईरोगताहूकोंकहैं ताउत्पतकारणयहलहैं विष्टामूत्रवेगजवहोय वलकरताकोंरोकैजोय धातुनकेक्षयहेतुकहे सोसमझोश्रैसेंलखलहे अतिमैथुनअतिभोजनजान ईर्षविषादधातुक्षयमान वलीसाथजोवैरवधावै विष्मश्रन्नकोश्रल्पयषावै विष्मभोजनऊनाधिकभाष्यो अरुअकालभोजनसोआष्यो थोहरोभोजनभीसोऊजान इन्हतेंहोयत्रिदोषमहान राजयक्ष्मसोतीनोदोष प्रगटावतयोंलषहोषोष राजक्ष्म. जोदेहसुकावै यातेंशोषनामसभगावै क्रयासमस्तजुक्षयहोजाहि यातेंक्षयिनामजगगाहि जोसभकोराजाससिकहिये ताकोंक्षईरोगसोलहिये यातेंराजयक्ष्महैनांम महारोगयहहैदुखधाम कफप्रधानवातादिदोषकर नाडीसवरुकजाहिजवैनर तवरसअन्नजुषावैपीवै हृदयरुक्योविकारकरथीवै अपनेअपनेस्थानमंझार जायनसकैंरुकीलषनाड होइविकाररूपरससोय मुखद्वाराकरनिकसेजोय तातेंवीर्यक्षीणहोइजावै अवरधातुसभक्षीणलषावैं तिसतेंनरसूकतहीजाय जैसेंअतिमैथुनजुसुकाय ॥

॥ अथराजयक्ष्मअनुक्रमणका ॥

॥ चौपई ॥ राजरोगकेपांचप्रकार वातपित्तकफसन्निजचार हृदेचोटपंचमहैसोई पूर्वरूपलखआगेजोई ॥

अथराजयक्ष्मपूर्वरूपमाह

॥ चौपई ॥ जवैजक्ष्महोनेपरआवै एतेरूपप्रथमादिषलावै श्वासअवरअंगपीडाजान तालुशोषकफनिकसेमान मंदअग्निपीनसअरुकास अरुनिद्राकरहैपरकाश हिक्कामदकरयुक्तहेजोय वमनअवरपांडूतनहोय यहलक्षणजिहतनप्रगटावे ताकेनेत्रशुकलहोइजावैं वीर्यमांसरहितहैसोऊ स्वप्नमांझअसदेषेवोऊ काकशाह्लिकशुकगृध्रनिहारै कपिकिरलेमयूरवहुसारै अरुनिजऊपरयाहिचढावैं पृष्टचढायतुरतलेधावैं निर्जलनदीयांदेषतरहे शुष्कवृक्षजलतेंपुनलहे ऐसेस्वप्नेदेषतजोय ताहीराजयक्ष्मरुजहोय ॥ इतिपूर्वरूपम् ॥

॥ अथसामान्यराजजक्ष्मलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अवरहुंतीनरूपयोजान स्कंधमाहिपीडाप्रगटान अरुदुंहूपांश्वोपीडाहोवत तप्तपादकरहोवेंजोवत अरुसर्वांगमंदज्वररहै इहप्रकारत्रैलक्षणलहै आगेषटलक्षणकरकहै भोजनअरुचीमुखरक्तसोवहै श्वासकासज्वरस्वरभंगहोई इंहप्रकारषटलक्षणसोई एकादशलक्षणसर्वप्रमान दोषभेदकरताहिपछान

॥ अथवातिजराजजक्ष्मलक्षणं ॥

वातक्षईकेलक्षणजांनो शूलअवरस्वरभेदपछांनो मुंहडेपासेसिमिटेजाहि वातक्षईयहलक्षणगाहि ॥

॥ अथराजयक्ष्मवातजचिकित्सा ॥

॥ अथजातीफलादीचूर्णं ॥ चौपई ॥ जैफलाचित्रातगरविडंग तिलतालीसपत्रलेसंग चंदनसुंठविडंगमिलावै लघुलाचीमघहरडरलावै मरचआमलेलेवंशलोचन कर्षकर्षयहसमझोनिजमन चतुरजात-

इन्हसंगामिलावै भंगसप्तपलपीसरलावै इन्हकेसमशरकरामिलाय वलअनुसारनितप्रतिषाय श्वासकासक्षयग्रहणीजावै मंदअग्निकफवातामिटावै वज्रपातसौंतरुहतजैसें नष्टहोहिरोगयहतैसें ॥ अथशृंगादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ ककडशृंगीअर्जुनआन असगंधनागवलाकोठान पुष्करमूलहरडजुगिलोय मधुघृतचूरणमेलोसोय याहीकोजोनितप्रतिषावै राजयक्ष्मसोरोगमिटावै तालीसादिचूर्णतिससंग चाटेयक्ष्मरोगहोयभंग अथजवान्यादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ जवायणसुंठतिंतडील्यावे अमलवेतदाडिमपुनपावै वदरीफलचूर्णपुनठान इन्हकोकर्षकर्षपरिमान दालचीनीधनियांसौंचलजीरा अर्धअर्धकर्षलेवीरा शतपरिमाणमघांतिहपावैं दोपलमरचांपीसमिलावैं पायशरकरापलतिंहचार पावैइहविधिचूर्णसुधार जिव्हाहृदारवुद्धलषपावे रुचउपजैलिफक्षईमिटावे पार्श्वशूलकासअरुश्वास ग्रहणीअर्शअफारानाश ॥ अथलघुएलादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ लघुएलादालचनीकेसर तालीसपत्रदाडिमलेतिहधर धनीयांवंशलोचनअरुजीरा दोदोकर्षलेहुसुनवीरा मघांपिप्पलामूलजुचित्रा मरचांसुंठचवकलेमित्रा अजमोदाअजवायणलोजै अमलवेतकैंथजुभनीजै अजगंधायहकर्षकर्षभर ताहिशर्कराचारजुपलधर चूरणषावैक्षईमिटावै लिफकासअर्शमिटजावै स्वासशूलज्वरछर्दनिवारे अग्निवर्णगलजिव्हसुधारे ॥

॥ अथपैतिकराजजक्ष्मलक्षणम् ॥

पित्तक्षईकेलक्षणकहिये अतीसारज्वरदाहलहैये अरुमुखसेतीरक्तनिकासै पित्तक्षईलक्षणजोभासै

॥ अथराजयक्ष्मरक्तपित्तचिकित्सा ॥

॥ अथअमृतादिघृत ॥ चौपई ॥ गिलोयसारवापंचलघुमूल वांसावलासपत्रसमूल दशदश पलजलद्रोणपकावै पादशेषयहचूर्णमिलावै चंदनमघवालाजुकिरात लोध्रपापडामुथसमात पाठा त्रायंतीजुउशीर मुलठीशृंगीयवाहांधीर पायइंद्रयवकौडलहीजै त्वकतजपत्रसंगातिंहकीजै नीलोत्पलअरुवासामूल अर्धअर्धपललेसमतूल अजाक्षीरअरुघृतयहदोय प्रस्थप्रस्थतिंहमाहिसमोय मंदअग्निसोंताहिपकाय निजवलदेषताहिकोंषाय राजयक्ष्मरक्तपितजावै श्वासकासशोथदाहामिटावै

॥ अथकफजराजयक्ष्मलक्षणम् ॥

कफयुतक्षईलक्षणकोकहै कंठरुकैवाकफसोवहै जीहनरऐसेंकारणअहै भातअरुचाशिरभारारहै षांसीहोयताहिअधिकाई ऐसेंकफरुतक्षईसुनाई ॥

॥ अथकफजराजयक्ष्माचिकित्सा ॥

॥ अथषडंगघृत ॥ चौपई ॥ मघांचवकचित्रायवक्षार पिप्पलामूलसुंठसमडार चतुर्गुणदुग्धअ वरघृतपावै पकायपायमधुताकोंषावैं निर्मलद्वारइंद्रीसभहोय क्षईरोगनाशहोएसोय ॥ अथजीवंत्यादिघृत ॥ चौपई ॥ जीवंतिअरुद्राषमुलठ कचूरइंद्रयवकरोइकठ कंड्यारीआमलेमघांजवांहा भषडावलाइकठकरतांहां त्रायमानअरुपुष्करमूल नीलोत्पलसभलेसमतूल चूरनकरघृतमांहिपकावैमधुमिलायकरघृतनितषावै व्याधसमूहकरैयहनाश जीवंत्यादिकहैंघृततास ॥ अथपिप्पलीघृत ॥ चौपई अजादुग्धसमघृतजुपकावै मघअरुगुडमिलायकरपावै क्षईकासरुजहोवैनाश पिपलीघृतयोंजानोतास ॥

॥ अथराजयक्ष्मसंन्निपातलक्षणं ॥

ऐंषठकादशलक्षणकहै सन्निपातमोसवलषलहै तीनविकारकरकायावरै सन्निपातराजयक्ष्मजिमधरै

॥ अथहृदयचोटकरराजयक्ष्मलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ हृदयचोटकरयक्ष्मजुहोई लक्षणताहिसुनोसबकोई ॥सिरपीडामुखउदरचलान कृशश-रीरअसाध्यतिहमान अथवानेत्रश्वेतहोइजाय अन्नअरुचश्वासहिप्रगटाय प्रमेहबढेफुनिमूत्ररुकावे ऐसोरोगीजमपुरधावे ताकीअवधशास्त्रअनुसार यत्नकरावेशास्त्रविचार चतुरवैद्यफुनजोगुनवंत आज्ञावैद्यमानधनवंत जतीविहोवेसवहिप्रकार दिनहजाररहेफुनिजमद्वार

॥ अथराजयक्ष्मसंन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथदशमूलीघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलदुग्धघृतपायपकावे सिद्धहोंयघृतमोंमधुपावे पावै सुष्ककंठश्वरहोय शिरपार्श्वअंगपीडासभषोय श्वासकासज्वरक्षईविनास दशमूलीघृतज्योंलषतास ॥

॥ अथहृदयचोटराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ अथछागलादिघृत ॥ चौपई ॥ छागलमांसतुलापरमांन अष्टगुणोजलकरोपकांन पादशे षताकोरहैजवै प्रस्थघृतपायपकावैतवै रिद्धवृद्धमेदलषजोय जीवकअरुकाकोलीसोय क्षीरकाको-लीपलपलपरिमान पावैचूरणताहिसुजान पुनपकायकरशीतलकीजै ताहिशरकराअठपलदीजै पलपरिमाननित्ययहषावै महाघोररुजयक्ष्मामिटावै कुडवएकमधुताहिरलावै क्षतक्षयराजयक्ष्ममिटजावे पार्श्वशूलस्वरक्षयअरुश्वास अरुचहृदरोगमिटावेकास बलअरुमांसपुष्टयहकरे छागलघृतएतेगुणधरे ॥

॥ अथराजयक्ष्मअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पार्श्वदुखश्वरभेदपछांनो अतीसारज्वरअरुचीमांनो कासहोयवलतनक्षयमाना वृष-णउदरसोजाहोइजाना शुक्लनेत्रअरुऊरधश्वास यक्ष्मआदिऐसेसभनाश मलकरवलजुदेहमेजान वीर्ज-हुंतेतिसजीवनमान तिसतेमलअरवीरजदोऊ यन्तसेंराखेवैद्यहैसोऊ ॥

॥ अथसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ रोगारंभमध्यनरजोई दानकरैजीवनहितसोई अरुदीप्ताग्निरहैउरमांहि कृशातातनमो-लाहियतनांहि ऐसेनरकीवैद्यसुजांन करैचिकित्साहोयनहांन ॥ इतिसाध्यलक्षणम् ॥

॥ अथराजयक्ष्यरोगभेदस्यशोषस्यसंख्यामाह ॥

॥ चौपै ॥ सोषरोगफुनषटहिप्रकार ताकोवर्णोविविधविचार अतिमैथुनअतिशोककरैजो वृद्ध-अवस्थाप्रापतहोइसो अरुव्यायामअधिकव्रणक्षयतन मार्गथकेतेहोइव्याकुलमन तिसयक्ष्मीकेलक्षण-आषों जिसजिसतैजोहोइसोभाषों ॥

॥ अथअतिमैथुनजशोषस्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अतिमैथुनतैवीर्यकोनाश तातेपांडुवरणतनमास अरुसभधातूक्षयहोइजावै अतिमैथन-तैयहफलपावैं लिंगवृषणमोपीडाजोय मैथुनशक्तिताहिनहिहोय ॥

॥ अथमैथुनजशोषराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ दुग्धअवरमांसरसषावै भोजनघृतकरयुक्तकरावै हृद्यमधुरवस्तूहैजोय जीवनीयगणसेवैसोय ॥ अथषरजूरादिघृत ॥ चौपै ॥ छुहारेद्राक्षफालसेजांनो लेयमुलठीघृतमोठांनो घृतपकायमघपीसमिलावै षावैताहिशोषरुजजावै श्वासकासज्वरक्षईविनासै रोगजाहितनकाद्युतिभासै ॥

॥ अथशोकजशोषस्यलक्षणउपाय ॥

चौपै ॥ अतिशोकहितैंचिंताहोय चिंताकृशतनकरहैसोय शोकअधिकतैंयक्ष्मप्रकास हर्षदिलासादेविश्वास शीतलमधुरसनिग्धसोखावै लघुदिपनभोजनकरवावैं ॥

॥ अथजराशोषस्यलक्षणम् ॥

जराकरवीर्यसुबुद्धिविनाशै अरुसमस्तइंद्रियवलनाशै कंपसंयुक्तहोयवृद्धाई फूटेकांस्यपात्रकीन्याई कंठहुतैंस्वरअसनिकसावै वलकरकफजोकंठरुकावै कफत्यागनकोंवलवहुकरै कफनहिंनिकसैअतिदुखधरै होयअरुचतनभारीजांनै पीडतहोइविहबलतामांनै मुखनासाचक्षूश्रवतेरहैं हतछविकृशतासभअंगगहैं इन्हअपगुणयुतरोगीजांन जरासहितसोलक्षणमांन

॥ अथजराशोषराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ अथच्यवनप्राश ॥ चौपई ॥ विल्वकरथअग्निमंथकोआंनो स्योनाककाश्मरीपाडलठानो वलामघांदोनोकंडचारी चारोपरणीचहियेडारी अमलीगोषुरुककडशृंगी अगरजीवंतीद्राक्षाचंगी गिलोयहरडमेदाजुकचूर जीवकवृद्धजुपुष्करमूर मुत्थररिषभपुनर्नवाआंन लघुलाचीउत्पलपुनठांन चंदनकंदाविदारिवासा काकोलिअौरकाकजौनासा यहलेवैपलपलपरिमांन धात्रीफलशतभागजुठांन द्रोणएकजलपायपकावै पादशेषलषताहिछनावै द्वादशपलघृतद्वादशतैल अर्धतुलाशरकराजुमेल पत्तपकायशितलसोकरै माघ्योंषटपलतामोंधरै वंशलोचनपावैपलचार दोपलमघचूरणकरडार दालचीनिइकपलतिंहठांन केसरएलापलपलमान पलतालीसपत्रमंगवावै तामोंसभयहपीसमिलावै षावैयाकोंवलअनुसार याकेगुणसुनकरोंउचार च्यवनप्राशयाकोहैनांम रिषिभयोंयुवावहुतअभिरांम षावैवृद्धयुवासोहोय कृष्णवालवृद्धोकरसोय सुष्टकंठकोस्वरप्रगटावत श्वासकासक्षीणताजावत त्रिष्णायक्ष्महृदयकेरोग रक्तवातरुजहोहिंअयोग मूत्रवीर्यकेरोगविनासैं आयुस्मृतवुधकांतिप्रकाशै इंद्रिनवलअरुअग्नितासइस्त्रिनकोंवहुहर्षजनावै जराअवस्थाआकृतजावे युवाअवस्थारूपप्रकाशै एतेरोगजोगकरनासै ॥

॥ अथजराशोषचिकित्सा ॥

अथउच्यटादिमोदक ॥ चौपई ॥ उच्यटाइक्षूरसमधुलेय तुगाक्षीरीप्रस्थप्रस्थसमतेय अर्धतुलाशरकरामिलाय कुडवकौंचत्रिसुगंधीपाय कुडवमरचपुनजानपतीजैं सभयहमेलजुमथकरलीजैं पलप्रमांनयहमोदककरै वलअनुसारखायदुखटरै ब्रह्मचारीजितेंद्रीरहै राजयक्ष्मक्षीणतादहै वृद्धक्षीणताजावैतास वरणकंठस्वरवलपरकाश तुष्टिपुष्टउदारताहोय भूतप्रेतपीडाहरसोय वृद्धक्षीणवीर्यकोंएहवाजीकरणलषोतुमतेह वंध्यातियकोंहैसुतदायक इस्त्रीखाएक्षीणाइविलदायक लिंःफमूत्रकृछ्रउन्माद

ग्रहणीअपस्मारविषवाद राजयक्ष्मरोगीजोहोय हरिगुरुश्रद्धाधारैसोय अरुऔषधमोंश्रद्धाधारै इहप्रकारसभरोगविडारै छागलमांसतप्तपयपांन जीवतसैवैहितनिजमांन कर्मविपाकहुंकेअनुसार पुन्यकरैयहवडउपचार

॥ अथमार्गस्रमशोषस्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मारगश्रमकरक्षईजुहोय तासअंगजुगडेलषिसोय भूनीवस्तुकठोरजिमकहिये तासुदेहकठोरइमलहिये सभीअंगसून्यहोइजावै कंठतालुमुखशुष्कलषावै

॥ मार्गशोषजराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

चौपै ॥ जिहमारगश्रमयक्ष्मीजांनै तिहइस्थीरताकोसुखठांनै दिनकोंशयनकरावैतास शीतलमधुरतक्ररसमास अरुजोपुष्टकरतहैपथ्य भोजनकरवावैलहुतथ.

॥ अथव्यायामशोषलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जोअत्सयकरहैव्यायांम तिसयक्ष्मीकेयहपरिणाम जोउरक्षतक्षयीलक्षणकहै व्यायामीमोसोलषलहै.

॥ अथव्यायामशोषचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ स्निग्धमांसरसातिसनरदेवै अम्लयूषहितकरलषसेवै अरुव्यायामक्षयीलषपावै भोजनसरदास्निग्धमनभावे.

॥ अथव्रणक्षयस्यलक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ एकक्षईव्रणहूतेंजांनै रक्तक्षीणतातैंअनुमानै तातेंपीडाकरआहार घटजावतनहिलागैवार तिसतैंदेहीक्षयहोइजावै व्रणहूंतेंयोंक्षईकहावै.

॥ अथव्रणक्षयस्यचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जोव्रणतेंउपजैक्षईरोग दीपनस्वादिकपथतिसयोग शीतलवस्तुमांसरसदेवै अतिसुंदरवस्तूहितसेवै.

॥ अथउरक्ष्यतक्षईलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अवरउरक्षतक्षईवषांनो तासनिदानकहोंलषमानो जोषैंचैवहुधनुषकमांन वलतेंअधिकजोभारउठांनआपहुंतेवलवंतजुहोई तासोमल्लयुद्धकरकोई विषमस्थानहुतेंजोगिरै शिलाकाष्ठऊपरतनपरैवृषभअश्वजोदौडितजावै तापकडिनहितपाछेंधावै अथवाऊचेतेगिरपरै महानदीवाहूकरतरै घोडेसंगजुदौडितजावै वडीछालमारैदु:खपावै जोअतिनृत्यकरैकिसुआगै विहवलहोयनतनअनुरागै इन्हकारणतेंउरक्षतहोय वलवतयक्ष्माहिंप्रापतसोय अतिआसक्तियनमोहोऊ भोजनरौक्ष्यअल्पकरजोऊ ताकोभीउरभेदोजावै यातेंक्षईरोगप्रगटावै अरुजाकोंवहुषांसीहोय ताकोंभीप्रगटैक्षईसोय पार्श्वदोय. पीडायुतजास शुस्कअंगकंपहोयतास वलवीर्जवर्णअभितिसनासे जरअंगपीडमनग्लानिप्रकाशे मंदाग्नीविट्भेददुर्गंधीजांनो विष्टाइयांमजुपीतवषांनो रक्तयुक्तकफनिकसेजिसको वीर्जअवरवलक्षयहोयतिसको.

॥ अथउरक्ष्यतक्षईचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ क्षतपरजोजोहितकरवस्तु सोसोयक्ष्मोकोंपरसस्तु वलीक्षईकेकहेउपाय विषसमक्षीणवलहिंदुखदाय तनमीवलवीरजआधीन प्राणअधीनमलजानप्रवीन याजगवैद्यचतुरजोहोय रक्षावीर्यमलकरहैसोय ॥ अथषडंगयूष ॥ चौपई ॥ मघासुंठयवदाडिमजांन कुलत्थआमलैयहसमठांन छागमांसरसयूषमिलावै पीवैपीनसादिक्षइजावै द्रव्यहुतैंडुगुणालेमास सभतैंअष्टगुणाजलतास पादशेषरहेघीउमिलावै षडंगयूषयहनामकहावै.

॥ अथयक्ष्मउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ रक्तसहितमूत्रहोयजास पार्श्वपृष्टकटिग्रहनिततास वलवीर्जरक्तक्षयहोवेजिसको यक्ष्मउपद्रवजानोतिसको.

॥ अथअन्यसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ यक्ष्मचिन्हजेकीन्हप्रकाश कछुथोहडेसेहोइहैंजास उरकीअग्निदीप्तरहैजासू घटैनाहिवलवीरजतासू अैसोपुरुषचिकित्सायोग भाष्योशास्त्रप्रगटइहलोग जायक्ष्मीमोअैसेलक्षण सोऊसाध्यलषलेहुविचक्षण वर्षपर्यंतजाप्यहेजोय सर्वलिंगयुतत्यागेसोय यक्ष्मरोगकोकह्योनिदांन समुझेलक्षणवैद्यसुजांन ॥ दोहा ॥ राजयक्ष्मलक्षणकहेसोलीजैचितधार यक्ष्मचिकित्साअवकहोंसमुझभलीपरकार.

॥ अथसामान्यराजयक्ष्मरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ कहोंचिकित्सायक्ष्मकीसुनलेवोमनधार वंगसेनजेसेंकहीसभग्रंथनअनुसार ॥ चौपई ॥ जिन्हजिन्हकारणक्षईलषावै दुग्धमांसरसताहिपिबावै मधुरसघृतभोजनदेतास हृदयसुखदवस्तूसुखरास अैसेंसमुझाचिकित्साठाने वैद्यचतुरप्रथमहिंअनुमाने ॥ अन्यच ॥ मूलीअवरकुलत्थमिलाय यूषपानरुजक्षईनसाय ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ धानियांमघासुंठदशमूल पीवैकाथसभलेसमतूल क्षईपार्श्वशूलज्वरजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ असगंधभिडंगीवरचगिलोय वासापुष्करमूलसमोय अवरशतावरीतामोपाय वलालीजियेताहिसमाय अरुलैवैदशमूलपतीस यहचूरणकीजेसमपीस वलअनुसारयाहिकोषावै राजयक्ष्महरसुखउपजावे क्षईरोगकाहोवेनाश अैसेंकीनोग्रंथप्रकाश अन्यच वानरमांसजुलेयसुकावे दुग्धसाथचूरणसोषावै क्षईरोगताकोहोइनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश अन्यच हरणछागमांससमलेय धूपसुकायचूरणकरुलेय अजादुग्धसोंकरहैपांन होयराजयक्ष्मकीहान अथकाथ चौपई रहसणवरच अवरदशमूल सुरदारसुंठअरुपुष्करमूल यहसमलेयकाथकरपीवे क्षईपार्श्वशूलहतथीवे शिरपीडाअरुजावेकास होयतनशुद्धकीनपरकाश अथचूर्ण चौपई अर्जुनवृक्षत्वचाकोलीजै कवचवीजनागवलालहीजैयहसमचूरणकेवनाय दुग्धपकायघृतमधुसोंषाय अरुमिसरीभीसाथमिलावै षावैक्षईकासमिटजावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शालिपर्णिइटसिटजुविदारी एरंडवासादोकंड्यारी जीवकरिषवगोषुरूशतावरिलांगूलीवृश्चकालीतिहधरि हंसपादुकादोनोसहा कवचवीजवलालहुतहा यहसमचूरणपीसेषावै क्षईगुल्मश्वासपितजावै वातकासहोइजावैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ दशमूलमघाधनियांसमलेय सुंठमिलायकाथकरतेय चतुरजातसंगपीवेतास क्षईकासज्वरहोवेनाश वल-

65

अरुपुष्टकरतपाइषानो यहगुणयाकेमनअनुमानो ॥ अथरस ॥ मदपलीपंचांगघुटावे ताकोरसलेब-
खछनावे पीवेएकमासपरयंत राजयक्ष्मकोहोइहैअंत ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ छागमांसछागघृत-
जान छागदुग्धअरुसुंठामिलान नितषावेअरुछागाहिंसेवे छागोंमध्यसदानितसोवे यक्ष्मरोगहोवेतिस-
नास यहभीभाष्योकरविस्वास ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ चूर्णलाषकर्षदोइलीजे पेठेरससोंनितउठपीजे र-
क्तयक्ष्मकोंनाशेसोय होइआरोग्यसुखीतनहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाअवरशतावर दो-
यवलासमलोहचूर्णधर यहचूरणनितषावेजोय यक्ष्मादिसर्वरोगहतहोय ॥ अथअवलेह ॥ चौपई ॥
बिडंगाशिलाजितलोहेचूरण खंडपायघृतमोंकरपूरण रूपमाक्षितिहपीसमिलावे मधुकरयुक्तजुलेहवनावे
यहचाटेनितक्षईमिटाय समुझलीजियेकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचवकअरुवायाविडंग
यहसमचूर्णघृतमधुसंग नितप्रतिचाटेक्षईमिटावे होइआरोग्यजीवसुखपावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥
मांसकवूतरकोमंगवावे षंडषंडकरधूपसुकावे चूरणकरमधुघृतसुरलाय प्रतिदिनचाटैयक्ष्ममिटाय ॥ अन्यच ॥
चौपई ॥ द्राषमघांमधुमिसरीपाय चाटैताहिक्षईनरहाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मधुघृतामिसरीमघअस-
गंध चाटेनित्यहोयक्षईभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मिसरीमधुमाषनजुमिलाय नितप्रतिचाटैयक्ष्मह-
टाय ॥ अन्यच ॥ मधुघृतदोऊमिलायचटावे परयहसमानतोलनहिपावे ऊनअधिककरमेलेसोय चा-
टैक्षईरोगक्षयहोय पाछेदुग्धकरेजोपान यक्ष्मरोगकीकरहैहान ॥ चूरण ॥ चौपई ॥ नागवलाकोमूलपि-
सावे पलप्रमाणदुग्धसोंषावे अरुनितदुग्धकरैआहार आधिकनषावेसमुझविचार यहप्रयोगधरेइकमास
पुष्टआयुवलकरेप्रकाश राजयक्ष्मकोरोगनिवारे यहगुणयाकोनिजमनधारे ॥ अथतालीसादिचूर्णगुटिका ॥
॥ चौपई ॥ तालीसपत्रमरचमघनागर भागवृद्धइकइकइन्हकोंधर दालचीनीएलायहदोय अर्धअर्ध-
भागधरसोय जेतेभागमघपीपलहोई अष्टगुणमिसरीधरसोई सभमिलायचूरणयहषावे श्वासकासहृदरोग-
मिटावे पांडुअरुचग्रहणीलिफजाय शीथशूलअतिसारमिटाय छर्दअरुचज्वरवातनसावे राजयक्ष्मको-
नाशकरावे जोमिसरीपुतगुटिकासेवे षावेअधिकगुणनकोंदेवे अथमहांताली सादिचूर्णचौपई तालीसप-
त्रचित्रात्रिकुटाय तिंतडिदाडिमपलपलपाय दोऊजवायणअरुअजकना गलगलचवकसमुझनिजमना गज
केसरवालाजीराठाने पिपलामूलविडंगपछाने धनियांजायफलमघांमिलावे त्रिसुगंधलवंगकर्षकर्षपावे सभ
तेंदुगुणीशरकरापाय चूरणकरपावेदुखजाय पीनसराजयक्ष्महृदरोग मूत्रकृछ्रहोइजांहिअयोग पांडहलीमक-
अस्सीवात चालीसपित्तरुजकरहैघात कफरुजनासेंवीसप्रकार यारांग्रहज्वरशूलनिवार अर्शभगंदरगलग्रहजा
वै ऊरूस्तंभस्वरभंगामिटावै इत्यादिव्याधकरहैयहनाश महातलीसिआदिलषतास ॥ अथअन्यतालीसादीचू
र्णं ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रमरचमघनागर लघूलायचीजायफलातिंहधर कमलभेयपुनपिपलामूल वं-
शलोचनयहलेसमतूल इन्हतैंत्रिगुणीमिशरीपाय चूर्णषावैनिजवलभाय दीपनरुचकरजानोएह पित्त-
रक्तज्वरनासकरैह हृदैरोगश्वासरूमकास ग्रहणीक्षईगुल्मकरनाश मूढवातअरुशूलअफार पांडुकंठ-
ग्रहरोगविडार हाथपादकीदाहनिवारे तालीशादीचूर्णदुखटारे ॥ अथकरपूरादीचूर्णं ॥ चौपई ॥ कर-
पूरअवरकंकोलजुमरच जलवत्रीअरुजाइफलवरच येहऔषदसमतोलकरीजें दुगुणलवंगमघसुंठधरीजे
अरुमरचाभीदुगुणपछान इंन्हसभकेसमामिसरीठान नित्यपथावलचूरणषावे क्षईकासहृदरोगमिटावे
श्वासगुल्मअर्शयहटारे रुचकरहैस्वरकंठसुधारे कंठरोगकोकरहैनाश अपनेमनगुणजानोतास करपू-
रादिचूर्णयहकह्यो रुजहरतागुणकरतालह्यो ॥ अथवलादिघृत ॥ चौपई ॥ वलाआमलेअवरबिदारी

विदारीगंधाचाहियेडारी घृतमोपाय पकावैजोय लवणमेलकरखावैसोय वालेवैताकिनसबार राजयक्ष्म रोगकोटार ॥ अथएलाद्यघृत ॥ चौपई ॥ एलाविफलानिंबविडंग अजमोदात्रिकुटापांचोअं-ग सारशालवृक्षजुउशीर मुधूमिलावैचित्राधीर विजयसारभषडेपावै सैकलथलेताहिमिलावै दोदोपलजलद्रोणपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावै घृतकरशुद्धवनावैजोय वंशलोचनपलषटजुसमोय मिस-रीषावैपलर्तिहतीस सभीमिलावैश्रौषदधीस घृततेंदुगुणोमधुजुमिलावै मथनकरपलपलनितषावै पाछेतें-करहैपथपान राजयक्ष्मतलक्षिसकरहान पांडुभमंदरतुरतनसावै परमरसायणयहलषपावै ॥ अथपारासरघृत ॥

॥ चौपई ॥ मुलठवलाअरुजानगिलोय पंचमूललघुताहिसमोय जलदोयद्रोणपकावैजास अष्टमभागरहैजवतास आढकंममाणतामोघृतपावै धात्रीकंदविदारिमंगावै रसइन्हकोअरुइक्षुरसजान तीनआढकइन्हकोपरिमान पुनजीवनियगणपीसमिलावे षावैक्षईसमेतमिटावे ॥ अथसुदंष्ट्राघृत ॥

॥ चौपई ॥ भषडेफलनीवलाजवांहा चारचारपलपावोताहां पित्तपापडापलइकमान अष्टगु-णाजलमोयहठान जलपकायदसमारहैभाग पुनकर्षकर्षयहचूर्णविभाग मधांन्नायमानजुकचूर किराय-ताआमलेपुष्करमूर तिकाकोगडयहसभजान प्रस्थएकघृतकरोमिलान दुगुणदुग्धमंदाग्निपकावै षावै-क्षईदाहज्वरजावै पार्श्वशूलशिरपीडानाशै त्रिषाछर्दअतिसारविनाशै ॥ अथवलागर्भघृत ॥

॥ चौपई ॥ दशमूलीकाकाथवनवावै दोयप्रस्थवांसारसपावै चूर्णवलाप्रस्थइकठान प्रस्थएकघृतपा-यपकान ताडिनतैंउत्पतक्षयजोय षावैघृतनाशेतवसोय ॥ अथचंदनादितैल ॥ चंदनवालानखउत्पल आनो मुलठशिलाजितएलाठानो पद्मकाष्टअरुसलमजीठ दोनोहलदअगरसुनईठ मुरामांसीतजत-जपत्तर सारवादेवदारधरमुत्थर गजकेसरकुंकुमकंकोल तिकालवंगपलपलसमतोल कचूरपापडातामोपाय वनतुलसीलैतासमिलाय चतुर्गुणइन्हतेंतैलमिलावे दधिकोमंडचतुर्गुणपावै अरुतिन्हसमलाक्षारसपाय सिद्धकरैयहतैलपकाय पीवैमर्दलेनसवार पूलनादिसभहीग्रहटार देहवरणवलकरताजानो अपस्मारउ न्मादक्षईहरमांनो अवरअलक्ष्मीकोंयहनाशे वशीकरणपुष्टायुप्रकाशे ॥ अथशतपाकतैल ॥ तिलको-तैंलजुप्रस्थप्रमाण चारप्रस्थगोदुग्धमिलान मुलठएकपलतामोदीजैं मंदअग्निसोंताहिपकीजैं इसीरीत-सोंशतएकवार तैलजुसिद्धकरैमनधार पीवेमर्दनलैनसावार एतेरोगदूरतेंटार यक्ष्मरोगहृदरोगनिवारे गुदजरोगपांडूरुजटारे ऊर्धजत्रुरुजमदउन्माद रक्तजपित्तविसर्पविषाद ॥ दोहरा ॥ राजयक्ष्मवर्णनकि-योंवंगसेनअनुसार पथ्यापथ्यवषांनहीसोलीजेचितधार इतिराजयक्ष्मरोगचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथराजयक्ष्मारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ यक्ष्मरोगकेपथअपथवैद्यकग्रंथविचार सुनविचारमनधारीयेसोऊकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धस्निग्धभोजनहिततास वनमृगपक्षिनछागलमास घृतमधुमाषनमिसरीजान विशेषअजापयघृतपरिमान अवरवहीदानाअरुषंड दाखछुहारेलाजामंड गेहूंमुंगपुरातनलहो सठी-सालीजीरणगहो जवकोटाशीतललघुवस्त दीपनकोमलवस्तुप्रशस्त पटोलहरीडआमलेजांनो मुलठ. वदामनेउजेमांनो एलाशृंगीअवरअनार फूलसुगंधहर्षमनधार रागश्रवणशीतलअस्थांन धनियांजी-रणपेठामान जोजोहृदविहितकारीहोय वलअनुसारपथ्यहैसोय ब्राह्मणदेवपितृगुरुपूजा श्रवणपुराण-उपायमहदूजा ॥ दोहरा ॥ पथ्यकहेहैयक्ष्मकेसवलक्षणपहिचांन चतुरवैद्यदेवेतिसेहोयनरोगिहांन ॥ इ-

तिपथ्यं ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ यक्ष्मअपथ्यवषांनहोंशास्त्रनकेअनुसार प्रथमत्यागियेतिन्हनकोंपुनकीजे उपचार ॥ चौपई ॥ मैथुनवहुआतपगुरुभोजन क्ष्यारतिक्भोजनलषहोमन मारगचलनअरुभारउ. ठावत्त गुडअरुमाषकुलथकोषावत कंदकचालूआदिकजेऊ अवरविरुद्धअन्नजलतेऊ अरुव्यायामवे-गकोरोकन बहुश्रमअवररक्तकोमोक्षन तैलपक्वशाकमहूजान मद्यपुद्धवहुजाअनमांन इस्त्रीशोककोधईषांऊ अपथ्ययक्ष्मकेयहलषपाऊ कफकरवस्तुउष्णपुनजेऊ रक्तजवस्तुअपथलषतेऊ ॥ दोहरा ॥ अपथ्यय-क्ष्मकेकछुकहेदेषेग्रंथविचार बुद्धिमांनजोवैद्यहैसमुकेभलीप्रकार ॥ इतिअपथ्य ॥ दोहरा ॥ राजयक्ष्मव-रननकीयोंप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषांन इतिराजयक्ष्मरोगसमाप्तम्.

॥ अथराजयक्ष्मरोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोब्राह्मणकीवृत्तिछिदावै ताकोंक्षईरोगप्रगटावै अरुजोनृपसर्वश्वहर-लेय परजाकोंवहुपीडादेय राजयक्ष्मातिसकोंभीहोय तासउपायकहोंसुनसोय ॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कदलीवृक्षस्वर्णकरवावै पत्रपुष्पफलसहितवनावै पूर्णकलशअलंकृतधरै ब्रह्मामूर्त्त-स्वर्णपुनकरै चतुर्वाहुमुखचारवनावै चारवस्तुवहुहाथधरावै अक्षसूत्रपुस्तकदोइहाथ औरकमंडलअभ-यकरसाथ अष्टपलरजतकमलपरधरै ऊपरस्वेतवस्त्रअनुसरै कदलीमूलताहिकोंराषै पुनसुनलेहुशास्त्रयों-आषै ताम्रपात्रतिलसंयुतआनै हेमविष्णुमूरततहांठानै विधिवतपूजनसभकोकरै हिरण्यगर्भमंत्रउच्चरै इ-सहीमंत्रसोंहवनकरेय सावधानयहविधिकरलेय सूर्यमंत्रसोंसूर्यनिमित्त हवनकरैसुनलीजैमित्त असकदली-तरुदेवैदान ब्राह्मणश्रेष्टभलेंपहिचांन राजयक्ष्मरोगतैंसोय मुक्तहोयकरसुखियाहोय ॥ दोहरा ॥ क्षईरोगवरननकियोकारणसाहितउपाय ज्वररुजकेसवदोषगुण भाषोंसुनचितलाय इति ॥ अथजोतिष ॥

॥ दोहरा ॥ दिनकरकीराशीविषेचंदकोआगमहोय अथवाचंदकीराशिमोसूर्यसउद्यतजोय यद-ग्रांशकोभावकरनवांशपरस्परयोग चंदसूर्यकेस्थानविरुद्धहोतरोगकोजोग तिहप्राणीकोअवश्यकरराजयक्ष्म कोहांन सूर्य्यचंदकाजपकरेरोगनिवृत्तीमांन ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ अथान्यप्रकारराजक्ष्मकथनम् रोगराजयक्ष्म ॥

॥ चौपई ॥ आमाशयकादोषजोहोई यक्ष्मफिफरेमांनोसोई तपेदिककालक्षणमांनो राजयक्ष्मताहि करजांनो भीतरनाडसोइफटजावे यक्ष्महोएफुनिरुधिरादिखावे रुधिरकोपकरमांनोसोई अतिभयदाय कलक्षणहोई कालारंगरुधिरानिकसावे वासलीककारुधिरछुडावे रेचकऔषधसेवनहोई आगेयतन-औरकरसोई रैहांनरंगकालेकील्यावे पीसनीरमधुपायपिलावे ॥ चंदनापित्तपापडाल्यावे नागरमो-थावालापावे करेकाथसीतलजवहोई करेपानदुखनासेसोई न्हापेकीजढताहिमंगावे सठीचावलमेलखुलावे वांसासोदसमासेल्यावे दोईसेरजलपायचढावेआधसेरजवहींरहजाय ढाईतोलेमधूमिलाय करसीतलपीवे-नरसोई राजयक्ष्मदुखनासेहोई खिचडीमुंगविनाघृतखावे खिचडीविनामुंगनहिभावे जेकरअतिनीरमुखआवे गरमीदोखताहिप्रगटावे करेवमनगरमीहटजाय पाछेहरडआमलाखाय मुरवाअथवाइनकाखावे पित्तघ्न-औरऔषधमनभावे कफअतिहोयदोषकरसोई आमाशयजलल्लेसलहोई प्रथमशुद्धआमासयकीरए वमन करायदोषसवहीरएकणकपीसमैदानिकसावे साडेदसमासेनितखावे भोजनथोडाकरेसुजांन होवेराजयक्ष्म-कोहान इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांराजयक्ष्माऽधिकारकथनंनामपंचविंशोऽधिकार-

॥ अथज्वरप्रकरणमाह ॥

॥ तत्रज्वरस्यउत्पत्तिनिरूपणं ॥ दोहा ॥ ज्वरउत्पत्तिप्रथमहिकहौंआगेकहौंनिदान ज्वरराजासभरोगकोंया तैकरोंवषान ॥ चौपई ॥ दक्षप्रजापतिजवमषकीन तहांअनादरशंकरचीन उपजोक्रोधरुद्रकोमहां प्रगटयोज्वरश्वासनतैंतहां ॥ दोहा ॥ इहप्रकारउत्पतभईज्वरकीआदिपछान पुनआश्रयरसआमवातपित्तकफज्वरमांन मिथ्याहारविहारकरआश्रयहोइरसआम निजथलतजज्वरवातपित्तकफप्रगटैतनठाम वातपित्तकफतीनइहद्वंदजजानप्रमाण सप्तमसन्निपातसुकह्योअष्टमागंतुवषाण ॥

॥ अथज्वरस्यपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरकेउपजणकेयहलक्षण प्रथमहोतहैंलषोविचक्षण श्रमविवर्णतातनतिसगहै किसीवस्तुमोंप्रीतनरहै न नमोंजलजृंभाआवै वदनविरसअंगपीडापावै कवहिसीतइछामनकरै कवी गर्मचितमोंअनुसरै कव्हीमनअतप्यासमेंरहता ग्रंथवैद्यमांइहविधकहता भारोतनअरुलागैशीत रोमउठैंरुचिरहैनमीत हर्षरहितपुनमोहपछान यहलक्षणसामान्यलषान अरुविशेषतैंसमुझोकहौं वमनहुंतैंजृंभाकोलहौं पित्तहुतैंनेत्रनमोंदाह कफतैंअरुचीजानेताह जोयहलक्षणइकठेलहियें इंदज्वरताहूकोकहियें वुद्धिमानजोवैद्यकहावै पूर्वरूपज्वरकोलषपावै पूर्वरूपवातज्वरजान करवावैव्याधीघृतपानपित्तज्वरकोरूपलषावै व्याधीकोरेचनकरवावै पूर्वरूपकफज्वरलषलेय छर्दकरावैरुजहींतेय त्रिदोषजपूर्वरूपज्वरजाने त्रैउपचारात्रिदोषाहिंठानै ॥ इतिज्वरपूर्वरूपम् ॥

॥ अथज्वरस्वरूपनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहौंजुज्वरकेवेगकोंमनमोंकरहिविचार जैसेवरतैतासमोंतैसेंकरोउचार ॥ चौपै ॥ वेगकरैआकरज्वरजवै असररूपप्रगटावततवै वहुततपैतनस्वेदनहोय सर्वअंगपकडतहैसोय ॥

॥ अथज्वरप्रकटतावर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ अधिकवातकफपित्तजवहोय वेगकरैमारगस्वरखोय वाहरआयअग्नीसुमचाय तिसकरज्वरहिवेगप्रगटाय सोज्वररसनाडिनकोंरोकै कायागर्मअत्यंतकरसोकै याविधपर्सानहिप्रगटात रसनाडिनकोवेदकरात ॥

॥ अथसामान्यज्वरचिकित्सा ॥

तत्रादौहितोपदेशः ॥ चौपई ॥ इन्हरूपज्वरवाहरजानै पुनअपथ्यअरुपथ्यपछानै कछुकअपथ्यपथ्यपरकार भाषतहोंमतग्रंथनुसार तापचिकित्साअंतमंझारै पथ्यापथ्यस्पष्टउचारै तरुणज्वरीनहिंकरैसनान वुटणामर्दनतैलनमान दिनमोंसोनोइस्त्रीसंग अरुचीरुतनहिंधारैअंग शीतलजलकोंपीवैनाहि क्रोधनधारैनिजमनमाहि दहीकाथश्रमवस्तिकर्मरुत घृतमधुदुग्धरेचननहिहित अंगमर्दनअरुतक्रनहिरागै तरुणज्वरमहिइहसवत्यागै याहिउपद्रवहोतअतिलाग तांवूलदंतधावनइहत्याग राजरोगवमनमदमूर्छाई भ्रमअरुतृषाअरुचीप्रगटाई व्याजांमकरतज्वरहीवधजावै मैथुनतेजडअगमूर्छावै स्नेहपानमृत्यूउपजाय वमनमूर्छामदअरुचीप्रगटाय अतिभोजनदिननिद्रानहिकरै तातेंदोषवृद्धिहोयवरै नाडीरसचलनेतेरहै खुर्ककरैइहकारणलहै विषकीन्याईंज्वरकचमाहि इनकारणसोंदेहबचाहि वातलवस्तुनभो-

जनकरे नवीनज्वरीएतेपरिहरे जोइन्हहूंकोंनाहित्यागे ताकोतनजुउपद्रवजागैं शोथछर्दमदमूर्छांहोय त्रिष्णाश्रमजुअरुचिताजोय ज्वरीविमुक्तज्वरीपथलह्यो लघुभोजनादिनअंतहिकह्यो यद्यापेअरुचिज्वरीको- होय तौभीलघुभोजनकरसोय काहैविनभोजनहोइक्षीन अथवामरैजुलषोप्रवीण जोजानेज्वरभारीअहै अरुअंतरबहुभारीरहै ताकोअन्नसुनाहिषुवावे नाशआरवलाअन्नकरावे जाकोंवहुतअरुचिहोईजाय सलवणविजोरातुरीषवाय मनकाआमलकमिसरीसंग कूटमिलायषवायनिसंग इन्हहूंतेहोंइरुचिपरकाश अवरहूंभीदेपाचनतास पथ्यरहैतैंसुखपरकाशै विनाऊौषधीदुःखविनाशै ज्वरमोंलाजाशालीपथ्य सठीचाव लमुंगीतत्थ मोठमसूरचणकजुकुलत्थ इन्हकोरसज्वरमोहैपथ्य पटोलककोडेकरेलेजान यहभीपथ्यज्वरी- कोमान लवाचकोरहरनकोमास सहामासपुनपथलषतास नवीनज्वरीकोक्काथअपथ्य लंघनताकोंजानोपथ्य लंघनज्वरकोदूरनिवारै पुनशरीरमोंसुखविस्तारै गर्भिणिवालवृद्धहैजोय तिन्हकोलंघनभलोंनहोय मार्ग- श्रमतेंक्रोधकामतैं भयइत्यादिकअवरशोकतैं इन्हतैंजोज्वरतनप्रगटावै इन्हन लंघनपथ्यकहावै वमनअ- धिकारहिवमनपथमान जासदेहहृदभारीजान अरुअधोवातमूत्रविष्टाऊ इन्हकोनिकसनपथ्यकहाऊ वात हिकफहिउष्णजलपान अहैपथ्यनीकैंपहिचानापित्तवालेकोशीतलतोय पथ्यअहैजानोमनसोय मुथूपाप- डाचंदनउशीर पैतिकपथ्यक्काथयहधीर ॥ दोहा ॥लंघनसंयुतजोज्वरीनाहिपक्कजलजोय अपनेमनमोंलष लहोताहिअमृतसमहोय वुद्धिमानजोवैद्यहैअपनीबुद्धअनुसार पकवावैसोतोयकोंअसऊौषधमधडार ॥

॥ अथजलपक्ककीऊौषधीवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ पंचमूललघुऊौषधजेय जलकेभीतरपावैतेय अथवामघांपीपलीपावै वाकंडयारिजवाहां थावै वादशमूलपायपकवावै जोवडदोषज्वरहिजुलषावै वृद्धपंचमूलतहांपावै पीपलमूलसुंठधरवावै अजवायणइत्यादिकवस्त अरुगोषुरुजहजानप्रशस्त ॥ इतिजलपक्कवस्तु ॥ चौपै ॥ होवेपथ्यरोगीचित- नाहि कल्कविधीकरदीजोताहि दोषपकैनहिक्काथनदेय पीवेक्काथक्योभतनलेय थमेजाहिपकतगिरना- हि स्वतस्थानंतजविषमप्रगटाहि ताहिदोषलषक्काथसुदेय तिहवर्णनअवसारसलेय षोडशाशवाद्वाद- मांन अथवाअष्टमांसहितजांन चतुर्थअंसजवपाकमोजाय सोक्काथहिज्वरदोषनसाय भषडाआदिद्र- व्यपलहोय सेरअष्टपाणीमोसोय चारसेरजवहींरहजाय दोकर्षसठीचावलपाय सोयिक्काथरोगीहित- मान ॥ वंगसैनइहकियोवषान ॥ अथजूषविधिः ॥ अठारहगुणजलमैंजुपकाय ॥ जूषनामातिहजानसुभा- य पंचगुणजलकरसोभत्तकाहिये चारगुणजलमोविलेपहिलहिये क्काथअर्धपलसेरमोजाय अठसेरज- लसंगलेयपकाय चाररहैतोछानकरलीजै पुनजुआंचपरताहिधरीजै अर्धपलहिसेषजवरहै ताहीनाम- जवागूकहै अतिविसेषवातपितकफको मंदाग्निवरपुरुषनिको लंघनसप्तरात्रउपरांत पाकजलहिज- वागूवहुभांत ज्वरनपकेतदपाचनदेय क्काथइत्यादिसुदोषहरेय मुषविरसतृषाअरुचोज्वरजाहि घातक- औषधकरलेताहि.

॥ अथतरुणज्वरमर्यादा ॥

॥ दोहरा ॥ सप्तदिवसज्वरतरुणहै चौदसमध्यमजान तिहऊपरवुधजनकहैंज्वरहिपुरातनमान पकैपित्तज्व- रदसादिननकफज्वरद्वादशजान सप्तदिवसमारुतपकैलंघनतिनसममान

॥ अथअपक्वज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मुखतैंलालाचलहैतास हृदयअशुद्धअरुचिपरकाश आलसनिद्राअंगहोइभारी वदनविरसवहुमूत्रप्रचारी क्षुधानाशज्वरहोयबलवान लक्षणतापअपक्वपछान ॥ दोहा ॥ औषधकाचेतापमोंजोदेवैयोंजान मानोकालासर्पतिसकरउठायालियोमान

॥ अथपच्यमानज्वरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ करैवेगज्वरश्वासवहुत्रिषाप्रलापभ्रमहोय मलप्रवृत्तउत्कलेदअतिपच्यमानज्वरसोय जोस्वभावकफवातपित्तविकृततताहिपक्कजान प्रकृतभेदअनुसाराविदुरोगपक्कअनुमान

॥ अथपक्वज्वरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ कृशताअंगलघुताक्षुधाअल्पतापउत्साहि यहलक्षणज्वरपक्ककेदीजैऔषधताहि

॥ धातुपाकलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ निद्रानाशछातीरुकैमलमूत्रघटजाहि अंगभारीअरुचीरहैप्रीतनकाहूमाहि बलहिघटैतौजानवुधधातपकनसोमीत वंगसैनसवशास्त्रमतजानलेयइहरीत ॥ अथदोषपाकमाह ॥ दोषप्रकृतघटताहैज्वरकायालघुताहि इंद्रीनिर्मलहोतजिहपक्कदोषमनयाहि

॥ अथऔषधीसेवनमंत्रः॥

ॐब्रह्मादक्षाश्विरुद्रेंद्रभूचंद्रार्कानिलादयः ऋषयःसौषधिग्रामाभूतसंघाश्चपांतुवः रसायनमिवर्षीणांदेवानाममृतंयथा सुधेवोत्तमनागानांभैषज्यमिदमस्तुते धन्वंतरिर्दिवोदासःकाशिराजस्तथाश्विनौ नकुलासहदेवश्चसप्तैतेव्याधिघातकः अच्युतानंदगोविंदनामोच्चारणभेषिजाः नश्यंतिसकलारोगाः सत्यंसत्यवदाम्यहं ॥ इतिमंत्रः ॥ चौपई ॥ सोधनकररोगहोयेजोसाध्य लषतिहरोगदुर्वलकृशव्याध्य वैद्यकोमलतिहरेचकराहि जवदेषैदुखचंचलताहि मलकोठाकोमलअतिभाय बलदेषेनहिलघुरेचकराय सोंरेचनबलक्षीणनाहिकरे वंगसैनविधिएहीधरे संपक्कदोषरेचननकराय सोदोषविष्मज्वरहीप्रगटाय वलघटायअतिहिदुषदायी ग्रंथसकलमोकह्योवनायी जलवहपानकरेनरजोय अथवालंघनक्षिनितनहोय औरअजीरणहोतविकार वाभोजनखायकरैअतिचार तृषाअत्यंतजाहिनरजोय रेचनऔषधपियेनसोय पाचनदीपनताहिप्रमान वंगसैनइहकियोवखान एकवैद्यमतजानोयेहि सतादिनऊपरऔषधदेहि सकलवैद्यमतजानसुजान दसदिनऊपरऔषधमान वातपरक्काथसप्तदिनकीजे पित्तज्वरदसदिनसोदीजै श्लेष्मपुरुषकोंवारहिमान संपूर्णग्रंथइस्त्रीमतजान पित्तज्वरअल्पकालजोहोय सतादिनऊपरक्काथसुजोय सामहोएतसऊपरजान औरसमस्तसमानविधिमान ॥

॥ अथरोगीकोंऔषधपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ ऊैषधपीनलगैरोगीजव सावधानहोइवैठेसोतव मुषप्रसन्नलोचनहरषाय पीवैऊैषधमनाचितलाय स्वर्णपात्रमोंपीवैपाय अथवारजतपात्रमोंषाय अथवामृतकापात्रमंझार पीवेऊैषधहितवरधार तिसउपरंतआचमनकरै मुखशुद्धकरेकछुमुखमेंधरे ऊैषधपचीहुएउपरंत पावैपथ्यज्वरीबुधवंत

ऊौषधषायशीघ्रपथषावै ऊौषधकोवलक्षीणहोइजावै ऊौषधषायतुरतअन्नजोई षावैरोगनाशनहिहोई ॥ दोहा ॥ पचीहुईऊौषधजुहैलक्षणतासउचार सुंदरश्वासप्रसन्नमनलघुतनक्षुधाडिकार ॥ चौपई ॥ ऊौषधनाहिपचैतौलक्षण दिवहैदमनज्ञानविचक्षण दाहअंगपीडाभ्रमहोय मुर्छाछर्दशिरदुखवलजोय ॥ दोहा ॥ पचीअपचीजुऊौषधलिक्षणतासवषान आगेभाषौंवातज्वरलक्षणकहैनिदान ॥

॥ अथवाज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वडोवेगकंपतनहोय ऊोठकंठमुखसूकैंसोय निद्राअरुछिक्काकोनाश रूषोअंगकवज होयतास शिरहृदसभअंगपीडाहोवै वहुतउवासीमुखरसषोवै गाढीविष्टामूत्रजुलाल उष्णवस्तुचाहे चितचाल नेत्रजुलालरंगपुनहोय उदरअफारापीडाजोय ॥

॥ अथवातज्वरचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथकाथप्रकारः ॥ दोहा ॥ वाततापकेकाथअवसमुझकरोउच्चार सुनलीजैचितलायकैपुनकीजिउपचार ॥ चौपई ॥ सुंठिदेवदारूलषलीजै दोइकंडचरीतामोंकीजै धनीयांपायकाथजोकरै पीवैवाततापपरिहरै ॥ अन्यच ॥ विल्वादिपंचमूलजोकहे इन्हकोकाथवातज्वरदहे ॥ अन्यच ॥ दोइकंडयारीअवरगिलोय सुंठकिरायतसमलेसोय दंथरमुत्थरजुवैतप्रमान भषडासूरकरणीअनुमान पीवैकाथवातज्वरहरै अपनेमनमोंनिश्चयधरै ॥ अन्यच ॥ पांचोमूलवलासुकुलत्थ रहसणपुष्करमूलसुतत्थ पीवैकाथवातज्वरटारै संधिभेदशिरकंपनिवारै ॥ अन्यच ॥ मघपीपलीसारवालहिये द्राक्षावलाअंशमतीकहिये गुडफुनकाथासिद्धकहिगायो वाततापहरसभहिंसुनायो गिलोयसारिवाद्राक्षाआन शतपुष्पापुनर्नवाठान गुडकेसंगहिकाथपिलाय वातज्वरविनासहोयजाय ॥ अन्यच ॥ द्राक्षगुडूचीकाश्मरीजान सारवाअवरत्रायंतिमान गुडसंयुक्तकाथयहपीवै वातज्वरहरसुखियाथीवै ॥ अन्यच ॥ वलागोषुरुकुशाकोमूल यहतीनोंलीजैंसमतूल चतुर्थभागजवकाथरहावै छाणषंडघृतसंगमिलावै प्रातहिंउठकरयाकोंपीजै वातजतापरोगतवछीजै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरगिलोयकौडजुकिरात वलासारवासुंठविख्यात यहसमकाथकरायजुपीजै वाततापहरजानपतीजै ॥ अन्यच ॥ पीपरसौंफसारवालेहु द्राक्षमनकाइटसिटदेहु गुडसंगकाथपिलायविहान तातेंहोयवातज्वरहान ॥ अन्यच ॥ द्राक्षगिलोयकुठत्रायमान गुडमिलायकाथकरपान होयवातज्वरतुरतहिंनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथवातज्वरकोचूर्ण ॥ चौपै ॥ पीपलमूलपीपलींपाय सौंचलसुंठीमिरचमिलाय कटूकीरायताहरडभनीजै यहसमऊौषधचूर्णकीजै तप्तनीरसोंव्याधीपीवै वाततापनाशैसुखथीवै ॥ अन्यच ॥ पिपलामूलपिप्पलींपाय शुंअवरगिलोयमिलाय तप्तनीरसोंपीवैसोय तुरतहिनाशवातज्वरहोय ॥ अथयूषवातज्वरे ॥ चौपै ॥ मुंगआमलेयहसमलीजै जलहिंतपाययूषसोकीजै श्रमअरुव्रतवातज्वरजाहि मत्तमांसरसनितहिततहि ॥ अथगुटिका ॥ षंडअवरदाडिमसमलेय द्राक्षमनकातामोदेय इन्हकोगुटकामुखमोंधरै वदनविरसतातुरतहिहरैं अथवाइन्हकोकाथवनीजें तासकरूलीमुखभरकीजें वदनविरसतादूरनसावे मुखमोंरससुंदरउपजावे ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साग्रंथमतभाषीभलेवनाय वैद्यसमुझयाकोंकरैवाततापमिटजाय ॥ इतिवातज्वरचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथपित्तज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीक्षणवेगजुतृषाअपार निद्राअल्पहोयअतिसार कंठओष्टमुखनासापाकै मुर्छादाहचित्तभ्रमताकै परसातनकदुमुखवकवाद वमनकरैजुरहैउन्माद शीतलवस्तुचाहतिसरहै नेत्रनतेंप्रवाहजलवहै विष्टामूत्रनेत्रहोइपीत पित्तज्वरलक्षणसुनमीत ॥ इतिलक्षणम् ॥

॥ अथपित्तज्वरचिकित्सानिरुपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पैत्तिकज्वरलक्षणकहैकहोंचिकित्सातास वंगसेनसुभग्रंथमोंजैसेंकीनप्रकाश ॥ चौपै ॥ होइजुपित्तज्वरपरकार सहितदाहत्रिषवमनविकार अरुतनमोंवहुरुशताधरै यहउपचारतासकोकरैं लाजामिसरीमधुसमभाय जलसोंरोगीपीसपिवाय वमनदाहअरुतृषाविकार पित्तज्वरकोहोंहिनिवार ॥ अथपाचन ॥ चौपै ॥ इंद्रजवनवनिकांयफलधारै मुत्थरपाठाकटुतामोंडारै पायशरकराताहिपिलावै यहपाचनापित्तज्वरहिनसावै ॥ अथक्काथप्रकार ॥ चौपै ॥ वरचशरकरासहितप्रावीन यहमिलक्काथकरैपरवीन पीवैपैतिकज्वरकोंहरै ऐसेंमनमोनिश्चयधरै ॥ अन्यच ॥ चंदनषसश्रीपरणीजोय महूफालसेताहिसमोय कमलपत्रसारिवागिलोय लोध्रकुमदनिफुनलषसोय पायशरकराक्काथसुकरै पित्ततापकोंसोऊहरै ॥ अन्यच ॥ द्राक्षहरडपापडापछान अमलतासमुत्थरकटुठान समकरक्कायवनावैजोय पीवैरोगीपित्तज्वरषोय मूर्छात्रिषामोंहभ्रमदाह शोषप्रलापपैपित्तकमिटजाह ॥ अन्यच ॥ पटोलमुलठयवधनीयांजान करैंक्काथमधुकरैंमिलान इहविधिक्काथहिपीवैजोय दाहत्रिषापित्तज्वरषोय ॥ अन्यच ॥ गिलोयआमलेपरपट क्काथ दाहशोथभ्रमहरज्वरसाथ पैतिकज्वरकोसीघ्रनिवारै यहनिश्चैअपनेमनधारै ॥ अन्यच ॥ केवलपि पापडालेय करैक्काथरोगीकोंदेय दाहशोथभ्रमपितज्वरहरै यामोंसंसानाउरधरै ॥ अन्यच ॥ कमलकुमदनिलोध्रगिलोय अरुसारिवाक्काथकरसोय पायशरकराक्काथमिलावैं पिततापदाहामिटजावैं ॥ अन्यच केवलपरपटषंडमिलाय क्काथपांनपितज्वरजाय ॥ अन्यच ॥ पित्तपापडाअवरगिलोय धात्रीफलतामाहिसमोय करैक्काथयहरोगीपीवै पैतिकज्वरहरसुखियाथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अमलतासअरुद्राक्षपछानो काशमारिलेपुनतामोठानो इन्हकोक्काथपित्तज्वरहरै यामोंसंसानाउरधरै ॥ अन्यच ॥ सुंठपापडाषसघनचंदन सीतलक्काथपीवेदुःखकंदन त्रिषाछर्दपित्तज्वरदाह नाशहोंहिजानोमनमाह ॥ अन्यच मुत्थरधनियांमुलठगिलोय कौडतिन्हनमोंकरोसमोय करैक्काथपित्तज्वरमोदेह छर्दअरुचत्रिषशूलहरेह पैतिकज्वरकोकरहैनाश वंगसेनमतकीन्हप्रकाश ॥ अन्यच ॥ गिलोयकिरायतधनियांआन उशीररक्तचंदनपहिचान परपटपद्मक्काथसमकरै पित्तज्वरदाहअरुचकोंहरै ॥ अन्यच ॥ चंदनद्राक्षकौडकोआन जवासमुलठीतामोठान पीवैक्काथदाहज्वरहरै रोगअरुचहररुचयहकरै ॥ अन्यच ॥ ह्रीवेरधनीयांषसवासा चंदनमुथगिलोयलेखासा मुलठक्काथशरकरामिलाय रोगीकोमधुपायपिलाय रक्तपित्तज्वरत्रिष्णादाह इन्हकोंदूरकरैलषताह ॥ अन्यच ॥ लोध्रकिरातअतिविषालहिये गिलोयइंद्रयवमुत्थभनैये वासासुंठीविल्वपछानो करोक्काथमधुतामोंठानो कासश्वासविटभेदनिवारै दाहरक्तपित्तज्वरटारै ॥ अन्यच ॥ तिक्काअवरइंद्रजवलीजै वासाअवरप्रियंगूदीजै परपटअरुकिरायतापाय यहसमक्काथवनायपिवाय शीतलक्काथसितासोंपीजैं ततक्षणपित्तज्वरहतकीजैं हरडमेलतिलघृतजुमखीर सिरलेपेदुषजायसरीर विसर-

पीरक्तपित्तअरुश्वास वमनदूरहरहैदुखकास ॥ अथपाणा ॥ चौपई ॥ वासाकौडप्रियंगूकहिये अवर-जवाहांपरपटलहिये पुनकिरातसमलेहुघुटाय नीरसरकरामेलपिलाय त्रिषादाहपित्तज्वरनाशै रक्तनर-हैरोगीद्युतिभासे ॥ अथगुटका ॥ लघुलायचीमुनक्काडार तज्जतमालपत्रजुछुहार सितामुलठीएकसमान अर्धभागमघपीपलठान माप्योसाथटांकपरिमान गुटकाकीजैसुनोसुजान प्रातसमयजोभक्षणकरै पित्तज्व-रकोतत्क्षणहरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ पित्तपापडाटंकदोइआंन जलसोंपानदाहज्वरहांन ॥ अथल-वंगादिचूर्ण लवंगलायचीतज्जतमाल डोडेकमलजुलोचनमाल पसकंकोलहरडपुनचंदन अगरजु-गजकेसरसुखमंडन त्रिफलात्रिकुटाजीरेदोय धनियांचित्रकत्रिवीसमोय देवदारुपुनवायविडंग रजनी-दोनोलीजैसंग पित्तपापडामुथूसितावर अवरसारवालषोचतुरनर अमलवेतपुनजानकचूर ककडशृं-गीपिपलमूर एरणगिरीमुलठीआन गिलोयपत्तीसजायफलठान पतीसदालचीनीपुनआनो पत्रता-लीसतासमोठानो सभऔषधइकसमकरआन कूटपीसकरकपडेछान टांकदोयभरभक्षणकरै जलसों-प्रातसांझउरधरै वातपित्तकफपीडाहरै वीरजपुष्टधातुवहुकरै कासअरुचपरमेहनसावै हिक्कापीनिसक्ष-ईगवावै दाहत्रिदोषजगलग्रहजाय राजयक्ष्मसुरभंगमिटाय प्रदररोगइस्त्रिनकोंजावै लवंगआदियह-चूर्णकहावै ॥ चौपई ॥ निंबपत्रसुरयालाआन मखीरसौफषट्टारसजान समवस्तूकाढातिहकरै दाहज्व-रहिनरपानसुकरै वमनकरायदाहज्वरजाय भावप्रकाशमतकह्योवनाय ॥ अन्यच ॥ त्वचाअनारवेरके-पत्तर लोध्रकैंथाबिजौराकेसर इहसभसमपीसकरडारै सिरलेपेतृषदाहनिवारै ॥ अन्यच ॥ जवसतू-पुनबेरकेपतर अमलाकांजीकरोइकतर शतधौतघृतसिरचुपडाय पाछेलेपकरैसुषदाय तृषादाहज्वरस-वैविनास बंगसैनमोकहतप्रकास ॥ अन्यच ॥ पलासबीजकांजीसोंपीस सिरलेपेतृषदाहज्वरखीस ॥ अन्यच ॥ वेरपातमलझगसुलेय सिरमर्दनसोंदुखहिहरेय वानिंबपत्रझगलेयप्रवीन मलैसीसदाहतृषछीन ॥ अन्यच ॥ पीलाचंदनवडकेपतर जवासमुलठीकरोइकतर लालचंदनकांजीसंगपीस घृतरलायतिहमलैजुसीस त्टषादाहज्वरहोइनिवार वंगसैनइहकियोविचार ॥ अन्यच ॥ गंढीलापतरलालचंदनवर कालीटेरनति लहिसंगधर कांजीसोंपीसैसिरमलै त्टषादाहकोंतत्क्षणदलै ॥ अन्यच ॥ सीतलजलअठपलपरमान मखीरएकपलताहिमिलान तृषादाहज्वरसवमिटजाय पीवेवमनहोयसुखदाय ॥ अन्यप्रकार ॥ दोहा ॥ पित्तदाहविननाहिनरदाहज्वरविननाहि ताहिपित्तहितवस्तुजोपैतिकज्वरहितताहि रातीधनियासेडकरसी-तलजलमोपाय परभातीउठपानकरपितज्वरदाहमिटाय.

॥ अथमुखकटुतामुखरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ हरडप्रियंगूलोध्रमंगाय हलदीमघांपीसमधुपाय भरमुखसोंकरूलीयांकरै मुखकटुता-अरुपीडाहरै ॥ अथअन्योपचारः ॥ चौपई ॥ पित्तज्वरयुतजोनरहोय चौवारेचडसोवैसोय पूर्णचंद्र-कीकिरणेजहां तनलागेसुखउपजैमहां चंदनकरासिंचतअस्थान तहांविछोनारचैसुजान पित्तज्वरीकों-तहांसुलावै तापहरैमनहर्षवढावै ॥ अन्यच ॥ तुरीविजोरेफलकीलेय मधुमिलायसंयुक्तकरेय अथवा-सैंधवलवणमिलावै जिंहरोगीकोंअसलषपावै जिव्हातालूकंठजुजास तपसोंशोषैदेवैतास अस्तुरि-यांशिरमदनकरै यातेंशोषतासनिरवरै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सापित्तकीबंगसेनअनुसार कफज्वरकेल-क्षणकहोंग्रंथनिदानाबिचार इतिपित्तज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथकफज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदवेगमुखमीठारहै आलसत्टप्तशीततनगहै भारीतनअतिनिद्राहोवै रोमउठैंपीन-सरुचिषोवै शुक्लमूत्रनखविष्टाजास श्वेतनेत्रत्वचषांसीश्वास वमनउडाकीउष्णमनचहिये एतेलक्षण-कफज्वरकहिये ॥

॥ अथकफज्वरचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साकफजकीवंगसेनअनुसार वैद्यचतुरजोहोयजगसोलेवैमनधार ॥ चौपै ॥ ॥ कफज्वरमोलंघनहितकार अंतरशुद्धकरनमनधार लंघनशीतविकारहिहरै भावप्रकाशयाहिमतधरै ॥ अन्यच ॥ कफज्वरवरनरअन्नप्रमाण मुद्गयूषकेसंगविधान ॥ अथक्वाथप्रकारः ॥ चौपई ॥ सुंठहरडअरुपिपलामूल यवक्षारविजौराजढसमतूल क्वाथपीयकफज्वरपकजान वंगसेननेकियोवषान ॥ अन्यच ॥ पिपलीपिपलामूलचबकवर चित्रावासासुंठसंगधर जीरापाठाहिंगअरुवणा बीजछड मुंडीसर्षपघणा कौडमिरचनिंबकेपतर इंद्रजवजवायनकरोइकतर छोटीलाचीफुनवायविडंग भा-डंगीसमसभलेयनिसंग काडाकरसोपानकराय कफज्वरनासैतत्क्षणभाय त्रिफलाइंद्रजवमुथरजान कौडपटोलजुचित्राठान अमलतासऔषधसमलीजे कौडतीनभागतिहदीजे मधुमिलायक्वाथयहकरी वंगसैंनमतनिश्चैधरो कफज्वरकासगलरोगनसाय होयज्वरीकोंयहसुखदाय ॥ अन्यच ॥ निंवशताव-रमघांकचूर कंडयारिसुंठीपुष्करमूल गिलोकिरायताक्वाथसुकरै कफज्वरकोंततक्षणयहहरै ॥ अन्यच ॥ कुठइंद्रयवमूर्वापाय पुनपटोलसमताहिमिलाय क्वाथमरचमधुसाथापिलाय कफविकारज्वरतुरतनसाय ॥ अन्यच ॥ त्रिफलावरेआंकौडगिलोय अरुपटोलवासासमहोय आठोसमकरक्वाथयहकरै मधुसों-पीयव्याधकफहरै ॥ अन्यच ॥ दशमूलनकोक्वाथवनावै मधुमिलायकररुजीपिलावै कफज्वरकोयहना-शकरेय वातविकारहरैलषलेय ॥ अन्यच ॥ केवलवासाक्वाथकरीजै मधुमिलायविधिवतसोदीजै क-फज्वरनाशैसत्यपछान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटानिंवहलदपुनलेय करेक्वाथकफ-ज्वरहरतेय ॥ अन्यच ॥ निर्गुंडीपत्रनकोक्वाथ पघांपायपीवैपरभात कफज्वरअवरवधरताहरै जांघों-कीनिरवलताटरै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरत्रिफलाकौडकहीज अरुजानोमुष्ककेवीज पायफालसेक्वाथ-जुकरै नाशेकफज्वरयोंलषपरै ॥ अन्यच ॥ सप्तपर्णिजोनिंवगिलोयी कुचलाशोधपावैजनसोयी म-धुसोंक्वाथपीवेज्वरषोय वंगसेनमोइहविधहोय ॥ अन्यच ॥ पुष्करमूलअवरत्रायमान दोइकंडयारिगो-षुरुजान विल्वकत्थषंभारीशालीपरर्णी पुन्नाकपृष्टपरणीअरुअरणी पुनपाटलइहसमकरलेहु विधिव-मघांपीपतकरैक्वाथजोऐहु भीतरघरजहांवातनलागै मघांधूरपीवैहितजागै षोटीवातलवस्तुनषावै सुखउपजै-कफरोगनसावै ॥ अथचूर्णप्रकारः ॥ वृक्षविजोरेकीजढलीजे सुंठहरडसोंचलसमकीजे मघांपीपलीता हिरलाय चूर्णकीजैछाणवनाय टांकदोयलेभक्षणकीजै कफज्वरहररेचनलषलीजे अन्यच हरडपिपलीचि त्राआन पुनआमलेंताहिंमोठान चूरणयहसमज्वरकरनाश अरुपाचनहैजानोतास ॥ अन्यच॥ लघुलाची-लेमघांमिलाय तप्तनीरसोंचूरणषाय व्याधीपथ्यसाथसोंरहै कफकेज्वरकोंसोनरदहै ॥ अथअविलेहविधिः ॥ चौपई ॥ मघांकायफलपुष्करमूर ककडशृंगीसमलेचूर चाटैपधुमिलायकरतास कफज्वरकोंसीकर-हैनाश ॥ अन्यच ॥ मुत्थरशृंगीपुष्करमूर कौडकायफलअवरकचूर यहसभसमलेभलीपिसावै आद्र-

करसअरुमधुजुमिलावै चाटैरुजीतापकफजाय वातविकारशूलसुमिटाय छर्दअरुचअरुनाशैंकास क्षईरोगजावैअरुश्वास ॥ अन्यच ॥ मघापिप्पलमधुसाथपिलाय चाटैकफज्वरश्वासमिटाय लिफकास-हिडकीहोइनाश श्रेष्ठबालकनकोंलषतास ॥ अन्यच ॥ मघांकायफलशृंगीआन पुष्करमूलपतीसप-छांन मधुमिलायअवलेहजुकरै कफज्वरताकेतनतैंटरै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलावासाअवरगिलोय कौड-पिप्पलामूलसमोय मधुसोंपीसमिलायचटाय कफज्वरताकोतुरतनसाय ॥ अथगुटिकाविधिः ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटालोंगमिलाय लाचीकुठकायफलपाय पिपलामूलतासमोंदीजैं पीसमहींनछांनकरलीजैं सातोपुटआद्रकरसलेय किकरबीजक्काथसंगदेय क्काथभावनाद्वादशदीजैं वेरप्रमानगुटीकरलीजें षावैक. फज्वरषांसीजाय ऊर्द्धश्वाससुरभंगमिटाय ॥ अन्यच ॥ पाराएकभागसुनलीजें गंधकदोयभागजुभनी-जें आठभागअर्कपयदेहु पांचलवणइकइकलषलेहु पहिरएकलौंषरलकरावै संपुटभीतरताहिरषावै भलीभांतसंपुटहिंसुकाय पहिरएकधरअग्निपकाय कुठअवरगजपीपलआंन आठभागविषतामोंठान पुनसभमेलआद्रकरसपाय गोलीरतीएकवंधाय प्रातसांझइकइकसोषावै कफज्वरश्वासकासमिटजावै अरुहृदरोगहुंनाशकरेय कह्योसिद्धरसयहलषलेय ॥ अन्यच ॥ तालीसपत्रमघपीपलल्यावै चवकमरच-तासंगरलावै पीपलमूलपत्रतजआंन इलाचीसुंठताहिपहिचांन यहसमसभनीकैंपीसावै सुंदरगुडसंग-ताहिमिलावै गुटिकाविरसमांनसुकरै प्रातखायकफज्वरकोंहरै जीरामिसरीसमदोल्याय अनाररसहिसैंताहि पिसाय अथवामधुकेसाथमिलावै खावैलेहरुचीप्रगटावै ॥ अन्यच ॥ जोअतिआतुरशीतकफाहिंकर ता हिशीतहरणकीविधिवर ॥ अथमर्दन ॥ हरडनाकुलीकौडमंगाय आमलगुग्गुलचोरकपाय पलिधमनविर चकुठधर औरहिशीतहरणऔषधवर सेंधालूणजवखारमिलाय महींनपीसकांजीसुरलाय तैलमिलायमर्द-नसोंकरै मर्दनकरतशीतसवहरै॥ अथनसवारः ॥ चौपई ॥ मरचांमघांकायफलआनै नकच्छिकणीसुंठि लेठानौ यहसमस्तनीकैंपीसावै रोगीनिरनासिकाचढावै कफज्वरमूर्छापीनिसजाय यहभाष्योजुग्रंथकेभाय-॥ अथधूडा ॥ चौपई ॥ हरडकुठकौडसमलीजै कचूरकिरायतापीसरलीजै हरमलपुष्करमूलमिलावै-सुंठकायफलतामोंपावै कूठपीसमैदाकरछान हृदिसभअंगनमर्दनठान कफज्वरवातप्रस्वेदामिटावै वैद्यक ग्रंथसुप्रगटलपावै ॥ दोहरा ॥ जेऊचिकित्सातापकफभाषीसुष्टवनाय वंगसेनजैसेकहींतैसैंदईसुनाय ॥ इति कफज्वरचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथवातद्वंदजज्वरलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ वातापित्तमिश्रितजुज्वरलक्षणकरोंवषान ज्योंकेत्योंपरसिद्धजेभाषेग्रंथनिदान ॥ चौपई ॥ त्रिषामूरछाभ्रमअरुदाह निद्रानाशपीडशिरताह वमनअरुचजंभारोमांच कंठअ वरमुषशोषजुसांच जोडपीडअरुघेरारहै एतेलक्षणयाकेकहै

॥ अथऔषधकदेणेकेदिनोंकीमिरयादा ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तामिश्रितज्वरजास पंचमदिनऔषधदेतास जोकफपित्तामिश्रितज्वरजानै सप्तमदिनऔषधातिसठानै वातअवरकफामिश्रितजोई उपरंतसप्तदिनऔषधसोई द्वंदजताकरदोषनिवार सव-विधिऔषधकरनिरधार

॥ अथवातपित्तद्वंद्वज्वरचिकित्सा ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंचिकित्सावातपित्तज्वरसबहीजेउपचार कायआदिकसबकरोबंगसेनअनुसार ॥ चौपई ॥ कंडेआरीबालाप्रक्रआपमांन रहसतअंबरमिलोयसमान मधुरकोइपकताहिरलाय विधिसोंकरैजुकाथबनाय वातपित्तज्वरकोंयहहरै अपनेमनमोंनिश्चैधरै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलासिंबल वांसाल्यावै अमलतासरहसणतिहपावै इन्हकोकाथबनायसुकरै वातपित्तज्वरततछिणहरै ॥ अन्यच ॥ आंमलीद्राक्षकचूरमंगावै गिलोयकिरायततासमिलावै करैकाथगुडसंगमिलाय वातपित्तज्वरतुरतनसाय ॥ अन्यच ॥ महुसारवाचंदनजांनो द्राक्षमुलठकुमदनिठानो कमलभेदफालसेल्याय त्रिफला-लोध्रकाश्मरीपाय कमलपद्मकोकेसरडार रात्रिसेउकरप्रातविचार करैकाथविधिवतजुसुभाव का-थ्योंमिसरीखीलामिलाय महुआदीकरकाथसुपीजै वातपित्तज्वरहरलघलीजै जैसेंमेघहिंपवनउडावै सों-ज्वरकोंयहकाथनसावै ॥ अन्यच ॥ सुंठकिरायतमुत्थरगिलोय पंचमूलतामध्यसमोय इन्हकोंकाथ-सुविधिसोंकरै वातपित्तज्वरकोंयहहरै ॥ अन्यच ॥ वालाभारंगीएरंडपाय चंदनपरपटपरसमि-लाय मधांधमनीआक्षगिलोय सभनसमभेलकाथकरसोय वातपित्तज्वरकंपमिटावै पर्वभेदकोदूरनसावै ॥ अन्यच ॥ गिलोयपापडामुथ्थकिरात सुंठमिलायपियेपरभात पंचभद्रकाथकोनाम वातपित्तज्वर-हरसुखधाम ॥ अन्यच ॥ नीलोत्पलखसबलाजुआनै पद्मकक्कासमरिद्राक्षजुठानै महुमुलठफालसे-जान शीतलपीसाखिश्रांदापान वातपित्तज्वरहोवैनाश पित्तज्वरपरलापविनाश ॥ अन्यच ॥ आमलेताकेफलजुमगावै त्रायमाणवचासारिवापावै मुत्थरमुलठमलआन शृतजलगुडसंगुतकिआन वातपित्तज्वरदूरनिकारै जैसेंगजगणसिंहनिवारै हरडगिलोयउशीरमिलावै वालाहीअदरीनिवडोलपिला-वै कौडसमस्ताताहिमोषोल विधिसंयुक्तकाथसमतोल पीवैप्रातनिश्चमनधरै वातपित्तज्वरताहतु-करै ॥ अथयूष ॥ चौपई ॥ दाडिममुंगआमलेपाव इन्हकोयूषकरैजुवनाय वातपित्तज्वरतेहि-हरै यहनिश्चैअपनेमनधरै ॥ अन्यच ॥ छोटीमूलीकोंजुमंगावे कूटतासकोकाथबनावे रोगीपीवे-प्रातहिकाल वातपित्तज्वरदूरनिकाल ॥ अन्यच ॥ महातापदाहबहुहोय कनककूपपीवैनरसोय दाहअवरज्वरताकोंजावै बंगसेनयोंप्रगटसुनावै मुंगीकोरेलेआदिसभजोय कफपित्तजहरजानोसोय वातपित्तमोंनाहिप्रमाण देवेएतेरोगप्रगटान शूलउदावर्तविष्टंभसुकरै ज्वरविकारकायामोधरै ॥ अथचूर्णप्रकार ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाग्रंथिकयहसमलेय पीसपंडदुगुणीतिसपेय टंकदोयपर-भातहिखाय वातपित्तज्वरनाशकराय ॥ अथपंचभद्रचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठगिलोयपापडाल्यावे मुथ्थाकिरायततासमिलावै पीवैचूर्णटंकजोदोय शीतलजलसोंजानोसोय इहविधिपीवैचूर्णजबै वात पित्तज्वरनाशैतबै ॥ दोहरा ॥ वातपित्तज्वरकीकहीसमुझचिकित्साजोय औषधपावैपथरहैताकोदुःखह तहोय इतिवातपित्तद्वंद्वज्वरचिकित्सासमाप्तम्,

॥ अथवातकफद्वंद्वज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोतनभीजोहिरसकहोहै निद्रास्तिमितसमभारिलहै खांसीपीनसअरुचिसकांप मध्यवेगविकलकहिताप ॥ दोहा ॥ वातकफज्वरकेकहेलक्षणसमुझनिदान कहौचिकित्साताहकीजैसेंग्रं-थप्रमान ॥

॥ अथवातकफद्वंद्वज्वरचिकित्सा ॥

अथकाथप्रकारः ॥ चौपई ॥ लघुकंडयारीसुंठगिलोय पुष्करमूलमेलसमसोय करैक्काथविधिसोंपीवाय वातकफज्वरनाशकराय अरुचपार्श्वशूलअरुश्वास त्रिदोषजज्वरभीजावैकास ॥ अन्यच ॥ मुत्थरपरपटसुंटागिलोय अवरजवाहांसाथमिलोय इन्हकोक्काथजुवैद्यपिवावै वातकफज्वरद्वंदमिटावै शोषअरुचअरुदाहविनाशै तनआरोग्यकरवलपरकाशै ॥ अन्यच ॥ अमलतासअरुपिपलामूल तिक्काहरडमुस्तसमतूल इन्हकोविधिवतक्काथजुकरै वातकफज्वरकोंयहहरै आमशूलदुःखहरयहजांनो दीपनपाचनयाहिपछांनो अथपंचकोलनामक्काथः ॥ चौपई ॥ मघांपीपलीपिपलामूल सुंठचवकचित्रासमतूल विधिसोंक्काथवनायपिवावै वातकफज्वरभाग्योजावै वातकफजसभरोगमिटाय पार्श्वशूलहृदरोगनसाय अथचतुर्भद्रनामक्काथः ॥ चौपई ॥ किरायतामुत्थरसुंठगिलोय यहसमचारवस्तुसंजोय करैक्काथसोताहिपिलावै वातकफज्वरनाशकरावै ॥ अन्यच ॥ केवलमघांएकपरिमांन करैक्काथकरवांविपान वातकफज्वरालिफनसाय हितकरक्काथमघांसुखदाय ॥ अन्यच ॥ निंवगिलोयसुंठकोलेऊ देवदारुतामोंथरदेऊ वरचकौडकायफलपाय विधिसोंक्काथवनायपिवाय वातकफज्वरकोयहहरै संधिभेदशिरकोदुःखटरै कासअरुचकोंदूरभगावै रोगीकेतनसुखउपजावै ॥ अन्यच ॥ यारसोहिषपापडाभिंउगी पाठाहरडसुंठलेचंगी धनियांमुत्थरकायफलपाय करैक्काथरोगीहिंपिवाय क्काथमांहिहिंगुमधुपावै व्याधीकोंतवसोअचवावै वातकफज्वरहिडकीजाय गलग्रहश्वासकासनरहाय शोथप्रमेहदूरहोइजावै होइअरोग्यतनसुखीकहावै ॥ अन्यच ॥ केवलदशमूलनकोक्काथ वातकफीज्वरअमृतपाथ ॥ अन्यच ॥ दोइकंडयारीभषडाजान दंथरसालपर्णीतिहठान विल्वअग्निमंथटाटरीपावै काश्मीरीपाटलताहिमिलावै करैक्काथसन्नपातनसाय पार्श्वशूलअतिनिद्राजाय कासश्वासपीडाकोंहरै एतेरोगदूरयहकरै ॥ अन्यच ॥ यवसुंठीअरुआनपटोल मघलेचारोतामोंघोल समलेक्काथवनायसुदीजै वातकफज्वरहरलषलीजै त्रिषाशूलअरुकासनिवारै श्वासअरुचकोंदूरविडारै पाचनअरुदीपनयहजान वंगसेमयोंकीनवषान ॥ अथपंचकोल ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठपीपलीपीपलमूल चित्राचवकआनसमतूल कूटपीसकरकपडेछाण तीनटांकनितलेहुप्रमान तप्तोदकसोंपीवैप्रात वातकफज्वरकरहैघात पार्श्वशूलआदिकदुःखहरै एतेगुणयहचूरणकरै ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलापीपलमूल ककडशृंगीलेसमतूल पुष्करमूलकायफलआन लोंगलायचसिमतिसठान पुनकचूरतिन्हमध्यरलावै सभऔषधएकत्रपिसावै सातोपुटआद्रकरसदीजै गुटकादोयटांकभरकीजै प्रातसमयरोगीजोषाय वातकफज्वरनाशकराय पीनसश्वासउदर्दजोरोग जंघपीडसंधिपिडसंयोग वातकफज्वरजेनरहोय कुशलवैद्यस्वेदनातिहजोय तप्तरेतकांजीसोंमिल पोटलिवांधटकोरकरेल वातजकफासिरपीडहटाय अंगरोगादिकपीडामिटाय ॥ दोहा ॥ शुष्कमूलिकाआनकेदीजोयूषवनाय रोगीपीवैप्रातउठज्वरकफवातनसाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ तुरंविजोरेफलकीआन सैंधालवणजुमरचामिलान सोतुरीयांमुखभीतरधरै वातकफजरोगहिंपरिहरै वदनशोषजडताहोइनाश जायअरुचअरुचहोइप्रकाश ॥ दोहा ॥ वातकफज्वरकोकहीसकलचिकित्सगाय रसज्वरकेलक्षणगुनोंभर्योंसकलवनाय ॥ इतिवातकफज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथकफपित्तद्वंदज्वरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरकेकहेलक्षणग्रंथनिदान तिन्हलक्षणकोंकहितहोंसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ सनिग्धदेहकटुमुखहोइकास तंद्रामोहअरुचपुनतास त्रिषाअल्पविष्टाहोइजाहु मुहूर्त्तभमुहुपरसाताहु वहुततप्तहोवततनमांहि देहसिथलयोभाषसुनाहि वारंवारतप्ततनहोई वारंवारशीततनसोइ इतिकफपित्तज्वरलक्षणं.

॥ अथकफपित्तद्वंदज्वराचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरकीकहीचिकित्साग्रंथमझार मनमोंसमझविचारकरसोसभकरोंउचार ॥ अथक्काथप्रकारः ॥ चौपै ॥ गिलोयनिंवधनियांअरुचंदन पद्मकाष्टक्काथदुःखकंदन कफपित्तज्वरत्रिषानिवारै दाहअरुचअरुवमनविडारै ॥ अन्यच ॥ वालात्रिफलानिंवपटोल अवरमुलठकाथमोघोल ऐसोक्काथकीनपरिमान ॥ कफपित्तज्वरमोंहितजान ॥ अन्यच मूर्वातिक्तापाठाजोय ॥ चंदनअवरपटोलगिलोयविधिवतक्काथताहुकोकरै कफीपत्तज्वरकंडूहरै छर्दअरुचकोकरैविनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश अन्यचत्रिफलाकौडद्राक्षत्रायमान क्कांथपीवैकफपित्तजहान ॥ अन्यच ॥ पद्मकाष्टधनियाजुगिलोय चंदनसुंठपटोलसमोय इन्हकोक्काथपायमधुपीवै कफपित्तज्वरनासकरीवै दाहहाथपगशूलमिटावै ऐसेंवैद्यकशास्त्रवतावै ॥ अन्यच ॥ मूर्वासुंठपटोलउशीर कौडगिलोवालालहुधीर रक्तचंदनपाठाअरमुत्थरयहसभऔषधसमकठीकर करैक्काथहितलायवनाय पीवैज्वरसमस्तमिटजाय दाहशूलभ्रमलपितहिंहरै एतेगुणयहक्काथसुकरै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरपरपटएकसमान करैक्काथकफपित्तजहान ॥ अन्यच ॥ सुंठजवांहापरपटआन क्काथकरैकफपित्तजहान ॥ अन्यच ॥ किरायततिक्तामुत्थूगिलोय सुंठीपायक्काथकरसोय कफपित्तज्वरनाशनजान ऐसेंवैद्यकग्रंथप्रमान ॥ अन्यच ॥ उशीरमुत्थरांपाठाआन करैक्काथकफपित्तजहान ॥ अन्यच यवधनियापापडापटोल ॥ निंवसमलेयक्काथमोंघोल ॥ कफपित्तजकोहरताजान ऐसेंसमझोग्रंथप्रमान अथअमृताष्टकक्काथः चौपई अमृतासुंठइंद्रयवचंदन निंवपटोलकौडज्वरकंदन मुत्थरपायक्काथसुवनावै पिपलीचूरणपायपिवावै कफपितज्वरकोतुरतमिटावै इहप्रकारगुणयाहिसुनावै ॥ अन्यच ॥ आद्रकअवरपटोलसमान देयक्काथकफपितज्वरहान कंडूदाहविसर्पीजाय भाष्योक्काथग्रंथकेभाय ॥ अन्यच ॥ कंड्यारीअवरगिलोयभिडंगी वासाइंद्रयवसुंठलेचंगी चंदनकौडकिरायताठान मुत्थरअवरपटोलसमान सर्वमेलसमक्काथजुकरै कफपित्तजकोंततक्षणहरै त्रिष्णादाहअरुचअरुकास शूलअवरहृदरोगविनाश ॥ अन्यच ॥ भिडंगीपुष्करमूलमंगावे मुत्थरभषडासुंठमिलावै लघुदीरघकंड्यारीदोय दंथरमेलवस्तुसमसोय भार्गादिक्काथनामयहकहिये कफपित्तज्वरहरतालहिये कासश्वासअरुचीकोंहरै पसलीपीडकायाकीटरै ॥ अन्यच ॥ चिरायतागिलोयमुत्थरांआन सुंठउशीरपापडाठांन पटोलचंदनकौडकोंलेय हरडधमनीसभसमतेय क्काथकरतरोगीसोंपीय पित्तज्वरअरुचिहरलीय रोगवमनकोहरहैजोय वंगसैनमतकहहैसोय त्रिषाछर्दअरुदाहमिटावै कोष्टवंधजोकवजनसावै ॥ अन्यच ॥ सुंठइंद्रयवमुत्थरचंदन कौडक्काथयहहैज्वरकंदन चूर्णमघाजोपायपिवावै कफपित्तजहरभूषलगावै भ्रमअरमूर्छांछर्दविनाशै करैरोगविनदुतिपरकाशै ॥ अन्यच ॥ द्राक्षकौडधनियांअम्लतास मत्थरपिपलमूलसमतास कफपित्तजहरक्काथपछान शूलउदावर्तकोकरहैहान ॥ अन्यच ॥

यवअरुमुत्थरधनियांपटोल धात्रीफलचंदनसमतोल इन्हसमहीकोयूषबनावै छर्ददाहत्रिषकफपित्त-जावै ॥ अन्यच ॥ निंबपत्रमूलीयूषवनाय पीवेकफपितज्वरहिंनसाय ॥ अन्यच ॥ पटोल-निंबत्रिफलासमलैय इंद्रजवमुलठीतामोदेय करैकाथपित्तज्वरनाशै असैवैद्यकग्रंथप्रकाशै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरपर्पटकिरायताआनो धनियांपुनपटोलसमठानो इन्हकोकाथपीवेनरजोय नाशतापकफापित्तजहोय ॥ अथरसपाण ॥ चौपै ॥ वासापत्रपुष्पकूटाय ताकेरसकोलेयछनाय मधुमिसरीकेसंगपिलावै कफपि-त्तज्वरततक्षणजावै रक्तपित्तकामलाविनाशै रोगविनातनकीदुतिभासै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कौडपी सकरवस्त्रछनाय तामोंदुगुणइरकारापाय ततनीरसोंपीवैसोय कफपित्तज्वरततक्षणषोय ॥ अन्यच ॥ पत्रमूलवासाकोलीजैं तामोंकंडयारीरसकीजैं चूरणकरमिसरीजुमिलाय तीनटांकपरभातहिंषाय कफ-ापतज्वरकीकरहैहान ग्रंथमतियोंजानप्रमान ॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरहनरकीचिकित्साकीनवषान वंगसेन जैसेकहीसोसभजानप्रमान ॥ इतिकफपित्तद्वंदजज्वरचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथत्रिदोषजज्वरसन्निपातनिदानलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ विरुद्धअन्नपरअन्नजोखानअजीरणमान अतिकरमिश्रितसेविएताहिसंन्नप्रगटांन ॥ चौपई ॥ क्षणमोदाहजुक्षणमोशीत शिरपीडायौंजानोमीत अस्थिजोडमोंपीडाजास जलव गतारहैनेत्रोंतास लोचनमलनरक्तसेरहै नीचीदृष्टरहैयोंलहै घुरघुरशब्दकानदोकरें पीडासहितहोंहिउच्चरै कंठमाहिदु:खअसोंहोय सूईयांचुभतीलखियतजोय निद्रामोहअरुचभूमतास वहुवकवादश्वासअरु-कास कालीजिन्हाषहुरीलहिये सिथलअंगकफरक्तयुतकहिये

॥ अथसन्निपातज्वरकीआकृती ॥

॥ चौपई ॥ शीरलोटणअरुनिद्रानाश तृष्णांवहुतहृदयदुखतास परसाविष्टामूत्रजुतीन चिरकरअल्प होंहिपरवीन अंगनअतिकृशताहोइजास कूजतकंठरहैपुनतास श्यामरक्तमंडलवधजावें लक्षणकुष्टयह-तनप्रगटावैं इंद्रियद्वारपकैंसभजाके भारीउदरमूकताताके सन्निपातज्वरआकृतजान चिरकालदोषप-कयहमान त्रिदोषविवंधअग्निहोइनाश सकलचिन्हसन्निपातप्रकाश यहसन्निपातअसाध्यपछानो इतरक-ष्टसाध्यमनआनो

॥ अथवातपित्ताधिक्यसान्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोवातपित्तअधिकसन्नपात कोपैतासचिन्हविख्यात ज्वरहोइमंदत्रिष्णामुखशोष उदरअफारप्रमीलकाशोक तंद्राअरुचश्वासअरुकास भ्रमश्रमयहउपजैतनतास विभूनामसन्नपातकहीजै इन्हलक्षणतैंजानपतीजै

॥ अथपित्तकफाधिक्यसन्नपातलक्षणम् ॥

॥ पित्तश्लेषमअधिकप्रकाशत कुत्ससन्निपातयोंभासत अंतरदाहवहिरहोंइशीत त्रिषावहुतहोइजानो-मीत दक्षपार्श्वपीड़ातिसकरै उरसिरमोग्रलयहअनुसरै थूकरकापित्तमिलतानिकालै कंठपीडपरमीलक-भासै विष्टाभग्नहिकावधआवै श्वासवधैजहफल्गुकहावै

॥ अथवातकफाधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीततापमोमूर्छाआवे पार्श्वपकडाअरुतृषालषावे जवलगश्वेदनआवेजास तवलगशूलउदरहोइतास वहुतश्वासताहिप्रगटावे शीघ्रकारिसन्नपातकहावे यहसन्नपातवेगवहुकरे रात्रिदिवसइकमोंनरमरे यहसन्नपातअसाध्यकहावे वंगसेनयोंप्रगटलषावे

॥ अथवाताधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्वासकासमूर्छापरलाप मोहकंपजृंभावहुव्याप पार्श्वशूलमुखहोयकसेला ऐसेलषोहोयमनमैला ऐसेलक्षणजामोहोइ विस्फारकसन्नपातहैसोइ

॥ अथपित्ताधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतीसारभ्रममूर्छाहोय तीव्रदाहमुखपाकैसोय रक्तविंदुतनमोंप्रगटावे एतेलक्षणयाकेगावें ऐसेलक्षणजाकोहोय आसुकारीसन्नकहियेसोय

॥ अथकफाधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जडतागदगदवाणीजास रात्रिमोंनिद्राहोइतास फटैनेत्रमुखमधुरलषावे एतेलक्षणयाकेगावे ऐसेलक्षणजासदिखाय कंपननामतासकोगाय

॥ अथविदारकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोहीनवातमध्यमपितहोय सलेष्मअधिकसन्नहैजोय शूलअवरकटिपीडाजान अल्पहोंहितिसयोंलषमान दाहअवरभ्रममध्यमसोइ शिरमुखग्रीवाहृदिदुखहोई अरुप्रमोलिकाइवासज्वरकास अवरहुंभीलक्षणहैंतास हिक्काजडताअरुअज्ञान उत्पतयाहिचिकित्साठान वहुदिनमोंअसाध्यहोजावे वंगसेनयोप्रगटजनावे इसहीसन्निपातमंझार पिटकाकरणमूलसंचार ताकोजीवणकठनलषावे वैदारकसन्नपातकहावे तीनरात्रितकयामंझार करेंचिकित्सासमुझविचार

॥ अथकर्कटकनामसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपे ॥ मध्यमवातहीनापितहोय कफाधिक्यसन्नपातजुलोय तिसमोंदोषत्रैक्रमअनुसार वलकरतेहैंलषोविचार अंतरदाहअधिकातिसहोय मुखकोंवर्णरक्तलषसोय वडेयतनकरहृदतैसोऊ कफकोंनिकसनचालितनहोऊ पार्श्वहृदयमोंअसहोइपीर मानोचुभतेहैंवहुतीर परमोलिकहिक्काअरुश्वासदिनादिनवर्धमानहोइतास कांटेजिव्हाषहुरेदांत सुइयांकंठचुभैदुखभांत विष्टाहोनलगैजिहकाल ताकोषवरनहोपाविहाल अतिकफहोयकंठमोंपूरण कपोतन्यायकूजैगलचूरण मुखतालूसूकैलहुगाथ वारवारपटकतदोहाथ कांतिनष्टनिद्राअतिहोय रक्तसाहितथूकेहैसोय कर्कटकनामजानसन्नपात वंगसेनग्रंथविख्यात-

॥ अथसंमोहकलक्षणम् ॥

॥ चौपे ॥ वृद्धवातमध्यमपितहोय हीनसलेषमजानोसोय कोपैसन्निपातइहभांत वकवादमोहकंपनअरुआस मूर्छाश्रमअरुपक्षाघात संमोहननामजाहिसन्नपात ॥

॥ अथयाम्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हीनवातमध्यमकफजास वृद्धहोएपित्तसोलषतास ऐसोसन्निपातप्रगटावै हृदाकलेजाद ग्धलेषीव पलीहफिफराताकोजलै ऊपरद्वाररक्तपूयचलै जबहीदांतउषडनेलागें मृत्युहोयरोगीतनत्यागें याम्यनामसन्नपातकहीजै जामोंऐसेचिन्हलहीजै ॥

॥ अथक्रकचलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ वृद्धवातपितहीनलहीजै मध्यमकफजिसजानपतीजै सन्निपातअसकोपकरैजब प्रलाप षेदमोहकंपधरैतब मूर्छाभ्रमहोवतहैजास गर्दनअकडजायषुनतास मृत्युहोयविशेषतालहिये क्रकचनामस न्नपातसुकहिये ॥

॥ अथपाकललक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ मध्यमवातअधिकपितहोय हीनहोयकफलषियतजोय ऐसोसन्निपातजिहभासै वकवका दमोहपरकाशै मूर्छाकंपाशिरग्रहस्वासकास भ्रमतंद्राहोइसंज्ञानाश अकडैनेत्रहोंहिपुनजास तीनरात्रतकजी वनतास इंद्रियद्वारैरुधिरचलेजो पाकलनामसन्नलषितासो ॥

॥ अथकूटपाकललक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ तीनोदोषहोंहिसमजवै सन्निपातउपजावैतवै जोतीनोंकेरूपवताये रोगीतनमोंसभलिषाये इहस न्नपातकोनामवषानों कूटपाकलक्षणतेंजानो सभसन्निपाततैंदारुणजान अकडैनेत्रअंगसभमान प्राणमात्रजो षआरहै तीनरात्रिमोंअंतककहैं मूर्छाहोयवकवादसुकरैं ब्रह्मराक्षसदष्टीतिसपरैं अंवादेवियक्षणीयोंसंग भूतपिशाचगुह्यकनअभंग इन्हीसभनसोवातांकरै मस्तकनिजताडैउरधरै कुलदेवीपूजीजिन्हनांहि मारैं सोकुलदेविडरांहि इहप्रकारतेरहसन्नपात वंगसेनकीनेविख्यात ॥ दोहा ॥ सन्निपाततेरहकहेवंगसेन-अनुसार इन्हआगेंतेरहिअवरग्रंथांतरअनुसार ॥ चौपई ॥ इन्हकेलक्षणजानपछाने शास्त्रअनुसाराचि कित्सामाने जोजोहीनदोषकरगाये वृद्धितिन्हनकीकरैउपाये जोजोदोषवृद्धपहचानै हीनउपायनकों-प्रगटानै प्रथमहिंपित्तनिवारउपाय वैद्यरचैमनचित्तलगाय काहेपितवृद्धजवहोय कठननिवारणाकरणो-सोय सन्नपातीभोजनजोचाहै ताकेकहैपरवैद्यषुलाहै उसवैद्यहूतैयत्ननधार दूरकरैमनसत्यविचार स न्नपातपरदाहलषैजव शीतलजलदेवैसिंचैतव सोकाहेकावैद्यकहावै सोसाक्ष्यातयमदूतलषावै संनिपा तमेंकम्पजुहोय अवरप्रलापकरेनरसोय उसकोवैद्यघृतपानकरावै सोवैद्यरूपयमदूतकहावै सन्निपातकर होवैदाह पसलीपीडमुखसूकेताह शीतलजलजोपानकरावै कालरूपसोवैद्यकहावै पंगतेतरण समुद्रकोहोय अरुसन्नपाताचिकित्साजोय अरुयमसाथयुद्धकोठाने यहतीनोहैंएकसमाने सन्निपातसमु-द्रतैंजोय उद्धारैअसवैद्यजुहोय कवनधर्मउसकेमनकह्यो पूजनकवनदेवकोलह्यो सभसोंश्रेष्ठसुवैद्यकहा वे सन्नपातसिंधुसोतारदिषावे जंहांत्रिदोषजहोइसन्नपात प्रथमचिकित्साकफसुखदात कफकेदूरहुएयों जान इंद्रियद्वारषुलहिमनआन अरुसभअंगनलघुतारहै त्रिषाशांतिहोइसुखकोगहै ॥ दोहा ॥ सन्नपातवरननाकियोतेरहिइहिपरकार सुनोचिकित्साइन्हनकीनीकेंकरोंउचार ॥ इतिसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ अथसन्निपातज्वरचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंचिकित्सासन्नकीवंगसैनअनुसार लंघनादिवरननकरोंसुनलीजैंचितधार-

॥ चौपई ॥ जिसपरसन्निपातबलधरे प्रथमचिकित्सालंघनकरे पुनतपायरेतदेइवेद अरुनसवार-वमनहतभेद पुनअविलेहअवरलहुअंजन सन्निपातकेयहसभभंजन जोत्रिदोषसन्नपातलषावे लंघनताहिप्रमाणकहावे तीनदिवसवातमेंजान पंचदिवसपित्तजमोठान दशादिनकफमोकरेप्रमान वंगसैनसोप्रगटपछान अथवाजबलगहोयअरोग्य तबलगलंघनकरणेयोग्य लंघनमोंजोक्षुधासहारे सौदोषोंकीशक्तिनिहारे जवैदोषबलक्षयहोइजाहि लंघनकोंनुसहारैनाहि

॥ अथलंघनयोग्यतादिकमाह ॥

॥ चौपै ॥ कफापितदोनोस्निग्धपछान अवरवायुरूखाकरमान तिहकारणआमक्षयउपरंत कफपितलंघनसहारहितंत बायुएकक्षिणलंघननसहार वंगसैनयहकीनउचार ॥

॥ अथहीनलंघनलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जिहमनकछुआछोनाहिभावे अंगसमस्तासिथलहोयजावे दोषघटनमोंआवतनाही वंगसैनमोइहाविधगाही ॥

॥ अथसुलंघनलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ जिहरोगीरुचजानप्रवीन देहलघूमनहर्षअतिचीन चैतन्यरहैग्लानजिहनाहि निवृत्तउपद्रवक्षोभतताहि लंघनजोग्यमाहितिहनरको ग्रंथकारमतकहतसभनको ॥

॥ अथातिलंघनलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ अतिलंघनरोगीहोयजबे संधिसिथलमोहहोयतबे वायूपीडाताकोजान इहलक्षणअतिलंघनमान

॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ लषआरोग्यतावैदसुजान पथ्यदेनकोंकरैप्रमान लाजाकेसन्तूवनवावे सेंधालवणजुताहिमिलावे प्रथमलंघणीकोंयहदेय जोयहपचैतोआयुलषेय यापरकोऊआचार्यभाषे यहपथरकपित्तपरआषें लाजालवणसुशीतलकहिये यातेंपित्तरकपथकहियें तातेत्रिदोषमाहिनहियोग्य दशमूलीयुतसाधितभोग्य अवरउजाहिपथअौरप्रमान पंचमुष्टिकयूषादिपछान ॥ अथमुष्टिकयूष ॥ चौपई ॥ एकमुष्टियवकीजुमंगाय मुंगकुलथकोइकइकपाय मुष्टिएकवेरफलपावे तासममूलीसंगमिलावे इसकारपातेंलवोविशेक पंचमुष्टियहमांनविवेक भषडेभीइकमुष्टीठान पंचमुष्टिमोंअहेंप्रमान अष्टगुणाजलपायपकावे अष्टविशेषरहेसुपिलावे श्रेष्टगुल्मशूलमेंजान क्षयज्वरश्वासकासमेंमान वातपित्तकफहरयहजानो पंचमुष्टिकयहयूषप्रमानो ॥ अथसप्तमुष्टिकयूष ॥ चौपई ॥ यवइकमुष्टिवेरइकमुष्टि कुलथमुंगइकइकलेमुष्टि धनियांसुंठअरुमूलीजांन इकइकमुष्टीइन्हकीमांन करैयूषयहउसीप्रकार हरैवातकफआमविकार सप्तमुष्टिकयूषतिहमान सन्निपातज्वरहरताजान मुखहृदेकाशोधनकहा वंगसैनकाइहमतलहा कंठरोगयहहरताजान इन्हरोगनमोंश्रेष्टप्रमान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ सन्नपातीजेउनरहीन इन्हठैमकोंसेवेलीन त्रिकुटासेंधालवणमिलाय आद्रकरससोंपीसरलाय याकोंरोगीकंठधरावे कफुनिकलेमुखहसुकावे वारवारपोंकरतारहै हृदयकंठकीकफकोदहै याकरग्रीवाशिरमंझार

सुखउपजैगलग्रहकोंटार देहीमोंलघुतावहुभासे पर्वभिवमूर्छाज्वरनाशै बहुनिद्राश्वासदूरहोजाय मु-
षनेत्रनगौरवजडतानरह्वाय दोषबलावलवुधहिविचार एकोबोषचतुरजेमधार कुरलीकरणभेदप्रमाण स-
न्नपातमोकह्योबषान ॥ अन्यच ॥ सन्निपातमोउष्णप्रमान सेवनकरैश्रेष्ठमतमान सोनरविनाविहाकोंनाने
धीयंधरेतत्क्षणादुषभागे ॥ अन्यच ॥ सुंठरालअरुवारजुआने मरचपिप्पलीसेंधाठाने मधूमिलायककवल-
सोकरे कफवातवेगसोदूराहिहरे चेष्टाहोवतनरकोजान बंगसेनमतकीनवखान पुनः मुर्गीकेश्वेतअं-
डेकेजलकों पीवेवाअंजनकरतिहकों वानसवारलाहिकीकरै कष्टसाध्यसन्निपाताहिहरे ॥ अथनसवार
॥ चौपई ॥ महूसारसैंधालैलून पिप्पलीवरचामिर्चसमचून जलसोंपीसदेयनसवार सन्निपातकीमूर्छा-
टार ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ सुंठआमलेमुनकाआषा मधुमिलायचाटैहितभाषा मूर्छाश्वा-
सकासज्वरजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटाकायफलपुष्करमूल भडिंगीयाससौ-
फसमतूल करमहीनमधुपायचटावै हिडकीसन्निपातज्वरजावै श्वासकासकंठग्रहनाशै आद्रकरस-
युतकफाहिविनाशै ॥ अथमरचादिधूडा ॥ चौपई ॥ मरचपिप्पलीसुंठमगावै पुष्करमूलहरडसंगपा-
वै लोध्रकिरायताकौडपछान जीराअजवायणसमठान कूटैमैदाकरपिसवावै कंठमलैशिरसंधमलावै
कंठरोधमोंकंठमलाय सन्निपातनमलदुःखजाय केवलमधुसनिपातिनदेवै काहेमधुशीतलपलेवै
अवरहुंऔषधसंगमिलाय तौनहिदूषणहैसुखदाय गुलहंसऊपररोगहटावत अवलेहसुसायंकालचटा-
वत हेठजुहोवेनरकोरोग भोजनपहलेचाटनजोग जिहनरएकजतनमंझार रोगनहटेताहिपरकार
दूसरजतनताहितवकीजै प्रथमजतनकोवेगहरीजै दोनोंऔषधसंमनहिकरै इहमतवृद्धवैद्यकोधरै जो-
दोनोंविधसमहिकरावे सोदोनोसंकराविधभावे जुगउपायभिन्नवरहोन वृद्धवैद्यहितकहहेतौन ॥ अ-
न्यउपाय ॥ तालूमस्तककंठमझार जोसन्नपातकरैसंचार फूटैसूकैजिह्वातास असप्रकारलखलीजैजा
स मक्षीरमुनकाघृतपीसाय मलवावेजिह्वासुखपाय अथवासैंधात्रिकुटाआन अमलवैतसोंमलैसुजान
॥ अथत्रेलीउपाय ॥ चौपई ॥ सान्निपातपरत्रेलीपरै कुलत्थभूनकरचूरणकरै रोगीकोशय्यापरपाय अ
रुताहींसोदेहमलाय जोत्रेलीपडशीतलहोय मृत्युहोयसन्निपातीसोय ॥ अन्यत्रेलीउपाय ॥ चौपई ॥
कालाजीरालोध्रमंगाय हरडाकिरायताकांफलपाय वनकेगोहेलवणसमान बहुमहीनकरकूटापिसान
यहधूडातनमर्दनकरै त्रेलीकोविकारसभहरै ॥ अथकाथप्रकारः प्रथमदशमूलकाथ ॥ चौपई ॥ काथकरै-
आनैदशमूल सभजढइन्हकीकरसमतूल विल्वगंढीलाअवरकसीर पाटलअरुटाटरलषधीर इस्थि-
राभषडादंथरमान दोनोकंडयारीपहचान यहदशमूलकाथकरदेय सन्निपातकोंदूरकरेय जोग्रहकंठहृ-
दयमोंहोय मधवूडेकाथापिवावैसोय जोवृक्षकहैदशमूलमंझार तिन्हकेजढकीत्वचाविचार जोनिकडे-
वूटेदशमूल सभजढतिन्हकीलैसमतूल दशमूलकाथयहाविधिसोआष्यो वंगसेनग्रंथजोभाष्यो जोद-
शमूलकाथयनवावै कायफलआद्रकरसातिंहपावै सोसन्नपातीपानकरैजव मृत्युतुल्यसन्निपातहरैतव ॥
अथपंचमूलकाथः ॥ चौपई ॥ पंचमूलाकिरातगणपाय करैकाथसन्नपातमिटाय त्रिदोषहरैयहकाथ-
पछान पित्तअधिकमधुकरोमिलान जोकफअधिकलषनमोआवै तौमघपीसमिलायपिवावै वातअ-
वरकफअधिकलषावै अथवात्रिदोषजसोलषपावै ताहिकाथदशमूलप्रमान गणकिरायतातिसमैठान
त्रिवीमिलायशुद्ध्यार्थंकरदीजे वातकफादित्रिदोषहरीजै औसोसन्निपातमिटजाय वंगसेनयोंकह्योसुना-
य किरायतादिगणमाह चिरायतामुत्थरयहसमआंन गिलोयअवरसुंठतिहमांन सववैद्यकमतजाहिवखाने

चिरायतादिक्वाथप्रकटपछांनें ॥ अथअष्टादशांगक्वाथः ॥ चौपई ॥ समआनेऔषधदशमूल ककडशृंगीकोडकचूर पटोलदुरालभापुष्करमूल कौडवीजभिडंगीलेसमतूल अष्टादशांगक्वाथयहकह्यो सन्निपातज्वरहरणलह्यो श्वासकासहृदग्रहकोनाशैं हिडकीवमनहरैसुखभासे जोइवासकाससन्निपातसेज्वर तिनकोमुतहोलपोविकार दशमूलमिलावेपुष्करमूल मवासहितहोइदुःखनिमूल किरायतादेवदारुसंगवाय दशमूलीसंगकौडमिलाय इंद्रजवापिपलीधनीयांआन सुंठगजापिपलीसमतिहठान क्वाथबनायपीवेजोरोगी तंद्राबकडवादखंगसोगी अरुचीदाहमोहसभटरै इवाससंयुक्तसन्निपातहिहरै इत्यष्टादशांगक्वाथः ॥ अथबृहत्यादिक्वाथः ॥ चौपई ॥ दोइकंडयारीपुष्करमूल ककडशृंगीकोडकचूर कोगडवीजपटोलअनाय भडिंगीसंगजुवांहरलाय सभसमलेकरक्वाथवनावे उपद्रवसहसन्नपातनसावे ॥ अथसटयादिक्वाथ ॥ चौपई ॥ कचूरकिरायतापुष्करमूर छोटीकंडयारीतिंहपूर सुंठदुरालभापाठापाय ककडशृंगीगिलोयामिलाय सभसममेलक्वाथयहकरै सान्निपातनिद्रासंगहरै इवासकासहृदमइमिटजावे पाईंत्रशूलहरसुखउपजावे ॥ अथबृहतसटयादिक्वाथ ॥ चौपई ॥ कचूरकिरायतापुष्करमूल सुंठगिलोयवरचसमतूल त्रायमानरहसनसुरदार दुरालभाकौडपापडाडार मंजिष्ठाककडशृंगीआन अरुहरीतकीताहिमिलान भाडँगीलेछोटीकंडयारी समयहऔषधजेऊप्रचारी विधिसोंक्वथयहकरदेय सान्निपातज्वरनाशकरेय खांसीजावेनिद्राश्वास रात्रौजागरणरटणानास मुखशोषदाहत्रिदोषबिनाश वैगसैनमेंकियोप्रकास ॥ अथकायफलादिक्वाथ ॥ चौपई ॥ कायफलवरचपापडाजान पाठाहरडाकिरायताठान जीरासुंठिमघाभाडिंगी दयारसटीकटुधनियांशृंगी सभसमलेकरक्वाथबनावे आद्रकरसहिंगुपायपिवावे सन्निपातज्वरश्वासजुकास करणशूलगलग्रहहृइनाश अकडीगरदनशोथमिटावे हिडकीअवरउपद्रवजावे जोइसमोंदशमूलरलाय अभिन्याससन्नपातनसाय पितअधिकसटयादिप्रसस्त वृहत्यादिकफाधिकयहशस्त कायफलादिवाताधिकजान विवरोक्वाथनकोइहमान दोहा निदानाचिकित्सासहितसभकीनोसनउचार वंगसैनमतभाष्योंअवसुनअवरप्रकार चौपई शुंठगिलोयपाठातिहजान गजपीपलदशमूलपछान इंद्रजवअरुकिरायताआनो वासाकचूरताहिमेंठानो सन्नहतौजसदूरनिवारै वैगसैनयाहीविस्तारै ॥ अन्यच ॥ गिलोयकिरायतामुस्थरआन रक्तचंदनकौडाचिरौंजीठान पद्मकाष्टकंडियारीभिडिंगीपापडकौडनिंबलेचंगी धनियासुंठवासापुनलेय पुष्करमूलताहिमोदेय करैक्वाथसुखप्रातपिलावे दाहक्षुद्वशीतज्वरजावे अवरश्वासमूर्छाहोयनाश अरुचीवमनतृषाहरताश कासवृद्धिकोदूरनिवारै शिरपीडागलरोषविडारै भ्रमनिद्राहिक्काआनाह सन्निपातएतेदुःखजाह ॥ अन्यच ॥ गिलोयरक्तचंदनकोल्याय पद्मककाष्टहरीडसुपाय सुंठइंद्रजवभिडंगीजानो अमलतासखसपाठामानो धनियांमुस्थरकौडपछान सवमिलक्वाथकरेवुधवान पिपलीचूर्णसंगसोपीय तंद्राकासश्वासहरलीय ज्वरफुनदाहसुदूरनिवारै मलमूत्रत्रिदोषसोईपरिहारै गुडूच्यादिगुणयाहिकोमान पाचनदीपनउत्तमजान ॥ अन्यच ॥ दालहल्ददेवदारुआन इंद्रजवकेसरप्रियंगूठान अमलतासपाठासकचूर खसकिरायतादर्भकोमूल गजपीपलत्रायंतीआन पद्मकाष्टगिलोयसमठान धनियांसुंठमुस्थरअरुवाला हरडपापडाकौडसह्माला छोटीकंडियारीफुनल्यावे पुष्करमूलज्ववासापावे ककडसिंगीदंतीमघआन वडीकंडियारीतामेंजान इनसवहीकोक्वथबनाय पीवेइतनेरोगनसाय विष्मज्वरसन्निपातनिवारै धातुस्थितज्वरनैतिकटारै द्वान्हिकत्रितीयचतुर्थिकजाय मलज्वरआगंतुकहिनसाय दाहकठिनज्वरहोवेहान दुर्जयहोयतौभीहरमान यह-

ऋषियोंनेकियोप्रमान वंगसेननेकियोवखान ॥ अन्यच ॥ सुंठकालीमिरचकोआनै पिपलीअरवलमूल-पछानै कचूरागिलोयभिडंगील्याय समस्तवस्तलेकाथवनाय जोरोगीपीवैपरभात तत्क्षणसंन्निपातहीएवात ॥ अन्यच ॥ वासापर्पटनिंवकेपत्तर दंथरधनियांमुत्थरसंगधर सुंठदेवदारूमंगवाय वचइंद्रजवभखडेपाय पिपलामूलसमकाथवनावै सन्निपातअतिसारहटावै श्वासखांसीअरुचीसुविडारै शूलहरैतेगुणधारै ॥ अन्यच ॥ दशमूलवचसुंउजोआनै नखद्वयमेलकाथसोठानै वातकफजसन्निपातनिवारै वंगसैनमोयाहिउचारै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाकायफलकौडमंगाय धाररक्तचंदनसमपाय फालसापद्मकाष्टकोलेय सववस्तूसमप्रमाणकरतेय कर्षकर्षमात्रासवलेवै इनवस्तूकोअर्ककरेवै पीवैसन्निपातहतजाय ज्वरवहुचिरकालेहुइटाय अमृतसमइहअर्कपछानो ग्रंथमाहिशुभकियोवषानो ॥ अन्यच ॥ कचूरअवरदशमूलमंगाय ककडसिंगीमचमिलाय सुंठमथांअरुपिपलामूल इहवस्तूलेसमकरतूल काथसुपीयसन्निपातहिहरै कपलदेवइहविधउचरै ॥ अन्यच ॥ कांफलत्रिफलाधारमंगाय फालसेरक्तचंदनातिहपाय पद्मकाष्टकौडदंथरसमलेय रात्रिशीतजलदेयभिगोय प्रभातमलैसोपाणीपीवै पित्तप्रधानसन्निपातहरीवै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरपापडाखस्सादियार सुंठीत्रिफलाजवांसाधार नीलकपत्रकमीलाटवी किरायतापाठाधम्मनीसवी कौडमुलठीपिपलामूल मुस्तादिगणजानोतूल जलतिहपीयपित्तपरधान सन्निपातहोयतत्क्षणहान मन्यास्तंभउरक्षतजाय हनुस्तंभासिरग्रहसुहटाय ॥ अन्यच ॥ सुंठपीपलीमरचाल्याय मुत्थरहरीडवहेडापाय आमलेनिंवअरुपाठाधरै कोगडत्वचकौडचिरायतावरै पटोलपत्रागिलोयीसमल्याय याकेकाढेकोजलचाय पीवैसन्निपातज्वरहरै वंगसैनमतयोंहीउचरै ॥ अन्यच ॥ अमलतासदंतीजढल्यावै विल्वनिर्वासमकाथवनावै छानेवस्मेपत्रकोचूरण घृतमिलायतिहकरैसुपूरन पीवैरेचनहोयातिहमाहि सान्निपातरोगहतजाहि ॥ अन्यच ॥ विजोराआदरकरसहिमंगावै सैंधालूनपीपलीसुमिलावै पीवैसान्निपातहोयनाश अरुचीकासगुल्मनहितास अग्निमांघएतेदुखहरै ग्रंथकारयाहीउचरै ॥ अन्यच ॥ जिहनरसान्निपातज्वरमाहि कंपहोयवकवादकराहि चेष्टारहैनकाहुकीजरै पुरानघृतनरमर्दनतरै मांसशोराप्रमाणजोहोय वटेरातीतरवतकखरगोश शोराइनहिपिलावेताहि रोगजायरोगीसुखपाहि ॥ अन्यच ॥ ब्रह्मीरहसनगिलोयतिलआन इनकाकाथकरैजुसुजान संचितसन्निपातज्वरजाय रोगजायरोगीसुखपाय जोअत्यंतसन्निपातहटजाहि कफकरआमाशयबरआहि तौभीतंद्राजागतलहो वंगसैनमतयोंहीकहो ॥ अन्यच ॥ कफप्रकोपकरकारणकहौं जातेलक्षणनाहिश्रुतलहों अत्यंतपथ्यद्रव्यखावनसे मांसादिकरसअतिहारनसे दिननिद्राअरुक्षीरखावनसे दुर्वलनअल्पवातहोवनसे श्लेष्मकोपहोवतफुनताहि सोईउत्पतिरोगकराहि मारुतताडनमोरुकवावै धमनीनाडमांहिचलजावै कठिनतंद्राप्रगटावैतवै ताकेलक्षणकइहोंअवै नेत्रदेषनमोतिर्छेहोन पुतलीफिरतरहैयुगतोन नेत्ररोमसवचंचलरहैं मानोंनेत्रपडतसुनकहैं जेकरकंडहिभारपडजाय मुखखुलादंदउोष्टप्रगटाय कंठमाहिकफाचिछलरहे तारसहितवाहिरसोवहै कंठहिमारगसवरुकजाय अनेकाविकारदेहिप्रगटाय औसोरोगपुरुषजिहहोय तीनदिवसउपायकरसोय नाहिवचैनहिमृतवसहोवै तिहउपायग्रंथमोजोवै तेलमालकंगुनीकोआन पिंडारकजढसाथमिलान नासाचाढनताहिसुमान तंद्राजायसुखकायप्रगटान॥ अन्यच सेंधानोनश्वेतमिरचमंगावै सर्षपकुठचारोसभपावै अजामूत्रसोंताहिपकाय नासादेयतंद्रादुखजाय ॥ अन्यच ॥ अमुरनामजोपंक्षीअहै तिहविष्टामस्रोरसंगगहै अञ्जनकरैतंद्रादुखजाय ग्रंथकारकह-

करीयनाय ॥ अन्यच ॥ जाफलमुंगकौडवचआन कालीमर्चसैंधाफुनठान अजामूत्रसंगपीसवनाय अंजनकरैतंद्रादुखजाय ॥ अन्यच ॥ पुलादमारेयाहुआमगाय चिहालोघरसुमांपाय मर्चंगऊपित्तेसोंपीसे सेवैतंद्रादुखसभखसे ॥ अन्यच ॥ सन्निपातउत्पन्नतद्राजोय वैद्यउद्यमकरहरहैसोय तंद्राहरत-सन्निपातविडारै सुखहिसाध्यसुताहिविचारै सन्निपातमोतंद्राजोय जानअतिकष्टउपद्रवसोय.

॥ अथअन्यग्रंथांतरअनुसारसन्निपातत्रयोदशलक्षणचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ सन्निपातज्वरकेसभीलक्षणकरोंवषान अवरचिकित्साभिन्नकरभाषोंलषोसुजान ॥ चौपई ॥ उष्णदेहमोंशीतसमात उत्पतहोयतुरतसन्नपात अपनीठौरैकरौविसतार भिन्नभिन्नलहै-वैद्यविचार ॥

॥ अथत्रयोदससान्निपातनामानि : ॥

॥ चौपई ॥ संधिकअंतिकरुग्दाहपछानो चितभ्रमशीतांगतांद्रिकमानो कंठकुवजपुनकरणकमान-भग्ननेत्ररक्तष्टीवीजान पुनपरलापकीनपरकाश जिव्हकअरुसुनियेअभिन्यास त्रयोदशसन्निपातयोसही-वैद्यराजधन्वंतरकही ॥

॥ अथसन्निपातआयुदिनानि ॥

॥ दोहा ॥ सततवर्षदिनसंधिककह्योअंतकदशादिनआह तीनवरषचितभ्रमरहैवीसदिवसरुग्दाह-॥ चौपई ॥ शीतागपक्षएकसोरहै दिनपचीसतंद्रककेकहै कंठकुवजदिनचौदहमान तीनमासकर णकपहिचान भग्ननेत्रदिनआठसुकहै दशादिनरक्तष्टीवीलहै दिवसचतुर्दशहैपरलाप षोडशादिन जिव्हकतनव्याप ॥ दोहा ॥ अभिन्यासपक्षएकहैजाविधमानविचार धन्वंतरआगेकहैलक्षणसुन-उपचार.

॥ अथसंधिकसान्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संधियोमेंअतिपीडाहोवै सोजाजाहिरमुखकफजोवै निद्रानाहिजाहिकोहोय कासरो-गपीडाअतिजोय जिहसन्निपातइहलक्षणरहै संधिकनामसन्निपातसोकहै

॥ अथसमस्तसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ संधिककह्योप्रथमहिनिदान तैलसंभालूमर्दनठान सूक्ष्मपथ्यपाछेतेदेह सन्नपात सभनाशकरेह.

॥ अथसंधिकसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अथकाथ ॥ पुष्करमूलिभंडगीपाय विल्वत्वचारहसनपुनल्याय अजवायण मघसुंठीलीजै दशमूलकिरायताइकसमकीजै औषधतेरांटंकजुयेह सेरप्रमानपकजललेह कीजैक्का-थअग्नितपाय अष्टविशेषरहैतवषाय ॥ दोहा ॥ कह्योकाथजोग्रंथमतमुनियेचितदेतास शूलजा-यसभदेहतैं संधिकहोयावेनाश ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाविधाराआनिएरहसनताहिगिलोय देवदारुपु नर्नवामेंसुंठशतावरिहोय औषधसभइकसमकरोकीजेकाथउवाल अष्टविशेषजुरापियेगुग्गुलटंकमेंघाल-

दिवसचतुंदशलगापियेसन्निपातनरहाय श्याममोठतंदुलकणकरोटीपथ्यठहराव पारीश्रमलोबालुवृतक जैशीतलवारि पानीभक्तउबालदेसान्निपातज्वरटारि ॥ अन्यच ॥ विश्वाछिन्नाएरणजठरहसनपथ्या-दयार प्रातसमयउठपीजियेयहीकाथहितकार सकलसमीरशरीरतैंदाहरोगसभजाय व्याधीरहैजुपथ्यसोंस-न्निपातनरहाय ॥ चौपै ॥ सुंठगिलोयजुवासाआनै रहसनअभयाकौडपछानै बिल्वस्योनाकसं भारीपावै पाटलदेवदारुजुमिलावै हलदशतावरअवरकचूर समलेकूटकरैसभचूर करैकाथरोगीहिं-पीवावै संधिकसान्निपातमिटजावै सन्निपातज्वरशूलविनाशै रोगमिटैतनदुतिपरकाशै ॥ अथअविलेह ॥ दोहा ॥ ग्रंथिकहरडैघारपुनवासाताहिमिलाय एरणतैलमिलायकेसोअविलेहचटाय सन्निपात-ज्वरनाशहोयतनआरोग्यलषाय यहभाष्योअविलेहजगशास्त्रमतीसुखदाय ॥ इतिसंधिकसन्निपातसमाप्तम् ॥

॥ अथअंतकसन्निपातलक्षणनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ नित्यरहैसिरकंपमैंअंगवहुपीडाहोय मोहरहैचेष्टासिथलनिष्फलवकतासोय अंतरवा-हिरदाहजिहहोवेव्याकुलदेह हिडकीज्वरस्वासकासहैयमपुरकरैसुगेह रोगअसाध्यपछानयहताकोकछुनउ-पाय तौभीताहिउपायसुनग्रंथकारमतभाय ॥ अथउपाय ॥चौपई ॥ जुवांसामघांसुंठमंगवाइ दोय कडियारीपतीसाहिपाइ औषधकाथवनायपिवावै अन्तकसन्निपातमिटजावै पाचनदोषहरणइह-मान रोगहरणयाहीपहिचान॥ अन्यच ॥ पतीसपटोललेकर्कटशृंगी पुहकरमूलत्रायमाणसुचंगी स-भसमऔषधकाथवनाय पीयअंतकसन्निपातमिटाय ॥ अन्यच॥ कचूररास्नागिलोयमगावै ककडासिं-गीपतीसहिपावै कंडिआरीअरुपुषकरमूल पाठाकौडऔषधसमतूल काथकरैपीवैहितभाय अ-न्तकसन्निपाततिहजाय ॥ दोहा ॥ दानपुन्यहरियशश्रवणविष्णुचरणकोध्यान चारवेदषटशास्त्रकहिं यहऔषधपरमान ॥ इतिअंतकसन्निपातसमाप्तम् ॥

॥ अथरुग्दाहसन्निपातलक्षणनिरूणम् ॥

॥ दोहरा ॥ दाहप्रबलचित्तभ्रमरहैश्रमअरुमोहपछांन बकैप्रयोजनविनहितऊश्वासशूलतिहमान कंठपीडमन्याहनूत्रिपाजुव्यापैताह वेद्यग्रंथलक्षणकहैसान्निपातरुग्दाह

॥ अथचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ सुंठीमघपीपलजुगिलोय इटसिटत्रायमानसंजोय रहसनकंडयारीसुरदार बरचाभिंडंगीधमहांडार पित्तपापडातिक्तापावै अरुकिरायताहरडमिलावै मेलेतामोपुष्करमूल भसऔषधकूटोसमतूल विधिवतसोंयहकाथवनावै रोगीकोंपरभातपिलावै सन्निपातरुग्दाहविनाशै कंठशोपज्वरतृष्णानाशै श्वासकासअंगपीडाजाय दिनमोंनिद्रातिंहनहीआय निसकोनिद्राआवैतास सुखसोंसोवैसाहितहुलास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीमरचजवायणपाय तिक्तामुत्थरकौडमिलाय निंवकिरातालेनक्तमाल पंचमूलकटुतोरीघाल करैकाथव्याधीकोंदेहि व्यथासन्नरुग्दाहहरेहि ॥ अन्यच ॥ हरडपापडामुत्थरआंन कौडद्राक्षयहसमकरठांन करैकाथपीवैउठप्रात व्यथामिटै-तनतैंसान्निपात ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ पत्रवेरनिंवकेलेय अगचंदनतामोघसदेय लेपनकोजैक-रपदताह व्यथासन्नजावैज्वरदाह ॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ चंदनअगरमुत्थरलेआवै माखनलवकरपूर-मिलावै धूपदेयव्यथहिउठप्रात नाशहोइरुगदाहसन्नपात ॥ इतिरुगदाहसन्निपातलक्षणचिकित्सा

॥ अथचित्तभ्रमसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ दाहपीडबहुतापभ्रमविकटनयनउनमाद गायनरोदनहास्यपुनानिरतकरतबकवाद.

॥ अथचित्तभ्रमसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ भाडिंगीत्रिफलात्रिकुटायतिक्तावरचकिरायतापाय दारुहलदरहसनसुरदार त्रायमानब्राह्मीपुनडार वांसाधनियांइलदपटोल निंबसंभालूपुष्करमोल त्रिवीगिलोयकाकाडिकंडचारी पाटलइंद्रयवइटासिटडारी यहसमस्तवस्तसमलेहु करोक्काथरोगीकोंदेहु सन्निपातचितभ्रममिटजाय ज्व-रअंगपीडसमस्तमिटाय मिटेमूर्छाप्रलापउन्माद अरुमिटजावेतिसबकवाद चिमडेदांतधुलहिततकाल दाहहास्यमिटनयनविहाल देषसिंहज्योंगजकोत्रास त्योंइत्यादिरोगहोएनाश ॥ अन्यच ॥ पटोल पापडामुत्थरगिलोय निंबत्वचाजुकिरायताहोय त्रिफलावांसाकौडमंगाय अजवायणपुनताहिमिलाय लीजेसभयहएकसमान. क्काथपानमारुतरुजहान सन्निपातज्वरहोवैनाश शास्त्रमतीसोकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ कंडयारीमुत्थरपायगिलोय तिक्ताचंदनआनसमोय पटोलवहेडेसुंठमिलाय परप-टयज्ञइंद्रयवपाय आनाकिरायतापुष्करमूल धमांहभिडंगीकरसमतूल करैक्काथपीवेजोप्रात सन्निपातचि-तभ्रमघात मूर्छातृष्णाहिक्काशूल श्वासकासहोवेनिरमूल. अतिनिद्रादाहअष्टज्वरनाश रोगमिटैंतन-सुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ हरडपापडामुत्थरलीजैं पाटलकौडद्राक्षसुभनीजे नैपालीकिरायताआन सभसमलेकूटोहितमान करैक्काथरोगीपीवाय सन्निपातभ्रमचित्तमिटाय इतिसन्निपातलक्षणाचिकित्सासमाप्तं

॥ अथशीतांगसन्निपातलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ अंगासिथलमोहात्रिषाप्रकाश श्लेष्मशीतउपजेतनतास कंपप्रलापक्कमअतिदहे अंतरदा हसुरविगरेहे श्वासकासहिकापीडतहोय छर्दशीतांगचिन्हलषसोय

॥ अथशीतांगचिकित्सा ॥

॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ अक्कजडअरुजीरामंगवाय मरचांसुंठमघांफुनपाय भिडिंगीकंडियारी-ककडसींगी पुष्करमूललेयसोचंगी सबसमानगोमूत्रमिलाहि सिद्धकरैपीवैहितचाहि सतिांगसन्नअरुमोह जश्वास प्रबलहरेकफगुनपरकाश इनरोगनकोदूरसुकरै भावप्रकाशमोयाहिउचरै ॥ चौपई ॥ मीठाभागचा-रसोलेहु वंगटांकएकधरदेहु मरचभागषटआनमिलाय फटकडीद्वादशभागरलाय चंदनचूरासमतिं-हआन आद्रकरससोंपीसमिलान रतीचारभरगोलीकरै शीतांगीमुखभीतरधरै सान्निपातमूर्छापरिहरै पथसोंरहैअपथ्यनकरै ॥ अन्यच ॥ एकटांकपाराजोआने दोयठांकगंधकतिहठानै मीठाटंकएकतिंह-पाय सभतेंदुगुणागुडसुमिलाय गुटिकाकोकनवेरसमान प्रातसांझषावैहितमान सान्निपातशीतांगामि-टावै अचेतनताअरुमूर्छाजावै ॥ अथपंचाननगुटिका ॥ चौपई ॥ एकटंकपाराजुमंगावै गंधकदो-यटंकतंहपावै मीठाएकटंकजुमिलाय अगलीवस्तुसुनोचित्तलाय तिंहसमत्रिफलात्रिकुढाठानै चित्रा-मुत्थरविडंगसमानै पीससमस्तदुगुणगुडपाय गुंजासमगोलीबंधवाय गोलीअचैशीतांगमिटावै श्वा-सकासकृमशूलनसावै बद्धकोष्ठगुल्मअतिसार प्रमेहविनाशैयहउपचार ॥ अन्यच ॥ ब्राह्मीसुंठीपुष्क-रमूल तज्जअतावरिपिपलामूल केशरलौंगपिप्पलीआन जाफलपुनजावत्रीठान संखाहुलीलेमरच-

मिलावै वरचलायचीचित्रापावै दोइअजवायणलारजुलीजै गजकेशरअभ्रकसंगदीजै अकरकराजु-कुलांजनठानै पत्रतमालतेजवलआनै यहसमसमसभवस्तुपिसावै दुगुणीद्राक्षमुनक्कापावै दोइटांकभ-रगोलीकीजै नितरोगींकोंप्रातहिंदीजै सान्निपातशीतांगमिटावै श्वासकासचितभ्रमामिटजावै बद्धको-ष्टसभवातविकार पीडाअंगमिटैसुविचार ॥ अथधूडा ॥ दोहा ॥ सोयेबीजपीसायकैमर्दनव्याधीअंग धूडाश्रेष्टजुयहकह्योवैद्यकग्रंथप्रसंग ॥ इतिशीतांगसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथतंद्रकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथमतापकेकालमेंझुकीदृष्टिरहैक्षीण बिनबोलेदेषैनहींतंद्रामेंरहैलीन अतीसारकफ-कंठपुनश्वासकासज्वरदेह जिव्हाश्यामकठोरहैकंटयुततंद्रकएह तृषादाहरहकायमेंकंडूकंठसुजजाय देहीक्लमअरुकर्णमेपीडावहुवरभाय,

॥ अथतंद्रकसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथअंजन ॥ चौपै ॥ पीपलमनछलकूटपिसावो मीठातेलमंगायरलावो अंजनव्याधीनयनोपाय तंद्रकसन्नपातामिटजाय ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटासैंधावरचमंगावै सरसोंहिंगूकटुकोपावै सोयेबीजशिरसिकेबीज सभऔषधइकठीसमलीज धेनुमूत्रसोंताहिपिसावै गोलीमरचसमछांहिसुकावै ॥ अडल्यछंद ॥ धेनुमूत्रसोंघसकरनेत्रोंडारहै भूतप्रेतपुनमिरगींतंद्राटारहै ज्वरचौथाउन्मादअचेतनमानसै सुखसोंरोगी-होयअरोग्यताजानसे ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ हरडकंडयरीपुष्करमूल सुंठगिलोभिडंगीसमतूल करैं-क्काथप्रातहिंपीवावै दालमोठकीअथ्यधराहै सन्निपातज्वरतंद्राजाय वैद्यकग्रंथनकह्योसुनाय ॥ इतितं-द्रकसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथकंठकुव्जसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अत्यंतश्वासअरुचीप्रगटाय वकवादहनुस्तंभहोयजाय अंगपीडकंपतनवहुवर तृषा-अत्यंतजानातिहताकर ॥ दोहा ॥ कंठग्रहेशिरदूषहैदाहमोहज्वरशीत कंठकुवजलक्षणकहैसुनोकानदेमीत-

॥ अथकंठकुवजसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ त्रिकुटाकटुकीमुगमंगावै गजपीपलकिरायतपावै हलदीहरडइंद्रयव-ठान त्रिफलावायविडंगमिलान चित्रापाविपुष्करमूर अरुकचूरसभसमकरपूर करैक्काथप्रातहिपीवावै अपथ्यनषावैरोगमिटावै रहैपथ्यदिनसातप्रमान कंठकुवजज्वरकोहोइहान ॥ अन्यच ॥ कक्कडशृंगी-मुत्थूकचूर त्रिफलात्रिकुटापुष्करमूर कोगडसुंठीकौडमिलाय हरडकायफलचित्रापाय चवकविडंगकि-रायतावासा कौडमिलावैपुनसंगतासा सभसमऔषधकूटमंगावै क्काथकरेसोताहिपिवावे कंठकुवज-सन्निपातविनाश वातचौरासियातैनाश मोठभातकोपथ्यषवाय ज्वरनाशैयोंकह्योसुनाय ॥ अथनसवार ॥ चौपै ॥ टंकएकसरपंषहिबीज दोयटंकमघपीपलदीज पीसनासव्याधीकोदेय कंठकुवज-कोनाशकरेय ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ त्रिकुटातेरीबीजकटुजलसोंतिन्हैपीसाय नासादेजडतामिटैकंठकु-वजमिटजाय ॥ इतिकंठकुवजसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथकरणकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंठपीडफुनखेदरहैतन गर्मशरीराहिहैवेजिहजन कर्णपसलीमेंसूजनपरै तिहपीडावोलापनसरै श्वासबकडवादवहुहोय खेददाहरहैअतिजोय जाकेलक्षनऐसेठान कर्णकसन्निपाततिहजान

॥ अथकरणकसन्निपातचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ सुंदरगोकाघीउलेकानवीचजोपाय करणकपीडानाशहैकह्योग्रंथकेभाय ॥ अन्यच ॥
॥ दोहा ॥ अमरबेलहिंगुवरचकुंठसैंधवसुंठीपाय अर्कदुग्धसोंलेपकरकरणग्रंथमिटजाय ॥ अन्यच ।
॥ लेप ॥ दोहा ॥ सुंठकलौंजीकायफलकुलत्थलेहुसमजान उष्णतोयसोंलेपकरहोवेकरणकहान ॥
॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ कायफलमुथांकौडभिडंगी वरचकणाधनियांपुनशृंगी जीरापित्तपायडसुरदार-दालहलदइंद्रयवडार पुष्करसुंठीअवरकिरात हिंगूआद्रकरसकाथप्रभात ऐसेंपिवैकाथबनाय करणक-सन्निपातज्वरजाय दोहा ॥ श्वासकासगलसीसकीव्यथाहोयसभघात सुखउपजावैअंगमोंहरैकरणक-सन्निपात ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रहसनपाठाकौडभिडंगी पुष्करसुंठशतावरिशृंगी मघांपीपलीयहसमआनै ॥ करैकाथपीवैहितमानै करणकसन्निपातमिटजावै ॥ अपथ्यतजैयोंभाषसुनावै इस्त्रीसंगतजै-निशिभोजन दिनकोशयनतजैअरुवैंगन सूरणलसनमूलसभजात शाकमांसत्यागोविख्यात आद्र-करसकोसेवनकरै पेठातोरिशालिपथधरै ॥ दोहा ॥ कंठसीसदुखनारहैवातचौरासोजाय वैद्यग्रंथमत-भाष्योईश्वरवचनलषाय ॥ अन्यउपाय ॥ दोहा ॥ सैंधवपीपरपीसकेदांतनकोजैदांत जिव्हापरले-मर्दियेमुखशोधनहोइजात ॥ इतिकरणकसान्निपातचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथभग्ननेत्रसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ श्वासअचेतनज्वररहैकरैविलापप्रलाप मोहकंपतनकासहैभग्नदष्टिभ्रमव्याप श्रवणहा-निअंगपीडवहुयहलक्षणविख्यात वैद्यग्रंथमतभाष्योभग्नदष्टिसन्निपात ॥

॥ अथभग्नदष्टिसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ सोनमाषीअरुमघांमंगावै कौडसभसिमपीसमिलावै माष्योसाथमि-लायचटाय भग्नदष्टसान्निपातमिटाय ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ मनछलमरचकणासमलेय अंजनज-लसोंपीसकरेय भग्नदृष्टिज्वरकोयहहरै भूतप्रेतवातसभटरै ॥ अन्यच ॥ वरचमरचअरुलेम-घपीपर सैंधाहिंगुसभीयहसमकर आंजैनेत्रांजलपीसाय नाशैभग्नदष्टिअंगवाय ॥ अथनसवार ॥ चौ-पई ॥ मरचवरचमघपीपलआनै मुरथूसमुद्रझागसमठानै पुनरसलसुनजुतामोपाय भलैंपीसिनसवार बनाय व्याधीनरकोंदेवैजोय भग्नदृष्टिज्वरमैटैसोय होयसोंचेतनतनसुखपावै वैद्यकमतयोंभाषसुनावै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकटुकीअरुकंडयारी मुथूनिंबरजनीदोयधारी जढपटोलऔषधसम-भाय करैकाथरोगीहिंपीवाय भग्नदष्टिसन्निपातनसावे भाष्योंसभसोंमनाचितलावे ॥ अन्यच ॥ जढ-पटोलकटुकोजुकिरात धनिधांसमकरकाथप्रभात व्याधीनरकोंसोऊपिलावै भग्नदष्टिसन्नपातमटावै ॥ अन्यच ॥ धनियांहरडनिंबसुरदार जढपटोलमुथकटुकीडार समकरकाथप्रातउठलेय भग्नदष्टि-ज्वरनाशकरेय ॥ इतिभग्नदष्टिसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथरक्तष्ठीवीसन्निपातलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ कायामैंकुंडलपडेंकालेलालसुनैन तृषालगैमुखसोखतासूरतधनटहिचैन ॥ चौपई ॥ रक्तचलैमुखनासिकमाहीं टूटतदेहछर्दज्वरताहीं उदरअफाराअरुअतिसार प्रलापअरुचयहलक्षणधार ॥ दोहा ॥ श्वासमोहभ्रमत्तापकरहिडकीजिव्हाश्याम इन्हलक्षणपहिचानिएरक्तष्ठीवीनाम

॥ अथरक्तष्ठीवीसन्निपातचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ नेत्रमालपद्माकसुगहै चंदनवालापन्हीलहै तज्जकायफलवायविडंग बावेसमकरलीजैसंग मिसरीषोडशभागामिलाय टांकपांचनितव्याधीषाय रक्तष्ठीवीज्वरहोइनाश वै-द्यग्रंथमतकीनप्रकाश ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ पाषाणभेदचित्रापुनलीजै नसवारपीसव्याधीकोंदी जै रक्तगमनमुखनाशरहावै वैद्यकमतयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच ॥ घसपठोलतंडुलजलपाय व्या-धीकोंनसवारचढाय रक्तगमनसूकैततकाल ज्योंजलसूकैग्रीष्मकाल ॥ अथपाणा ॥ चौपई ॥ र नवासामधुसोंकरपान रक्तगमनथांभेमुखघ्राण भाष्योंसिद्धयोगपरिमान रक्तष्ठीवसन्नकीहान ॥ अथ लेपन ॥ चौपई ॥ वोलमुसबरअरुविजेसार पीसैनिंबूकोरसडार तीनचारलेपनकरभाल रुधिरग मनथांभैततकाल ॥ अथमंजिष्ठादिकाथ ॥ चौपई ॥ मंजीठनिंबवासात्रायमान चंदनपाठाधमा-हाठान त्रिफलात्रिविकिरायतालेहू गिलोयविडंगबकायनदेहू कोगडपैरपापडापाय इंद्रवारुणीकौड-मिलाय पटोलपतीसवावचीपावै समसभऔषधपीसमिलावै अष्टविशेषक्काथकरलेय व्याधीपुरुषहिंप्रा तार्हिदेय कंडूमंडलथिंभविनाशै व्रणगजचर्मकुष्ठसभनाशै ददरीचंवललूतनिवारै रक्तगमनमुखनाश-विडारै सातदिनापथधरयहदीजै रक्तष्ठीवीसन्नपातहरीजै ॥ अन्यच ॥ कौडपापडाआनाकिरात-अवरधमाहावासापात अरुबहुफलीलाहिमोंपावो समऔषधलेक्काथबनावो मिसरीटंकपायपीवावै रक्तष्ठी वीरुधिरमिटावै ॥ इतिरक्तष्ठीवीसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथप्रलापकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वेगउटेकंपेगिरेबाहिरंतरतमाय जंवपीडअरुदाहहोइसुरतविकलबकवाय भूतछा यानहितासमोंविनाअर्थकाहिवात इन्हलक्षणतैंजानियेपरलापकसन्नपात ॥

॥ अथपरलापकसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथजायफलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ जाफलतज्जविडंगपछानो लाचीदोअजवायणठानो भगाकिरायतात्रिकुटापावै जलवत्रीअभ्रकसुमिलावै बालाचोबचीनिगजकेसर पिपलामूलवहेडेसमधर अरुहफीमतिन्हमध्यरलावै कूटपीसचूरणकरवावै मधुसोंटांकदोयनितषावै प्रातअवरसंध्याभुक्तावै श्वा सअपच्यअरुचपरलाप पथ्यरहैमेटैसंताप ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटापांचभागलेपूर पांचभागतिहमध्य कचूर तिन्हतैंअर्धकिरायतापावै सभऔषधएकत्रकरावै कूटपीसमैदासमछांन पावैतीनटांकपरिमांन॥ सन्निपातपरलापनसायभाष्योश्रीमहादेवसुनाय॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकुठविडंगमिलावै हिंगुवरचसैंधाजुमिलावै हरडभिडंगीचित्राठानै अजमोदाकिरायतामानै कूटपीसकरवस्त्रछनाय सभ गुनरुणागुडजीमलाय गुटकामुंगसमांनवनावै नितउठप्रातीहकालपिवावै सर्वदोषहरसुखउपजाय सन्नि

पातपरलापनसाय साकनिदोषभगंदरजावै बवासीरपुनगुल्मनसावै कोठबद्धहृदरोगविनाशै तनभीत रसुखकोंपरकाशै भूतप्रेतवैतालअरिष्ठ शूलविसूचीविस्फोटकनष्ट उदरदोषकेजाहिविकार व्याधीर-हैसुपथ्यविचार ॥ अन्यच ॥ पारागंधकअरुहरताल सुहागात्रिफलात्रिकुटाडाल रसभगरेसंगगुटिकाकरी चणकप्रमानसुमात्राधरी प्रातसमयजोव्याधीषाय प्रलापकसन्निपातनरहाय ॥ अथअंजन ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटासैंधवआन मालकंगुणीसरसोंठान कौडबरचसभयहसमआनै अ-जामूत्रकीपुटइकठानै गुटकाचणकप्रमाणबंधावै आंजिनयनप्रलापमिटावै तिमरनेत्रपटलमिटजाय-उन्मादनहूताभूतनसाय दूजातीजाचौथाताप अपस्मारकोहरसंताप ॥ अथक्वाथः ॥ चौपै ॥ त्रिवीतगरअसगंधकृतमाल ब्राह्मीपित्रमालतीडाल अरुशंखाहुलीकीजडआनै हरडसुंठाधित्तपापडाठानै-मरचांद्राक्षमनकालेय क्राथकरैव्याधीकोंदेय पाणीभत्तउबालपिलावै प्रलापकसन्निपातमिटजावै ॥ अ-न्यच ॥ बालामुथसुंठलेवासा पुनदशमूलमिलावैतासा दोइचंदनपित्तपापडापावै सभसमलेवेकूट पिसावै करैक्राथरोगीकोंदेय चारपांचदिनलोलुनलेय सन्निपातपरलापविनाशै यहीक्राथआठोज्वर-नाशै अरुशीतांगव्यथासुनिवारै मारुतकोपसमस्तविडारै इतिप्रलापकसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथजिव्हकसन्निपातलक्षम् ॥

॥ दोहा ॥ तालूतोंजिव्हालगैकांटेहोहिकठोर रैनदिनासोवैनहींश्वासकासज्वरजोर मूकरहैसुनहैन हींजिव्हकइहपरकार वैद्यग्रंथयोंभाष्योजिव्हकसन्नविचार ॥

॥ अथजिव्हकसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटातिक्तापरपटआन अरुगिलोययहसभसमठान पीसछाणकरचूरणकरै टांकदोयमिरजादाधरै प्रातसघृतसोंरोगीषावै जिव्हकसन्निपातमिटजावै ॥ अथलेपन ॥ दोहा ॥ पी-पलमरचाकिरायतासैंधवसमपीसाय मर्दनाजिव्हाकोजियेकांटेदूरकराय ॥ अन्यच ॥ अकरकरापुनइंद्रय-वलेतुलसीकेबीज सुंठमरचसमलीजियेसजुविजोरादीज जिव्हालेपनकोजियेजिव्हाशुद्धकराय वैद्य-कमतयोंभाष्योजिव्हकरोगनसाय ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकेसरलौंगजुलेहू जावत्रीपुनता-मोंदेहू षैरक्राउरसलेहुनिकाम तासंगगोलीवांधैतास गोलीकोकनवेरसमान व्याधीषावैबडीविहान जि-व्हकसन्निपातामिटजावै अवरहुंवातजरोगनसावै ॥ अथकुरली ॥ चौपई ॥ सुंठचवकअरुचित्रा-पीपर एलाधनियांपत्रचवेधर निवहाल्योंग्रंथकजान तैलतिलनकोसमतिहठान ॥ दोहा ॥ इन्ह-औषधकोक्राथकरकंडआरोरसपाय प्रातसांझादिनतीनलोंकुरलीसातकराय जिव्हाकोमलसरसहोइ-कंडूदूरलपाय सान्निपातजिव्हकहरै कंठरोगमिटजाय ॥ अथक्राथ ॥ चौपई ॥ देवदारुअरुनिंबहरि सुंठपटोलपुष्करलेवीर हलदगिलोइपापडापाय औषधसमलेक्राथकराय व्याधीकोंदीजेपरभात स-न्निपाताजिव्हकहोएघात ॥ इतिजिव्हकसन्निपातलक्षणाचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथअभिन्याससान्निपातलक्षम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनोदोषकोपतहोयजबै छातीनाडिवैठततबै कचेरूपवधहोयेहोन एकठौरमेंक-ठेतौन बुद्धइंद्रियनकोमोहनकरै असोरूपदोषहोयवरै अभिन्याससन्निपातअघोर उत्पन्नकरैदेहअ-

तिसोर लक्षणपुनमनकरैविचार निश्चलगात्रश्वासनिरधार काहूप्रकारचेष्टानहिरहे देषनमाहिसमर्थ-नचहे इंद्रियनकोशब्दादिकमाहि ज्ञाननरहैबुद्धकोताहि सिरडोलतरहवारंवार भोजनकोइछानहिधार शब्दगुणोगुणश्रावतजाय पीडाकरैअत्यतहिताय बुद्धिनरहैभुलहिबीचार गायनकोहीनश्रुतधार श्रे-सोलक्षणजिहनरहोय वैद्यउचितहैत्यागनसोय इनलक्षणकरकोइकवचै जाकेलक्षणघटइहरचै नि-द्राबहुतहोयजिहमाहि ताहिहतोजसवैद्यकहाहि अंगसबहिजिहकार्यविहीन अभिन्यासतिहजानप्रबीन ओअगाधजलवरतूपरै तुर्तपकाडियेतौकछुसरै जोथोडीदेरीपडजाय तौतिहकछुहाथनहिआय अभि न्याससन्निपातहिमाहि तुर्तचिकित्साहितकरचाहि जेकरदेरचिकित्सापरै तासोरोगीतुर्तहिमरै ॥ अ थअभिन्यासचिकित्सा ॥ चौपई ॥ जोरापुष्करमूलमंगावे एरंडसुंठकचूरहिपावे त्रायमानदसमूल पछान ककडसिंगीवासाआन भडिंगीपुनरनवासमलेय गोमूत्रसोंकाथकरेय पीवेरोगीहृदयशुद्धकरै अभिन्यासरुजकोदुःखहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विजोरेजढपाखाणहिभेद विल्लकत्थकंडियारीलेत पाठाओरइरंडजढल्याय इनवस्तूगोमूत्रमिलाय काथवनापीवैहितचावे अवरहिसैंधालूनसुपावे काथ करैसोपीवेइहविध सैंधालूनपाणीकाढसिध अभिन्याससन्निपातानिवारे शूलहरैवंगसेनउचारे ॥ अन्य च ॥ चौपई ॥ कंडयारीवासाओरभिडंगी कचूरमेलसमककडश्रिंगी पुष्करमूलजलपायपकाय अभिन्यासकफदूरवहाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ भिडंगीपुष्कररहसनआन विलकत्थमुत्थरसुंठसमान दशमूलपिपलीकाथवनाय हिंगआद्रकमघचूरणपाय इनसंयुक्तपीवेरोगीजन कठिनसन्नि पातजावाततछिन अभिन्यासकाठिनतिहजाय कलेजापसलीपीडहटाय आनाहरोगइहहैसुजान वंगसेनमोकीनवखान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दोदंतीअरुदोकंडियारी एरंडविजोरेजढसमडारी मघांपायकाथजोकरे अभिन्यासेरचनतेंटरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दोकंडियारीगिलोयसुआन मुनक्काजीरात्रिकुटाठान ककडसींगिवायाविडंग समलेकाथवनायसुचंग छानताहिफुनचावलपावै गोघृतमेलेकाथवनावै पीवैहिडकीश्वासानवारै अभिन्यासषासीसभटारै कवजीवायूरुकीयोहोय मूत्ररोधसवहर्तासोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कंडिआरीपुष्करमूलमंगाय भिडंगीकचूरजुवासापाय ककडसिंगीसमकाथवनाय पीवेअभिन्यासकफजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तूंबीजढत्रिफलामंगवा वै अमलतासकोडत्रिवीसोपावे काथकरेजवखारसमेत पियेमैलज्वरहटेसुहेत ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ कौडहरीडत्रिवीअरुदंती त्रायंतीअमलतासमअंती काथजौखारसैंधेसंगपीय मैलच लेज्वरहटेसुजीय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सूंठमघांमर्चसैंधानून इनवस्तूकोसमलेचून आद्र करससोंचाटेताहि होशआयवेहोशीजाहि अथवायाहिनसवारजोकरे तौभीहोशचित्तमोधरे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विजौरेरसआदरकरसचाय गर्मकरैसोंचलविडपाय सैंधातीनोलोंनसमडौर नसवारताहिनासाजोधारै चेतन्यहोयमूर्छातिहहारै वंगसेनमोयाहिउचारै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सिरीषवीजपुनसैंधानौन पिपलीमनशिलवचसमतौन लशुनरसहिगोमूत्रसुसंग पीसरुलायिनयनसोंच ग अभिन्याससन्नपातहिमाहि होशआयवेहोशीयाहि ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सिरीषवीजमर्च-मंगवावे अजामूत्रमोपीसरलावे ताहिसलाईनयननपाय होशआयवेहोशीजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हिंगुसुंठकटुतक्षिणवस्तु विजोरेरससोंपीसप्रशस्तु मुखमोदेयअभिन्यासहटाय मूर्छाजायचैतन्यताआय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रजीरामर्चमगाय दोनोंकाडियारीपिपलीपाय करंजवीजकरंजजढआने

मजीठसुंठत्रापंतीठाने इनकाथहिसौंकंठरुकहोय सोछूटैहितकारकजीय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जढक रंजूपटोलचित्राआन मजीठत्रयंतीजीराठान दोनोंकंडियारीत्रिकुटापावै इनकोकाथकंठबंधछुटावै जाहि प्रकारचिकित्साजोय अभिन्यासमेंकहिहैसोय इसप्रकारअभिन्यासहिमाहि चेष्टानाहितिहजोगहैयाहि मस्त कपादमेंदाहसुजोत तीक्ष्णउपायजिहचेतनहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषसन्निपातज्वरअत कर्णमू लमोसोजतं कठिनहोयतिहवचतानाहि विरलाकोईवचैसुनताहि ताहिउपायसुनोसुबिचार जोलिखि याहैचिकित्सासार लहूलुडायघृतपानसुकरै कफपितहरनलेपसोधरै औरशमनवस्तुनसोंचाय कवलग्रह करणाहितभाय इसविधसोंकरशोथहिटरै आगेउपायओरतिहकरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गेरूशिलाजी तमंगवाय शुंठीमरचकटफलतिहपाय कांजीसोंजहपीसवनावे लेपकरैसोजामिटजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पुरातनसठीचावलमंगावै ज्वरहटानऔषधतिहपावै पिछताहिवायुषवनावै पीवैसन्निपातज्वरजावै पचैवचैनाहीमरजाहि वंगसैनमोकह्योसुनाहि ॥ अथनसवार ॥ दोहा ॥ लौंगमरचपीपलमहूस मलेपीसोतास उष्णोदकसंगनाकदेअभिन्यासहोइनाश ॥ अथअंजन ॥ दोहा ॥ सुंठमरचत्रचमुथूमवसिरसबीजसमआन पायमैनफलगूत्रसोंपीसोजस्तमिलान उत्तमअंजनजहकह्योव्या धीनेत्रनपाय अभिन्याससन्नपातकोंततक्षणदेयनसाय ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ हरडेंमोथभडिंगीआने निंबकिरायताकोडपछाने हरनौलीजढमघअरुकेसर पषाणभेदवालाविल्लकथधर त्रायमानचित्रासुरदार पुष्करमूलइंद्रजवडार सुंठकायफलकोगडपावै मरचकंकोलपुनसंगमिलावै सभसमवस्तूकूटपिसाय कंडचारीरसकाथामिलाय ऊपरात्रिकुटापायपिलावै अभिन्याससन्निपातमिटावै मूर्छामोहअतिनिद्रानाशै आठोज्वरदुःखशूलविनाशै श्वासकासमंदाग्निमिटावै वातत्रिषाजिंम्हकरुजजावे करनकइत्यादिकजुन साय सिंहदृष्टिज्योंमृगभगजाय हरिद्रादिकउत्तमयहकाथ रोगवहुतनाशैसुनगाथ ॥ अन्यच ॥ त्रायमा नलेपुष्करमूल पुनडारितामोदशमूल समलेकरैकाथसुबनाय प्रातहिंरोगीकोंपीवाय कफज्वरअभिन्या- ससान्निपात इत्यादिकवातरोगकरघात ॥ अन्यच ॥ पाठासुरतरुनिंबविल्वकरथ पषाणभेदपुनशृंगीमुत्थ एरणजढसेंधवलेपाय व्याधीकोंसोप्रातपिवाय अभिन्याससन्निपातमिटावै अवररोगकफशूलनसावै भूतप्रेतकीपीडाटरै सुखउपजायदोषसवहरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ एरणजटाभिडंगीआन कचूरक- लौंजिगिलोयसमान कूटपीसचूरणकरवावै रोगीकोंसहगूत्रापिलावै नित्यप्रातत्रैटंकप्रमान अभिन्यासज्व- रकोहोइहान पथ्यरहैवातांगमिटावैं श्रीअश्विनीकुमारयोंगावैं ॥ दोहा ॥ सन्निपातत्रयोदशकहैलक्षण- अवरउपाय वैद्यकग्रंथविचारकैभाषारचीबनाय ॥ इतित्रयोदशसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथआगंतुकज्वरनामउत्पत्तिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शस्त्रादिकघातप्रथमसोकह्यो भूतादिकसोदूसरलह्यो तीसरविषआदिकजोखाइ चतुर्थमानतीव्ययासुनाइ राजागुरूमातपितुआदि तिरस्कारकरअरुक्रोधादि कामशोकभयस्नेहसुद्वेष इ न्हतेआगंतुकज्वरलेष आगंतुकज्वरहीमंझार यथाकारणत्रैदोषविचार वातपित्तकफतीनहिजोय प्र वेशकरैजाहीकोसोय ॥

॥ अथशस्त्रादिककेघातसेउत्पन्नज्वरकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जोपीडाहोकरशस्त्रप्रहार ताकोवायूकोपविचार सोइरक्तकोबिगारतरहै पीडासू- जनशरीरबहुगहै सोशरीरमोवायुखेदअति ताहिचिकित्सासमझग्रंथमति ॥

॥ अथशस्त्रादिकआगंतुकज्वरयतन ॥

॥ चौपई ॥ इसज्वरमोलंघननकराय कसैलीगरमवस्तुनहिखाय चीकणमधुरवस्तुरसमास गर्मपटीवांधैफुनतास ॥ अन्यच ॥ घृतमिलायमालिशतिहजोग जेकरचोटलगनकीहोग रुधिरछुडावन तिहहितजान औरटकोरताहिपरमान अन्यचिकित्सा मार्गखेदकर्णादिकभेद श्रमअंगभंगहोयजोखेद वृक्षागिरणउत्पतज्वरजोय ताहिचिकित्साइहहितहोय दूधकाडवामांसरसचाय औरपुलावउदितसोखाय जेकरमार्गखेदकरहोय तेलघृतहिसोअभ्यंगकरसोय दिननिद्राउचिततिहभाय भावप्रकाशमतकह्योवनाय ॥

॥ अथभूतादिकलगनेसेउत्पन्नज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ कायामोअतिरहैउद्वेग रोवैहांसैकांपतनलेग चित्तस्थिरनाहिभ्रमबहुहोय भूतादिकप्रवेशसोजोय ॥

॥ अथभूतादिकयतन ॥

॥ चौपई बंधनताडनहितवरताहि मंत्रयंत्रअरुतंत्रकराहि प्रथमभूतादिककेझाडनेकामंत्र ऊँनमो ऊँह्रांह्रींह्रूंनमोभूतनाथायकायसमस्तभुवन भूतानिसाधयसाधय हुंहुंइतिमोरपंखसेइहमंत्रपढझाडे तौभूतादिकजाइपुनःमंत्र ऊँनमोनारासिंहाय हिरण्यकशिपुवक्षस्थलविदारणायत्रिभुवनव्यापकाय भूतप्रेतपिशाचशाकिनीकीलोन्मूलनायस्तंभोद्भव समस्तदोषान्हर २ सर २ चल ॥ कंप २ मथ २ हुंफट ३ ठह २ महारुद्रोजापयतिस्वाहा इसनृसिंहमंत्ररक्षाकोपढकरमोरपंखसेझाडेतौं भूतादिकनहीरहैं.

॥ अथभूतादिककेबुलानेकामंत्र ॥

ऊँनमोभगवतेभूतेश्वरायकिलकिल तरवायरौद्र दंष्ट्राकरालवक्त्राय त्रिनयनभूषिताय धगधगितप्रसंगललाटनेत्राय तीव्रकोपानलायामिततेजसे पाशशूलखट्वांगडमरुकधनुर्वाणमुद्गर भूपदण्डत्रासमुद्राव्याघ्रदशदोर्दण्डमंडिताय कपिलजटाजूटकूटाईचंद्रधारिणे भस्मरागरंजितविग्रहाय उग्रफणिपतिघटाटोपमंडितकंठदेशाय जय २ भूत डामरेश आत्मरूपं दर्शय २ नृत्य २ सर २ चल २ पाशेनबंध २ हुंकारेणत्राशय २ वज्रदंडेनहन २ निशितखंडेनाछिंधि २ शूलाग्रेणाभिंधि २ मुद्गरेणचूर्णय २ सर्वग्रहाणां आवेशय २ इसेमंत्रसेगोकेघृतमे गुग्गुलुमिलाय बहुतसीवारधूपदे और इसीमंत्रसेसवकों अधिमंत्रितकरके उस्कोमारे तौवहमनुष्य निश्चय बककर जैसाहोइ वैसाकहे पीछेउसीमंत्रसे लिखकर निंबकेपत्ते औरसर्पकोकांचमिलाकरधूपदे ॥

॥ अथभूतादिककेउतारनेको अंजन ॥

॥ चौपै ॥ हिंगुलसुनपानीपीसावै नासिकदेभूतादिकजावै अंजनकरभूतादिकजाय तंत्रविचारयाहिप्रगटाय.

॥ अथभूतादिकउतारनेकातंत्र ॥

॥ चौपै ॥ अष्टपत्रतुलसीकेल्यावै कालीमिरचआठतिहपावै सहदेवीबूटीरबिवार पविब्रलेपतीनोमिलसार तिहतवीतकरकंठमोधारै भूतादिककोदोषनिवारै-

॥ अथविषभक्षणकृतज्वरलक्षणं ॥

धूवासामुखजिह्नरआहि अतीसारवरख्वअन्नाहि तृषाकरेअंगसूईपरे तैसीपीडाअंगसबधरे मूर्छा लक्षणऐसेजाहि विषकृतज्वरजानोतुमताहि.

॥ औषधीगंधकृतज्वरलक्षण ॥

मूर्छाहोसिरपीडाधरै वमनआयछीकबहुकरै इनलक्षणगंधजज्वरजान भावप्रकाशमतकीनबखान

॥ अथास्यचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ गंधऔषधीविषतेजोज्वर पित्तजऔषधकरिएहितवर काथजुहोबेविषहिनिबार चिकित्साताहिसुगंधविचार यत्नकरैउद्यतगंधहीसों जोलेखनमोकहेसुहितसों दालचीनीलाचीमंगवाय तमालपत्रनागकेसरपाय मुसककपूरकंकोलअगरवर कुंकुमलवंगताहिकोहितधर.

॥ अथक्रोधज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ तनकांपैमस्तकज्वरपीडाजास पित्तज्वरलक्षणक्रोधप्रकास.

॥ अथक्रोधज्वरकायत्न ॥

॥ चौपै ॥ मिठेशीतलबहुवचनरसाल विनोदलोभमनधरहिविसाल.

॥ अथमानसज्वरउत्पत्तीलक्षणं ॥

॥ जौपै ॥ इष्टमित्रपुत्रस्त्रीधनआदि नष्टजाहिबडरोगविष्यादि ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ क्रोधज्वरहिपित्तहरऔषधवर पित्तदूरकरक्रोधताहिटर ॥ अन्यच ॥ कामहिक्रोधटरतबुधजान क्रोधहितेकामाहिटलमान कामक्रोधदौदोषहटावै तबहिज्वरीइहरोटरावै तिरस्कारमानसअतिवरै अतीसारमलीनचितधरैचित्तभ्रमस्वासअश्रुपातइत्यादि मानसज्वरकेलक्षणव्याधि.

॥ अथमानसज्वरकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ याज्वरमोतत्वज्ञानफुनधैर्य्य मिष्टअन्नभोजनहितबैर्य्य व्यंजननूपसुमधुररसाल तिहतेमानसज्वरमनटाल.

॥ अथकामज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जिहकामहिज्वरप्रगटतहोय अरुचीदाहतनसूकेसोय लज्जानिद्राधैर्य्यबिनासै हृदयदुखसंभोगमनग्रासै निस्वासतंद्राभ्रमअतिहोय कामहिज्वरप्रगटावतसोय,

॥ अथकामज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ अत्यंतचतुरनारीअतिशीतल सोलावर्षतिहभोगेहितबल कामज्वरहितिहमनतेंजाय ग्रंथवागभटकह्योउपाय.

॥ अथस्त्रीकेकामज्वरकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छासर्वशरीरमैहोय मरोडप्यासलगनैत्रचपलोय कुचमर्दनचिततिहकोवरै तनपर्साहृदेदाहअतिधरै भोजनमैंअरुचीप्रगटाय लज्जानिद्राकायचुकाय धैर्य्यरहैसोतनमंझार इहलक्षणज्वरकामविचार-

॥ अथभयज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ आनंदयुक्तवार्तातिहजोग भयनाशैमनहोतनिरोग अथागंतुकज्वरेहैजुवशाहोषीरपनिक-ममाह ॥ चौपै ॥ भयकामशोकसेकोपैवात क्रोधसेपित्तकोपकरजात भूतावेशभूतसमहोय तीनोदोषकु पितकरजोय ॥ अथशोकादिकज्वरचिकित्सा ॥ श्रेष्ठवाक्यहितचित्तकरताहि शोकनिमित्तजिहलाभक राहि हर्षमानअत्यंततिहकरे कामशोकभयइहलभटरे

॥ अथजीरणज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ इकीसदिनापीछेज्वरहोय सूक्ष्मरहेतनभूषनसोय दुर्वलकायउदरफियमान जीर्णज्वरकेलक्षणजान

॥ अथजीर्णज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ वसंतमालतीरसहिप्रमाण जीर्णज्वरविकारतपछाण मासावर्कसुवर्णमंगाय दोमासेवू-कामोतीपाय तीनमासेशंगरफफुनलीजै मासेचारमर्चसंगदीजें अठमासेखपरीयाल्याय प्रथमगौमूत्रमोंशु-द्धकराय फुनसवदारूखरलसुकरै तिहप्रमाणगोमाषनधरै तामोखर्लनिंवूरसपाय वजनप्रमानखलैकरवाय-जबतकअतिचीकनताआवे तबतकखरलअत्यंतकरावे रत्तीअथवादोइपरमाण पीपलसहतसंग-करहैपान खाइरोगिजीर्णज्वरजाय धातुविकारगर्मीनरहाय संग्रहणीमूत्रकृछ्रअरुस्वास कासप्रदर-इनरोगाविनास पुनः कंडयारीगिलोयपुनतसमआन काढादसदिनअजीरणहान पुनः कचूरपित्तपापडा-सुंठीआन नागरमोथाकटुकीजान कटेलीचिरायताकोसमलीजै जवकुटकरदोटंकधरीजै तिहकाढादो-वषतजुपीय दिनग्याराजीर्णविषमहरीय इहवैद्यविनोदग्रंथमहिकह्यो उदितसुकाढानामयहलह्यो

॥ अथअन्यप्रकारअजीरणज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ हृदयदुःखतनभारीजानो वमनअरुचअरुदीनपछानो लागैरेचनबहुताडिकार इसवि-धलक्षणकीनउचार

॥ अथअन्यप्रकारजीर्णज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटासोंचलपिपलामूल अरुसैंधासभलेसमतूल कूटपिसटांकपरिमांन तप्तनी रसोंकोजैपान प्रातसमयजोभक्षणकरै तापअजीरणरसकोंहरै श्वासकासपुनहरहैसोय निश्चैमनमोआ नोजोय ॥ अन्यच ॥ हरडजवायणहलदमगावो त्रिकुटासौंचलताहिमिलावो लवंगलायची यहसमआन निंवूकोरसदुगुणाठान तप्तनीरसोंटांकजुढाई प्रातहिंपीवैरसज्वरजाई ॥ अन्यच ॥ त्रिवीहरडमघपीपलआनै सुंठीनिंवूकोरसठानै यहसमस्तनीकैपीसाय तप्तजलहिंदोइटंकजुपाय तापअ जीरणहोइहैनाश पचैअन्नहोयक्षुधाप्रकाश ॥ अन्यच ॥ हरडआमलेचित्रालीजै सौंचलपीपल इकसमकीजै कूटपीसमैदासमछान चूरणदोयटांकपरिमान तप्तनीरसोंपीवेजोय रसज्वरनाशतुरत हीहोय ॥ अन्यच ॥ हलदीमठीभूनमंगावे नीकैपीसेवस्त्रछनावे अजामूत्रसंगटांकजुदोय पीवेरसज्वरनासेसोय ॥ अन्यच ॥ हरडजवायणसौंचलआंन पीसतप्तजलसोंकरपांन तापअजी रणरसहोइनाश ग्रंथमतायोंकीनप्रकाश ॥ अथमर्दनतैल ॥ अन्यच ॥ तैलतिलनअंगमर्दनकरै-

तापअजीरणकोंसोहरै ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ हरडपीपलीमिरचांलेय सेंधायहसमपीसध रैय गोमूत्रसोंनेत्रनपाय तापअजीरणताकोजाय ॥ इतिअजीर्णज्वरचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथमलज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा॥ मलज्वरकेलक्षणजितेलिखेजुग्रंथनिदान अपनेंमनमेंसमुझकेतेतेकरोंवषान ॥ चौपई ॥ दाहशोषपरलापलहीजै अस्थिपीडशिरपीडलषीजै अरुभ्रमएतेलक्षणजान मलज्वरकेयहकीनबषान-

॥ अथमलज्वराचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडजवायणचित्राआन दोनोजीरेकरोंमिलान निंबकचूरसुपीसामिलाय सभसमलीजैचूर्णबनाय प्रातटंकदोसेवनिहार मलज्वरकोतवमिटैविकार ॥ चौपई ॥ हरडजवा यणसौंचललेहि कूटपीसचूरणकरदेहि तप्तोदकसोंरोगीषावै मलज्वरताकोभाग्योजावै ॥ अथक्वाथ ॥ ॥ चौपई ॥ अमलतासकीगिरीमंगावै त्रिवीहरडसौंचलसमपावै क्वाथकरैपीवेपरभात मलज्वर- केयहकरहैघात ॥ अन्यच ॥ मुथरांग्रंथिकअरुकन्याल हरडकोडयहसमलेघाल क्वाथकरेपीवेपरभात मलज्वरकोजहकरहैघात ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ यहरडपीपलीकोडमंगावै पुनकिरायतासंगमिलावै अवरमुसवरताहिमिलाय यहसमस्तनींकेपीसाय तप्तनीरसोंउदरालिपावे भिटेविकारज्वरीसुखपावे मैलद्रवै ज्वरहीवैनाश दालमोठपथदीजैतास ॥ दोहा ॥ मलज्वरकीइहभातसोकरीचिकित्सागान लक्षणभा षेषेदज्वरजैसेकहैनिदान ॥ इतिमलज्वराचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथषेदज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ निद्राजृंभास्वेदतनअंगपीडपहिचांन अहलक्षणज्वरषेदकेजानोपुरुषसुजांन

॥ अथषेदज्वराचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मीठातैलतिलोंकाल्यावे पीसकायफलताहिमिलावे अंगज्वरीकेमर्दनधरै पुनस्नानतप्तो दककरै वाकेवलतिलतैलमलावै तप्तोदकसोंस्नानकरावै तुरतषेदज्वरहोइहैनाश ग्रंथमतीयोंकीनप्रकाश ॥ इतिषेदज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथमलज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ षेदज्वरइहभातसोंकरीचिकित्सागान लक्षणभाषोंदृष्टज्वरजैसेंकहैनिदान जृंभावमनअ शक्तिताउदरपीडफटअंग यहलक्षणज्वरदृष्टिकेप्रगटकरैतिंहभंग

॥ अथदृष्टिज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटासौंचलसैंधापाय अजवायणपुनहरडमिलाय लघुलाचीशतावरीलीजै पुन चित्राजुइकत्तरकीजै पुनलेडारीपुष्करमूल सभऔषधपीसोसमतूल तप्तनीरसोंटंकदोइषावे उदरशूलदृ ष्टीज्वरजावे ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ त्रिकुटाहिंगुचिरायतापीसोसमकरआन प्रातटंकतप्त नीरसोंपायदृष्टिज्वरहान ॥ इतिदृष्टिज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथरक्तपित्तज्वरलक्षणम्

॥ चौपई ॥ रक्तसकफजोहृदयतेपरै दाहमोहछर्दभ्रमधरै मुखपाकैकरहैबकवाद रक्तपित्तज्वरलषोश्रनाद

॥ अथरक्तपित्तज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

। दोहा ॥ रक्तपित्तमिश्रतजुज्वरतासाचिकित्साजांन चूरणादिसभभाषहोंजैसेंग्रंथप्रमान ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ चंदनवालाधावेआन पन्हीपद्मकाथफलठान अवरतज्जतजपत्रमिलाय सभऊौषधपिसोसमभाय दोयटांकपरभातजुषावे रक्तपित्तज्वरतनतेंजावे ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाद्राक्षमनकाल्यावे नेत्रमालवासापुनपावे पुनअनारदानासंगठान कूटपीसमैदासमछान अजादुग्धसेंटांकजुएक प्रात पियेमनधारविवेक रक्तपित्तज्वरहोवतहान ऐसेंजानोंग्रंथप्रमान ॥ अन्यच ॥ श्रीखंडादिचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ श्रीखंडसुंठमघमरचमंगावे तजलवंगद्राक्षाजुमिलावे जीराधनियांनेतरमाल रक्तचंदन अरुपत्रतमाल केसरहलदमुलठीआन पुनतिसमांहिछुहारेठान अरुमिलायतिंहपीपलमूल यहसभऊौषधलेसमतूल कूटपसिकरवस्त्रछनाय सभऊौषधसममिसरीपाय टांकदोयशीतलजलसंग प्रातषायमनधारउमंग रक्तपित्तज्वरतुरतहिंनाशे श्वासकासपरमेहविनाशे क्षईविष्मज्वरअर्शमिटावे अतीसारपुनदाहनसावे अवरभगंदररोगनिवारै धातुपुष्टकरबलतनधारै पथ्यहिरहैंअपथ्यनषाय भाष्योचूर्णबहूसुखदाय ॥ अन्यच ॥ इकइकटंककुठलाचील्यावे चंदनचूराचारमिलावे जीरादोइमुलठीतीन षोडशटांकशकराचीन्ह सभऊौषधयहकूटापिसाय शीतलजलहिटांकदोषाय रक्तपित्तज्वरशूलमिटावै हस्तपादअंगदाहनसावे जिव्हाशोकअरुचकोंनाशै मथसेंरहैविनारुजभासै ॥ अथक्वाथ: ॥ चौपई ॥ चंदनमुत्थरनेतरमाल रक्तचंदनमधुमहूतमाल यहसभसमलेक्वाथजुकरै पीवैरक्तपित्तज्वरहरै ॥ अन्यच ॥ कौडकिरायतपरपटआन वासाअवरधमाहांठान पायबहुफलीक्वाथबनावे प्रातहिमिसरीपायपिलावे रुधिरश्रवैमुखनासाजास रक्तपित्तज्वरसहितविनाश ॥ इतिरक्तपित्तज्वरचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथआमपित्तज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ दोनोचंदनकुठपछानो गजकेसरजुमनकामानो पत्रतमालआमलेपावे अमलेपुनतिहमांहिसमावे दालचीनीहौवेरमिलैये दाडिमब्रह्मदंडीछडकहिये ऊौषधइकसमलेहुपिसाय सभसममिसरीपीसमिलाय मासेपांचप्रातउठषाय आमपित्तज्वरदूरनसाय योनिशूलकटिशूलमिटावै हृदयशूलगुदशूलगवावै अंगपीडशिरपीडविडारै अवरविकारनेकविधटारै इतिआमपित्तज्वरचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथसप्तधातुगतज्वरलक्षणम् ॥

॥ अथप्रथमरसस्थितज्वरलक्षणम् ॥ चौपई ॥ हृदयदु:खतनभारीजान वमनअरुचतादीनपछान लागेरेचनबहुताडिकार रसज्वरलक्षणकीनउचार

॥ अथरक्तस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसंगरक्तहृदयतैंपरै दाहमोहछर्दभ्रमधरै गात्रपीडअतिकरबकवाद रक्तस्थितज्वरलहोअनाद

॥ अथमांसस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छालेमुखअरुअवरहुअंग ततवहुतमूर्छामनभंग ततहुवाढमुखसोंनिकसाथ त्रिषामोहविक्षेपलषाय मूत्रवलवहुआवतरहै मांसस्थितज्वरलक्षणकहै

॥ अथमेदस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वारंवारपसरवेदजुआवै त्रिषासुमूर्छाहर्षनसावै छर्दअरुचदुर्गंधभमीजै करैप्रलापदुःखसोंछीजै

॥ अथअस्थिगतज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हाडजुकडकैपीडाहोय रेचनअंगछडपडीजोय वमनकूजनआविवहुश्वास अस्थिगतज्वरकरैप्रकाश

॥ मज्जास्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिडकीमोहउरदाहजुकास शीतवमनमूर्छावहुश्वास मर्मछेदयहलक्षणजान मज्जास्थितज्वरजाहिपछान

॥ अथवीर्यस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वीर्यगिरैनहिधीरजगहै जाकोलिंगषडाहीरहै वीर्यस्थितसोज्वरहीजान वैद्यकमतसोकीनप्रमान दोहा रक्तमेदरसमांसगतज्वरसोसाध्यवषान अस्थीगतकष्टसाध्यहैभाषैवैद्यसुजान वीरजगातिजोज्वरकह्योसोअसाध्यलषलेहु तासउपायवनैनही भाषसुनायोएहु

॥ अथसप्तधातुगतजज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रसगतलंघनवमनकरावे टकीररक्तगतमाहिसुखावे शमनलेपअरुरक्तछुडाय मांसगतज्वररेचनभाय मेदगताहिमोमेदहरनहित अस्थिगतवातशमनऔषधमित वस्तिकर्मअभ्यंगमर्दनहित शुक्रगतहिमृतउपायनकछुमित

॥ अथआमाशयगतज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ आमाशयमोयहीउपाय मुस्थरापिपलामूलमंगाय कौडहरडसमक्वाथजुकरै आमाशयज्वरनिश्चैहरै

॥ अथकालज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ सीसततपरस्वेदतनकरपदशीतलजास ताकोकछूउपायनाहिं यमपुरकरहैवास

॥ अथविष्मज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई जिसकोनेमकालकानाहीं ज्वरकोवेगतनसदारहाहीं पांसोअल्परहैपुनताको होतरहै दुर्बलतनवाको प्रथमहोयज्वरपुनातिसत्यागै कुशतामोजुअपथ्यहिलागै वस्तुअहितसेवनतैजोय विषमतापकोउत्पतहोय वातपित्तकफयहजोतीन इन्हतैइककोआश्रयलीन ऐसोज्वरसोविष्मकहीजै इन्हलक्षणतेमानपतीजै

॥ अथविष्मज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ जीरणज्वरतैविष्मज्वरकामक्रोधभयथाय सोनिदानपाछैकह्योअवसुनलेहुउपाय अथक्काथ ॥ चौपई ॥ हरडपटोलकोडमुथआनै करैक्काथमधुताहिमिलानै जोरोगीप्रभातउठपीवै विष्मतापजावैसुखथीवै अनुवासनवस्तीपरकार स्निग्धवस्तुअन्नपानविचार वातप्रधानाविष्मज्वरजोय इनकारणनवृत्तसोहोय पित्तप्रधानज्वरमोहितकार रेचनअथवादुग्धघृतहार अथवातिक्तशीतलवस्तूकर जीतलेयताही कोवुधवर वमनफुनपाचनवस्तूपाय रुक्षेअन्नपानाहितभाय कसेलीगर्मवस्तुलंघनते कफप्रधानज्वरजीतइननते अथआमलक्यादिचूर्णं ॥ चौपई ॥ धात्रीफलमघपीपलपावै सैंधाचित्राहरडमिलावै सभसमपीसेचूरणकरै टांकदोयमिरजादाधरै जलसोंप्रातहिपीवैजोय जीर्णअवरविष्मज्वरषोय क्काथः ॥ चौपई ॥ मुत्थर-धात्रीफलजुगिलोय कंडयारीपुनसुंठसमोय करैक्काथमघमधुयुतपीवै नाशविष्मज्वरताकोथीवै अन्य-उपाय ॥ चौपई ॥ बिल्ववृक्षकोवंदाआनै पीसतक्रसोंअचैविहानै विष्मतापकीपीडाजाय वंग-सेनयोंकह्योसुनाय अन्यच लसुनकल्कातिलतैलमिलावै नित्यजुषायविषमज्वरजावै वातरोगपुनना-शकराय वैद्यकमतयोंदियोदिषाय ॥ अन्यच ॥ जीरागुडमिश्रतजोषावै मंदाग्निवाताविष्मज्वरजावै अथवृद्धपिप्पली ॥ चौपई ॥ केवलएकमघांमंगवावे पांचप्रमाणप्रथमदिनषावै प्रतिदिनपांचोपांच-वधाय शतप्रमाणजबपीपलषाय इसीप्रकारघटावतआवै अजादुग्धसोंविष्मगवावै दूधभातदीजें पथतास वातजरोगविष्मज्वरनाश अर्शगुल्मकासअरुश्वास उदररुधिररुजशोथविनाश अथअवि-लेह ॥ चौपई ॥ आनत्रिवीकोंभलेंपिसावै मधुमिलायपरभातचटावै अथवाहरडमधुसंगमिलाय चाटेप्रभातजोनराहितचाय ॥ अथअंजनम् चौपई ॥ सैंधानूनपिपलीकेचावल मनशिलतिलपीसकरैसुनिश्चल नयनोअंजनताहिकोकीजै तांसोंविषमज्वरहिहरीजै होयविष्मज्वरताकोनाश मंडमिलायमद्यपथतास-मोरजुकुकुंटतीतरमास इन्हकोरसपथकह्योप्रकाश ॥ अथधूप ॥ निंबपत्रअरुवचकुठचाय हरडसर्षपघृतसंगमिलाय गुग्गुलधूपनित्यजोदेवै विष्मतापनाशैसुखलेवै ॥ अन्यच ॥ जोज्वरविषेंकंप-बहुहोय विडालपुरीषधूपदेसोय विष्मतापकीपीडानाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ सह-देवीभद्राकोआनै वरचनाकुलीइकसमठानै कूटपीसधूपदेजोय नाशविष्मज्वरतातैंहोय अन्यच-मोरपंखकेचंदडेल्यावै देवैधूपविष्मज्वरजावै ॥ अन्यच ॥ वृद्धधूपः ॥ चौपई ॥ इस्तुगंधावचकुठमंगाय निंबपत्रयवहरडमिलाय स्वेतसर्षपाघृतजुमिलावै धूपजुदेयविष्मज्वरजावै गुगलुरोहिषवर्चमंगावै रालनिंबअर्कफुलपावैं अगरकाष्टदेवदारुसोआन याकोधूपविषमज्वरहान अपराजितधूपया-हिकोमांनो वंगसेनमतयाविधजांनो ॥ अथमाहेश्वरधूपः ॥ चौपई ॥ बटतरुकीजोजटापछान सर्पकाचु मैनफलठान विष्टाविडालघृतसंगमिलाय वांसत्वचागोशृंगरलाय शिवनिर्मालभूतकेशीआन यवगो-हाडाहिंगुवचमान मरचैछागलरोमलहीजै मयूरचंद्रकासर्षपलीजै यहसभअजामूत्रपिसवाय रोगी-आगेंधूपधुषाय यहमाहेश्वरधूपकहावै सर्वज्वरनकोनाशकरावै ग्रहपीडाडाकिनीपिशाच भूतप्रेतदुः-खहरलहुसाच ॥ अथनसवार ॥ मघांआमलेहिंगमंगावै दारहलदवचसर्षपपावै थोंममेलअजामूत्रसम-पाय नासादेयज्वरहिदुखजाय एकाहिकादिज्वराहिकोंटारै श्रेष्टयोगयहवैद्यउचारै ॥ अथघृतप्रकारः- ॥ दोहा ॥ घृतप्रकारअबकाहितहोंजोज्वरमोंअधिकार रोगीकीसहरूक्षताहैरसमस्तविकार ॥ चौ-पई ॥ लंघनवमनअवरलघुभोजन अरुऔषधज्वरहरनलषोमन इन्होउपायनज्वरजुनजावै तिसअंतर-

रौक्षतालषावै ताहियकघृतविधीप्रकासैं सकलरूक्षतासहज्वरनासैं ॥ अथनिंवादिघृत ॥ चौपई ॥ निंबपत्रवरचकुठआन हरडैंलैंसमचूरणठान घृतमोंपायपकावैषाय विषमज्वरादिरौक्षताजाय ॥ अथबिल्वादिघृत ॥चौपई ॥ बिल्यकोलअग्निमंथपुनआनै अरुत्रिफलायहसभसमठानै इन्हकाक्राथ. करैसुबनाय दधिमिलायघृतपायपचाय याघृतकोंरोगीनितपीवै विष्मज्वरादिजायसुखथीवै ॥ अथचंदनादिघृत ॥ चौपई ॥ चंदनाचित्रावासाआन सुंठीकोगडमुथरामान कौडत्रायमानपुनजानो पसधात्रीसारवापछानो अवरमनकाद्राक्षरलाय यहसभअर्धअर्धपलपाय अष्टवारदिनयहसभआनै दुग्धप्रमाणआढिकमोंठानै अर्धतुलाभरघृततहांपावै घीउपकायछाणनितषावै बलअनुसारविष्मज्वरजावै नैतिकद्वितीयत्रितीज्वरजावै चातुर्थिकपुनताहिप्रकाशै उन्मादश्वासअरुकासबिनाशै अपस्मारामिगींहोइनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथक्षीरकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ त्रिफलावायविडंगमंगावै दाडिमंमुत्थरमंजीठमिलावै कमलप्रियंगूलाचीजान कुठदंथरपुनचंदनठान हलदीवालात्रिवीमिलाय वरचसारवाद्दयदंतीपाय एलाबालुकबनैकेबीज सूरकरणीसभसमकरलीज तालीसपत्रसुरदारुजुकेसर कुसममालतीयहसभसमधर सभहीकूटैघृतमोंपावै घृतसोंदुगणादुग्धरलावै अग्निजगायपकावैसोय घृतकोंछाणधरैनरजोय बलअनुमाननितप्रतिषावै कासश्वासविष्मज्वरजावै अरुउन्मादादिकरुजजेते होंहिनाशइसघृतसोंतेते ॥ अथषट्पलकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ सुंठीपीपलचित्राजानो चवक पिप्पलामूलपछानो यहपांचोपलपलपरिमाण कूटद्रोणभरजलमोंठान चतुर्थभागजलरहैशेषजब सैंधा लवणतंहपलडारैतब पुनातिसजलकोंघृतमोंपाय भलीप्रकाररूजीजोषाय पीनसश्वासकासज्वरजावै पांडुरोगअर्धांगमिटावै शोषअवरदुर्बलतानाशै मंदअग्निअरुलिफबिनाशै ॥ अथमहाकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ क्षीरकल्याणघृतकीजीवस्तू सोऊऔषदलेयसमस्तू पुनर्जीवनीगणत्रिकुटापावै घृतसौंचौगुणदुग्धमिलावै वस्तुसमस्तरलायपकाय पीवैविष्मादिकज्वरजाय कृशताशोथजायअपस्मार अजीर्णादिसभजांहिविकार अवरनपुंसकताहरजावै वैद्यकमतयोंप्रगटजनावै ॥ अथअमृतषट्पलघृत ॥ चौपई ॥ सुंठचवकयवक्षारमिलावै पीपलमूलमघचित्रापावै यहसभलेपलपलपरिमाण प्रस्थएकघृतकरोमिलान पकवावैघृतलेहुनिकार तामोप्रस्थरसआद्रकडार पकभयीघृतजानेजवही पादधिमंडपकावैतबही इसघृतकोंपावैनरजोय एकाहकद्वाहकसभषोय त्रितीयकअवरचतुर्थकजाय विषमतापतनमोंनरहाय क्षुधाकरैतनरंगबनावै बलकरहैतनपुष्ठकरावै श्वासकासइत्यादिकनाशैं बंगसेनयोंप्रगटप्रकाशैं ॥ अथतैलप्रकारनिरूपणम् ॥ दोहा ॥ घृतपरकारवषान्योकहोंतैलपरकार जैसेंग्रंथमतीलहीतैसेंकरोंउचार ॥ अथलाक्ष्यादितैल ॥ चौपई ॥ लाक्ष्यारसआढकपरिमान तैलप्रस्थइककरोमिलान रसअरुतैलामिलायपकावै पुनदधिमंडप्रस्थइकपावै तामोऔषधकरोमिलान सुनलीजैसोकरोंबषान सौंफहलदमूर्वाकुठजानो रेणुकाकौडमुलठीमानो रहसनदेवदारुमुत्थरआन यहसभअक्षअक्षपरिमान चंदनअश्वगंधसोंलीजै कूटसमस्तभांडमोंदीजै मंडतैलएकत्रमिलाय अग्निऊपरधारपकाय सिद्धतैलकरदेहमलावै वातजरोगविष्मज्वरजावै श्वासकासपीनसमिटजाय कंडूअरुदुर्गंधनसाय त्रिकपृष्टकीपीडानास शूलजुगात्रस्फुटनविनाश ग्रहसमस्तकीपीडानाशै गौरवतातनकीसुविनाशै यहतैलकह्योअश्विनीकुमार सिद्धतैलयहरोगनिवार ॥ अथषट्चरणतैल ॥ चौपई ॥ लाक्ष्याअवरमुलठील्यावै मंजीठमूर्वाचंदनपावै अरुसारवासमलेपीसाय तैलमांहिसोंपायपकाय तनमोंमर्दनकरैबनाय ज्वरस-

मस्तकीपीडाजाय ॥ अथअष्टचरणतैल ॥ चौपई ॥ लाक्ष्याहलदीकुठमंजीठ सज्जीसुंठीमुत्थरईठ मूर्वाचंदनयहसमभाय षट्गुणतैलसुपायपकाय विधिवतसोंतनमर्दनकरै दाहशीतज्वरपीडाहरै ॥ अथषट्तकतैल माषणसहितछाछकोलेवै ताहूकेसमतैलरलेवै तक्रसहितसोंतैलपकावै पुनताहूस. मछाछमिलावै इसीप्रकारतैलषट्वार पकवावैयोंलेयसुधार मर्दनतनपरविधिवतकरै दाहशीतज्वरत. तक्षणहरै ॥ अथअंगारकतैल ॥ चौपई ॥ द्राक्षामूर्वाहलदीदोय मंजीठकंडयारीकटुकीसोय इंद्र. वारुणीरहसनपाय सैंधवमांसीताहिमिलाय अरुलताबरीषहसमआनै इकआदिककांजीमोठानै प्रस्थ. प्रमाणतैलमोंपाय अग्नीऊपरधारपकाय मर्दनरोगीविधिवतकरै सर्वज्वरनकोंसोऊहरै ॥ अन्यच ॥ ला. क्ष्यादितैल ॥ चौपई ॥ प्रथमलाक्षरसलेहुनिकार ताहिसमानतैलतिंहडार तैलचतुर्गुणदधीमिलावै पुन. यहऊैषधपीसरलावै असगंधकुठरहसनयहजान हलदीमूर्वाकौडपछान चंदनरेणुमुलठीपावै सौंफयार. मुत्थरसुमिलावे तैलपकायसुमर्दनकरै सर्वजातकेज्वरकोहरै अपस्मारउन्मादमिटावत दुःखमिटैतन. सुखउपजावत यक्षराक्षसअरुभूतपिशाच इन्हकोदोषहरैलषसाच ॥ दोहा ॥ तैलप्रकारवषान्योबंग. सेनअनुसार वैद्यचतुरयहसमझमनपुनकरहैउपचार ॥

॥ अथसंततसततज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वररसअरुधातुमंझार रहैनिरंतरकीनउचार वेगनिरंतरराषैजोय संतिज्वरलक्षण. सोहोय ॥ चौपई ॥ जोज्वररक्तधातुमोंरहै दोइवारदिनमोंआगहै सोज्वरसततभलेपहिचान भा. षसुनायोग्रंथनिदान ॥

॥ अथसततसंततज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ निंबजुद्वादशटंकमंगावै तीनभागत्रिकुटासुमिलावै त्रिफलालवणतीनजुमिलाय यव. क्ष्यारअवरसज्जीदोपाय अजवायणटंकपांचसुरलावै कूटपीसकरवस्त्रछनावै एकैटंकततजलसंग प्रातहिपीवैकरैनभंग ज्वरनेतकद्वाहकामिटजाय त्रितीयकचातुर्थिकनरहाय ॥ अथनैतिकज्वरकाथ ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रनवीनसुआनै कौडइंद्रयवसमलेठानै काथसुकरकैजुपीवैतास नैतिकज्वरअरुसभ. ज्वरनाश त्रायंतीकौढजवासाआन कालीटेरनसमकाथबनान वातादिकसंततज्वरमाहि पीवैरोगीइह. तैसभजाहि ॥ अन्यच ॥ पटोलइंद्रजवासाल्यावै हरडानिंवगलोयसमपावै काथकरतपीवैपरभात सं. ततज्वरकोंकरहैघात ॥ अन्यच ॥ पाठामुत्थरकौडपटोल कालीटेरनकाथसमतोल ॥

॥ अथअन्येद्युज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसकेरसआश्रयजोहोय दिनमोंएकवारचढसोय अन्येद्युज्वरताकोभाषै तापने. तकीपुनतिहआषै ॥

॥ अथद्वितीयकत्रितीयकज्वरकोकाथः ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलामुत्थद्राक्षजुपटोल त्रिकुटानिंबलेहूसमतोल काथकरैपुनसितामिलावै पी- वैद्वितीयत्रितीयज्वरजावै ॥ चौपई ॥ द्राक्षपटोलनिंबफुनमुत्थर गिलोयइंद्रजवात्रिफलासंगधर स- त्रसमरात्रिजलहिमोपाय शीतलजलतिहप्रातपिवाय द्वितीयज्वरटरताइहकारण ग्रंथप्रमाणकह्योसुविचा-

रण ॥ अन्यच ॥ निंबमुनक्कापटोलमंगावै अमलतासत्रिफलासंगपावै बासाकाथकराहिहितकार एकाहिकज्वरकौंतिहटार ॥ अन्यच ॥ त्रिफलानिंबपटोलहिपत्तर मुनकामुत्थरकोगडअन्येदुहर ॥

॥ अथमंत्रः ॥ अंगवंगकलिंगेषुसौराष्ट्रमगधेषुच वाराणस्यांचयद्वृत्तंतदेकान्हिकसंस्मर योसौसरस्वतीतीरेद्यपुत्रस्तापसोमृतः तस्मैतिलोदकंदद्यात्मुंचत्वेकान्हिंकज्वरं एतन्मंत्रेणवाश्वत्थपत्रहस्तःप्रतर्पयेत्

॥ अथांजनं ॥ चौपई ॥ ऊर्णनाभकोजालमंगावै ज्वलतदीपपरताहिधरावै ताकोकज्जलनयनोडार ज्वरद्वितीयकीपीडाटार ॥

॥ अथत्रितीयकज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वरहोइमेदगतगावै दिवसतीसरैसोप्रगटावै कफअरुवातपित्तयहतीन इन्हत्रिभेदकरलखैप्रवीन जोकफपित्तदोषतैंहोय कटिरोगीकीपकडेसोय कफअरुवातदोषतैंजान पृष्टगहैसोज्वरपहिचान वातपित्तदोषतैंजोई शिरपकडेपीडाकरसोई ॥

॥ अथत्रितियकज्वरकोक्काथ ॥

॥ चौपई ॥ चंदनमुत्थरउशीरगिलोय धनियांसुंठक्काथकरसोय मधूशरकरापायपिलाय त्रिष्णादाहत्रितीयकजाय ॥ अन्यच ॥ किरायतागिलोशुंठीअरुचंदन तृतीयकक्काथजानआनंदन ॥

॥ अथचातुर्थिकज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अस्थिअवरमज्जागतहोई दिवसचतुर्थवेगकरसोई सोऊचतुर्थिकपांचप्रकार भाषमुनाऊंतासविचार जंघातैंजोवेगकरावै सोकफतैंप्रगटैमनल्यावै सीसआदितनपूरवभाग तिसतैंवेगसोवातविभाग देहमध्यतैंवेगकरावै पित्तदोषतैंसोप्रगटावै कटितैंतलैजोवेगप्रकाशै तीनदोषतैंसोज्वरभासे भूतदोषतैभीहोइआवै चातुर्थिकज्वरयोंकहिगावै ॥ दोहा ॥ छठैदिवसजोतापहै षडाहकहैंतिसनाम सप्तमदिनसप्ताहिहोजानोनरअभिराम दशमेदिनजोतापहोइताकोंकहैदशाह द्वादशदिनजोज्वरचढेसोकहिद्वादशआह ॥

॥ अथचातुर्थिकज्वरक्काथः ॥

॥ चौपई ॥ कौंडकिरायतासुंठजुआनै चंदनमुथगिलोयजुठानै धात्रीफलसंगआनामिलावै सभसमलेकरक्काथबनावै प्रातसमयजोभक्षणकरै तापचतुर्थिकतातेंहरै ॥ अन्यच ॥ हरडसुंठसारवासुरदार वासाधात्रीफलपुनडार करैक्काथमधुमिसरीपाय प्रातपियेचातुर्थिकजाय ॥ अन्यच ॥ स्थिराआमलीहरडमंगावै देवदारअरुयवासापावै सुंठीयहसभसमकरजान क्काथकरैमधुसितामिलानप्रातहिंरोगीपानकराय मंदतीव्रचातुर्थिकजाय ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ कोमिलपत्रआंवकेआनै कूटपीसतिन्हकोरसछानै प्रातहिउठजोलेनसवार तापचतुर्थिकदूरनिकार ॥ अन्यच ॥ सरींहपुष्पदोहलदमिलावै कूटपीसगोकाघृतपावै व्याधीकोंदेवैनसवार चातुर्थिकज्वरकीपीडाटार

॥ अन्यच ॥ अगस्त्यवृक्षरसपत्रनिकार चातुर्थिकपरलेनसवार ॥ अथटूणे ॥ चौपई ॥ नटशृंगाररजआदितवार गोपयसोंपियिचतुर्थिकटार ॥ अन्यच ॥ इटसिटसितकीजढकोंआन पयसोंपीयचतुर्थिकहान ॥ अन्यच ॥ तांबूलसदाजोभक्षणकरै तापचतुर्थिकताकोटरै ॥ अन्यच ॥ सहदेवजिढलेगलबांधे तापचतुर्थिककोंयोंसांधे ॥ अन्यच ॥ बिलकथचूरणबलहिप्रमान श्वेतग-

ऊश्वेतबछराजान ताहिदुग्धसंगजोयहपीय आतबारषटीदिनथीय चातुर्थिकज्वरयाहिनिवारै बंगसैन-मतताहिउचारै ॥ अन्यच ॥ गिलोयआमलेमुत्थरआन चातुर्थिकज्वरकाथप्रमान ॥ अन्यच ॥ अंबाडेखंडसहस्रमंगाय घृतसंगपेयसुजानबनाय त्रैदिनताहिजोइनरपीवे चातुर्थिकज्वरताहिनर्थावे और विध ॥ चौपई ज्वरहिबेगकीचिंताकरैनर ताकेत्रासक्षोभचितज्वरवर ताहिउपायजानकरयोग अद्भुतचालभ्रमायाचितरोग ॥

॥ अथविष्मज्वरभेददाहसीतज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नित्यहिजाकोमेंमंदज्वररहे रूक्ष्यताअरुसोजाहोयदहे सोरोगहिवहुक्लेशाकरजाय वध्य-अंगदुखश्लैष्मप्रगटाय तिहश्लेष्मादिकवातज्वरवैरै वातविलासनामतिहधरै ॥ यत्न ॥ कफघा-तज्वराचिकित्साजोय वातविलासमोजानलेसोय

॥ अथविष्मज्वरभेदप्रलेपकलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ साधिइस्थितकफजोहोय दूषतआमाशयचलेसोय प्रलेकंपज्वराहिप्रगटाय अंगभारेदाहगुरुमुकराय तनमोमंदज्वरहिविकार शीतलगैअंगछेदनहार जोयहराजरोगनरवैरै तौंताहिंकेप्राणको हरै इहदूषतशरीरसुकजाय प्रलेपकविष्मज्वरनामकहाय ॥ यत्न ॥ श्लेष्मरोगमोकहेप्रमाण सोयामो औषधजानप्रधान

॥ अथअर्धनारीश्वरविष्मभेदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोभोजनतरकियेप्रमाण उदरनपचैकरैअपचान कफपित्तभीदुष्टहोयजाय दूषए अतिकरज्वरप्रगटाय कफविकारकरअर्धशरीर सीतलसूनपडैवहुपीर अर्धशरिरसपित्तआवै-अर्धनारिश्वरनामतिसधरै

॥ अथनरसिंघशरीरवतविष्मभेद ॥

॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषकोऊर्धगतहोय रक्तपित्तफुनवातमध्यजोय अंतविषेकफहोयप्रधान नाभिऊर्धतिसजलनप्रमाण नाभिअधोगतसीतलपरै तातेनारसिंघनामकरधरै ॥ यत्न ॥ बासा-कोगडगिलोयमंगाय दारहलदरहसनएरंडामिलाय छेमासेऔषधपरमाण कुटकरकाथपीयसुखजान-॥ अन्यच ॥ द्राक्ष्याकाथप्रथमइहकह्यो अर्धनारीमोउचितसोलह्यो

॥ अथरात्रिज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफअरुवातसमहोवैजाको पित्तघटतकायामहिताको तीक्ष्णअथवामंदज्वरहोय-रात्रिविर्षेज्वरप्रगटैसोय धूपअत्यंतदेहजलनसमान वातअधिकसेवनहोइजान इनविकारकररात्रि-मोआय ताहिचिकित्साकरोबनाय ॥ यत्न ॥ गिलोयमथांदोनोसमआन दोदोपैसेताहिप्रमान काथकरेप्रातहिउठपीय रात्रिज्वराहिकोहरसुखलेय पुनः लाजावंतीमूलमंगावे लालसूत्रबंधशिखा धरावै पुर्णिमावाअष्टमीतिथहोय शुभनक्षत्रविचारकरजोय पुनः वसमेजढवाभृंगराजजढल्याय-वाकायांकोंठीजढमंगवाय हस्तबांधशुभदिनशुभवार रात्रिज्वराहिकोलेतिहटार पुनः एककलश पूर्णजलभरे ऊपरताकेपूडेशुभधरै दीपकचौमुखलेयवलाय तिलजलतर्पणइसमंत्रकरसय ॥ अथमंत्रः॥

गंगाजमुनयोर्मध्येअपुत्रस्तापसोमृता रात्रिज्वरविनाशायतस्मदद्याज्जिलोदकं अर्धदेयसोकुंभउठाय. आमसोंबाहरचुराहधराय इहकारणरात्रिज्वरहरै औरउपायनकोईफुनकरै

॥ अथभेदविष्मज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कायपित्तदूषित्तजबहोय कफदूषितसिरहाथपगजोय सीतलकरैबहुयोअस्थान पित्तकाया गर्मअंस्यतलजान

॥ अथअन्यंभेदाविष्मज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफशरीरमेंदुष्टहोयरहै पित्तदूषितसिरहाथपगदहै याप्रमाणहथपैरजलान कफशरीरसीं तलकरमान

॥ अथविष्मज्वरकाभेदसंसर्गजज्वरलक्षणांचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जैसेंदोप्रकारकाहोई आगेलक्षनसुनिएसोई वातकफहिजुगदुष्टहोयजवै इस्थिततनशी तलकरतवै प्रगटापित्तपाछैगरमाहि सीतगर्मताहिप्रगटाहि तीनोकुपितरूपतिहजान इहज्वरकष्टसाध्यपर मान ॥ औरप्रकार ॥ पित्तदुष्टकायापरजवै बहुनदाहप्रगटावततवै शांतहोयकफवातप्रगटावै सोकायासीतल करवावै इहप्रकारतीनोकृतमान अत्यंतकष्टसाध्यज्वरजान ॥ यत्न ॥ चौपई ॥ मुंठवराहीकंदरखसतीन तेरा तेरामासेचीन सोलापलपाणीतिहपाय फुनपाकहिमोसोऔटाय जवहिचारपलपाछैरहै रोगीसिबरोगकोदहै पाचनश्रेष्ठइहजानप्रवीन वैद्यउचितजानोहितचीन ॥ अन्यच ॥ जाहीपुरुषदाहज्वरवैरै ताहीउचितचिकि-त्साकरै निंबपत्रमर्दानपीसाय चारपलपाणीमोजुघुटाय पुनकररससोलेहुनिकार छेमासेमखीरसंगडार दस मासेमिसरीमेलपिलाय दाहज्वरताहींसोंजाय ॥ अन्यच ॥ जाहिपुरुषदाहअतिहोय ताहिजत्नसमजोम-तसोय रोगीपेटपसारकरसोवै ताहिनाभिपात्रजलहोवै कांसीअथवात्तांबकोपातर ताहिधारजलसीतलहि-तवर सोधाराअतितुर्त्तज्वरहरै दाहनिवारशांतीमनधरै ॥ अन्यच ॥दाहपुरुषकोइहहितजान जहांसरोवर-वरकमलखिडान औरफुहारेछुटतेहोवन देषप्रसन्नदाहसबखोवन ॥ अन्यच ॥ इस्त्रीसोलाबर्षविचार जोब-नवंतसुंदरसिंगार दाहिपुरुषजातिहगललाय छातीआकर्षनदुखजाय परउत्तिष्टक्रियानहिसेवै हितप्री-तीसंगप्रीतकरेवै ॥ अन्यच ॥ घृतगोकासींजलसोंधोवै ताहिघृतहिमर्दनअंगजोवै पुनजवसत्तूजलसोंकरै हिरदयलेपदाहकोंहरै ॥ अन्यच ॥ उन्नाबआमलेसंगजलमेल हृदयलेपकरदाहज्वरठेल ॥ अन्यच ॥ पलाशबीजअम्लीसंगघोटै नाभिऊर्धलेपदुखछूटै ॥ अन्यच ॥ बेरपत्तनिंबकेपत्तर पाणीमोमलखूबपा इवर जोऊघज्जऊपरकोआवै नाभिऊर्धमलैदुखजावै ॥ अन्यच ॥ अनारपतरउनाबकेपत्तर बेरपतलो-धरकैथपालवर विजोरेरससोंपीससिरलाय तृषादाहसबदूरकराय ॥ अन्यच ॥ पीलाचंदनअरुबेरकेपत्तर तगरमुलठीश्वेतचंदनवर पीसकांजीसोघृतहिमिलाय सिरमोलेपेदाहज्वरजाय ॥ अन्यच ॥ महुकडारे समखरिसंगलीजै सेंधानौनघृतसंगमिलीजें सिरलेपेमुखतालूजनल औरदाहसबमेटैताछिन॥अन्यच॥ गंढीलेपत्रकालांवेलचंदन तिलसमलेयकांजीसंगपीसन सिरलेपैदाहतृषामिटजाय भावप्रकाशमोकह्यो-उपाय ॥ अन्यच ॥ ठंडाजलमखीरसंगमेल कंठपर्यंतमुखतृषाहरेल दाहनिवारैसोखताहरै वमनकरे-तौभीदुखटरै॥अन्यच॥ कमलपत्रनीलोफरआन अस्थलकमलनालोजढठान पुहकरमूलकेवडाखसल्यावै मजीठपद्मकाष्ठमेरीसमपावै सरियालाकालीवेलफुनलोधर बालावलचूडखरजूरसंगवर मुस्थरआमलसता-

वरीसमान पलपलऔषधपलहिप्रमान ल्यावैचतुरसमझवुधवान पानीएकद्रोणगटकान चौथाभागरहे तवचाय कपडछानकरजुदाधराय दोइप्रस्थलाखरसचाय आगेऔषधमेलवनाय पलवारहदूधसिरका- पलअठ चारोपलकांजीकरेइकट तिलकातैलप्रस्थइकदीजै आंचधरेपाणीपकलीजै पाणीजलैते- लयवरहै पुनतिहतेलछानकरगहै ताहितेलसोंमर्दनजान तृषादाहज्वरहोवेहान ॥ अन्यच ॥ अतिसी- तहिपीडितनरजोय गर्मस्नानजलकरहैसोय रूईवारेसमवस्त्रअंगधार ऊनवस्त्रहमामहितकार इनकारण- दुखसीतनिवार वंगसैनमोकियोउचार ॥ अन्यच ॥हरडनाकुलीकोडअरुआमल गुग्गुलग्रंथिपर्णरो- चकभल कचूरपीपलामूलधमनीनर वर्चकुष्टपीसोसमलेधर शीतआर्तजोमानुषहोय धूपधुखायसी- तलताखोय वाइहवस्तुपाणीसंगमेल गर्मकरनाभिऊर्धमलरेल वाइनऔषदऔरमिलाकर सेंधानोनपु- टकंडेखारवर सजीखारअठपलहिप्रमान इकठकरैजोचतुरसुजान पीसमहीनत्रैसेरकांजीवर चारसेरते लताहिसंगधर आंचप्रमाणतेलजबरहै मर्दनकरैतनशीतकोदहै ॥ अन्यच ॥ दहीमलाईफुनगोमूतर दोनोमेलसमअग्नीपरधर सोमलकायस्नाननरकरै सीतलताकेदुखसबहरै ॥ अन्यच ॥ दियारसर्जसुहांजने- पत्तर पाणीघोटकायलेपैनर शीतनिवारदेहीसुखहोय वंगसैनमतप्रगटतसोय ॥ इतिशीतपित्तज्वरचिकित्सा

॥ अथजीरणज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ इकीदिनपीछेज्वरजवहोय सूक्ष्मरहैतनभूषनसोय दुर्वलकायउदरफियमान जीर्णज्वर- केलक्षणजान

॥ अथजीरणज्वरयतन ॥

कंडियारीशुंठागिलोयमंगाय मघांसर्वसमक्काथवनाय जीर्णज्वरअरोचकफुनस्वास पीनसअग्निमांद्यअ- रुकास सायंकालपीवेनरजोय एतेरोगहरैहितहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गिलोयक्काथमघपायजोपीय जीर्णज्वरकफहतकरलीय ॥ अन्यच ॥ पंचमूलक्काथमघपाय पीवेजीर्णज्वरनरहाय ॥ अन्यलेह ॥ गि- लोइस्वरसमघमधूमिलाय पीवेकफजीर्णज्वरजाय स्वासकासअरुअरुचिनिवारै एतेरोगदेहतेंटारै ॥ अन्यच सुंठमघांजीर्णज्वरहरै अग्निमांद्यकोदूषनटरै ॥ अन्यच ॥ गिलोयक्काथशीतलकरवाय चतुर्थपादमधुसं- गमिलाय पीवेजीर्णज्वरहोयभंग वंगसैनइहकह्योनिसंग ॥ अन्यच ॥ जवासावाअमुत्थरल्याय कटु- कीशुंठसमचूर्णकराय कोशाजलकरशाथजुपीय सर्वज्वरनकोंहरतालीय ॥ अन्यच ॥ मुनक्काकंडियारी- ककडसिंगी गिलोयशुंठमुत्थरलेचंगी रक्तचंदनकचूरजुवासा कोडपाठाकिरायताखासा पद्मकाष्ठ- खसवालाल्यावै कंडियारीपुष्करमूलसमपावै अष्टादशांगचूर्णतिहनाम जीर्णज्वरअरुचीहतकाम स्वा- सकासहरैफुनऔर शोजादूरकरैसवघोर सिरकीगौरवतासुहटावै शूलहरैइंद्रियनकोवधावै र्चाकरैताहिके- कारण नासाद्वारविरेचकरावन मधुअथवालघुतैलहितकार ताहीकरनसवारहितधार ॥ अन्यच ॥ मघां मुलठीअरुजोधमणी चंदनलालफुनकालीटेरणी इनकाकाढादूधसंगपीवै जीर्णज्वरतत्क्षणहरलेवै ॥ अन्यच ॥ रक्तकरीरकेपुष्पमंगाय कुठआमलेधनियापाय महीनपीसगर्मजलसंग सिरलेपैजीर्णज्व- रभंग ॥ अन्यच ॥ स्वेतफूलअरणीजढल्यावै ऐतवाररविचढनपावै शिखावांधजीर्णज्वरजाय ज्यों- दुर्जनपापहिहतकाय ॥ अन्यच ॥ कौडपापडाचिरायताल्यावै मुत्थरगिलोयसमक्काथवनावै नित्यपीवे- जीर्णज्वरटरै ग्रंथकारमतऐसेधरै ॥ अन्यच ॥ जिहजीर्णज्वरीनींद्रहतहोय पिपलीमूलचूर्णहितजोय-

गुडमिलायचाटेजोरोगी चिरकालनिद्राहोयसुभोगी ॥ अन्यच ॥ मध्यानसमेंभठामंगवाय माटीलेपकरे तिहचाय फुनभूंनैसायंकालउमंग मधुसोंखायनिंद्रावहुअंग ॥ अन्यच ॥ पंचमूलइकभागधरीजै गऊदूधआठभागफुनलीजै पाणीचारभागतिहपाय क्षीरपकायदूधरहजाय तौउतारकरछानमुलीजै पीवै श्वासकासहतकीजै शिरपीडापीनसमिटजाय जीर्णज्वरीइहरोगछुडाय ॥ अन्यच ॥ अथक्षीरपाकाः मिसरीसुंठछुहारल्यावे मुनकावृतयुतदूधपकावे साथमक्षीरपीवैहितभाय दाहजीर्णज्वरतुर्तमिटाय ॥ अन्यच ॥ भखडेधमनीअरुकंडियारी गुडसुंठयुतदूधसोंकाडी बंधमूत्रमलसोजनिवारै जीर्णज्वरीकोइहदुखटारै ॥ अन्यच ॥ बिलकत्थयुतअंशाजुमंगाय इनसों अठगुणदूधतिहपाय चारगुणापाणीतिहडार खीरपकायदूधरहेसार जोरोगीपीवैतिहचाय सर्वज्वरनकोयेहमिटाय ॥ अन्यच ॥ त्रिवीपिपलीकालीटेरण त्रिफलासर्वमिलायकरचूरण समानताहिमिसरीसुमिलाय खावैरोगइनेमिटजाय आमाशयदोखअजीर्णज्वर अंगगौरवरेचनकराहितवर ॥ अन्यच ॥ विलकत्थवाएरंडजडल्याय ताकोपायदूधपकवाय सोपीवैजीरणज्वरहरै ग्रंथकारऐसेविधधरै ॥ अन्यच ॥ भुलट्ठीअमलतासकोल्याय मुनकाकौडजवासापाय त्रिफलापटोलपत्रजलपीवे रेचनकरसन्निपातहरीवे जीर्णज्वरनरहैइहकारण ग्रंथकारइहकीनविचारण ॥ शिक्षा ॥ चौपई ॥ ज्वरीक्षीणवमनअरुरेचन योग्यनाहिनुंसमझविचक्षण मलहटानतिहाहितवरजान दुग्धसेनिरूहवस्तीपरमान जवज्वरमुक्तरोगीकोभाय अरुचीअंगपीडदरसाय ॥ विवर्णअंगमलिनकसरहे शोधनताहिवैद्यवरकहे जोनकरेतांकोकेहकारन पुनप्रवेशज्वरकरैविचारण ज्वरसंतापजीर्णजवहोय रूक्षनरहिवायूकुपहिहोय तांकोपरमवैद्यघृतदाय संशमनवस्तूसोताहितभाय कल्याणघृतषट्पलिकाघृत इहघृतपीनजांकोजानोहित ॥ अन्यच ॥ जांगलीकुर्कटयुवामंगाय पादउदरविष्टाविनचाय तिहमांसरसपलशतकाढे फुनइहऔषधतांमोगाढे जुगकंडियारीककडशृंगी उनावलेकुलथकचूराभिडंगी आमलेपुष्करमूलमंगाय वृहत्पंचमूलवरपाय तुलाप्रमाणइहवस्तूलेय कचेदोमनजलातिहदेय काढतचैाथाभागजवरहे छानतीनमनदुग्धगोवहे सेरआठगोकाघृतपाय अग्नीपरधरफेरपकाय पीपलमूलत्वचलघुपंचमूल इहवस्तूएकसेरसमतूल कलकवनायपात्रमोपाय पाकसिद्धहोयहेठातिहचाय छानउदितपात्रधरसोय यथादोषबलज्वरनरजोय मात्रापीयऔषधपचजाय सठीचावलपथ्यहितखाय इसप्रकारएतेदुखटरै जीर्णज्वरगात्रशोषपरिहरै कासस्वासराजरोगनिवारै विष्मज्वरहरपुष्टबलधारै बलअधिकअग्निउजलाय ग्रंथकारमतकह्योबनाय कुर्कटघृतइहनामप्रमान प्रसिद्धसर्वजनकियोवषान ॥ अन्यच वासागिलोयत्रिफलामंगवाय त्रायमाणअत्ररजवासापाय क्वाथकरेदुगणादुधपाकर घृतसुपायपकायआंचधर मुनकारक्तचंदननीलोफर शुंठमघमुत्थरकल्कताहिकर घृताहिमात्रजत्ररहैस्त्रभाय तिहघृतजीर्णज्वरमिटजाय ॥ अन्यच ॥ मघांचंदनमुत्थरमंगवावै कौडइंद्रजवखसतिहपावै आमलीआंबलेकालीवेल मुनकापतीसमूरकर्णीमेल अमलवेतसविल्वफुनल्याय कंडियारीत्रायमानतिहपाय इनवरतूकरघृतसिद्धकरे सोघृतजीर्णज्वरकोहरे क्षयीकाससिरपीडहटाय पार्श्वशूलअरुचीमिटजाय अंगदाहदिष्मज्दरहरै एतेगुणजोघृतहिफुनिकरै पिपल्यादिघृतजाहिप्रमाण दुग्धपाइकोईकहताजान ॥ अन्यच ॥ वोडपीपलप्लक्षअरुवल पारिशविजयसारजंबूफल अर्जुनानिंवसप्तछदल्याय शरीषखैरकौडखसपाय कालीटेरणमिलोयअरुवासा अवरपापडावचलेखासा मालकंगुनीमुत्थरसमपाय इनकरासिद्धतैलपकवाय

सोतैलसर्वजीर्णज्वरहरै बहुगुणनामताहिकोधरै ॥ अन्यच ॥ जीरणज्वरपुनसवज्वरमाही पक्काशयआश्रितदोषजुजाही ताकरस्नेहवस्तीहितजान निरूहवस्तिकरणफुनमान ॥

॥ अथअन्यमतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वसंतमालतीरसहिप्रमाण जीर्णज्वरादिकहरतपछाण मासावर्कसुवर्णमंगाय दोमासेवूकामोतीपाय तीनमाशेशंगरफफुनलीजै चारमाशेकालेमरचधरीजै आठमासेखपरीयाल्याय प्रथमगोमूत्रसोंशुद्धकराय फुनसवदारूखरलसुकरे तिहप्रमाणगोमाखनधरे तामोखरलनिंवूरसपाय वजनप्रमाणतिहखरलकराय जवतकचीकनताआरहे तबतकखरलअत्यंतकरवहे रत्तीअथवादोइपरमाण पीपलसहितसंगताहिमिलान खाइरोगिजीर्णज्वरजाय धातुविकारगर्मीनिरहाय संग्रहणीमूत्रकृच्छ्रअरु श्वास कासप्रदरइनरोगननास ॥ पुनः ॥ कडेआरीगिलोयसोंठसमआन काढादसदिनअजीरणहान॥ पुनः ॥ कचूरपित्तपापडसुंठआन नागरमोथाकटुकीजान कटेलीचिरायताकोसमलीजै जवकुटकरदोटंकधरीजै तिहकाढादोवषतसुपीय दिनजारांजीर्णविषमहरीय इहवैद्यविनोदग्रंथमहिकह्यो उदितसुकाढानामयहलह्यो ॥

॥ अथसर्वज्वरेघृततैलादिकमाह ॥

॥ चौपई ॥ गिलोयमंगायकल्करससिद्ध त्रिफलावावासाररससिद्ध मुनकेकल्करससिद्धजुहोय धमनीकरसिद्धतैलघृतजोय सर्वज्वरनमोजानप्रमाण भावप्रकाशमोकियोवखान ॥ अन्यच ॥ मघांपिप्पलामूलमंगावै चवकशुंठचित्रातिहपावै सैंधानूनसवपलपलजान औरपायतिहमाहिप्रमान दुग्धसेरतीनतिहडारै प्रस्थएकघृतपायसवारै सिद्धहोयघृतएतेगुणकरै प्लीहविष्मज्वरताछिनहरै क्षीरषटकघृतयाकोनाम बहुगुणकारकदेहीकाम ॥ अन्यच ॥ धमणीकंडियारीभषडाल्यावै दंथरभागदोमुत्थरपावै त्रायमाणपापडानिंवमंगावै जवासामूरकरणीसमपावै आठोगुणजलपायपकाय क्राथकरैतामोयहपाय पुष्करमूलकचूरअरुइमली मुनकामेदाआमलीसुभली कल्ककरैदुग्धहिफुनडार घृतसोंदोगुणकाथहिधार आंचधरैजववृतहीरहै सोघृतज्वरहिंकाससभदहै राजरोगशिरशूलचुकावै पसलीपीडसवनष्टकरावै॥ अन्यच ॥ वासानिंवगिलोयलेखासा पंचमूलत्रिफलासुजवासा मुलठीमुनकाकसीरभिडंगी कर्षकर्षवसुलेचंगी गोघृतप्रस्थमोंपायपकावै सोवृतवलअनुसारजुषावै सर्वप्रकारज्वरकोहरलेवे इहघृतसर्वज्वरहिहितसेवे वृद्धवासादिघृतयाकोनाम सर्वचिकित्साजानाहितकाम ॥ अन्यच ॥ मजीठपतीसवर्चमंगवाई लैंदेवदारुहरड़तिहपाइ हलदीकौडपलपलयहलेय द्रोणजलाहिमोकाढेलेय पादसेपरहैपुनिछान प्रस्थघृतहितिहपायपकान आर्द्रकहिंगुजवक्षारमिलावै पिपलीवासज्वीरदारुसुपावै सैंधासौंचलविडअरुसांवर समुद्रलूनपांचोकराहितवर एकएककर्षसवलेय पीसमहीनघृतपावैतेय सोघृतकफज्वरहरताजान वध्माहिडकीअरुचीहलमान गलग्रहपांडुप्रमेहअरुश्वास अर्शप्लीहअपस्मारफुनकास उदावर्तमंदाग्निनिवारै राजरोगकृमिकुष्टविडारै इनरोगनकोअमृतकरजान मंजिष्ठादिघृतकियोवखान ॥ अन्यच ॥ कुलत्थवेरफलत्रिफलाल्यावै दशमूलोदोदोपलपावै द्रोणजलहिमोकाढैपाय चतुर्थभागघृतप्रस्थमिलाय चवकसुंठअरुपिपलामूल चित्रामघाअरुपुषकरमूल सौंफआमलेहिंगुकचूर

उौरवस्तुलेसभसमकूर तुंबरुअर्कजढपतसिमंगाइ बर्चकिरायताजवांसापाइ मुत्थरककडसिंगीलेवै महूकीलेजढपाठासेवै कौडसुहांजनवावचीजान मालकंगुणीजुगहलदीठान कंडेयारीपटोलनिंबसो श्याय काहजबानमुचकंदसुपाय मदनोऊवाइहसमहीपावे प्रमानताहिआगेकहलावे कर्षकर्षप्रमान-अरुक्षार अर्द्धपलहिजुआनतिहडार पांचोलूनपलपलपरिमाण प्रस्थघृताहिमोताहिपकान सोघृतदी-पनहृदरोगानिवारै पलीहसंग्रहणीगुल्मविडारै श्वासअर्शजीर्णज्वरहरै कुलथादिघृतनामयहधरै ॥ अन्यच ॥ धमनीमजीठमुलठमंगाय कमलफूलपद्मकाष्टफुनपाय चंदनसमुद्रझगहलदीडारी नीलोत्पलवालाकु-टकरसारी तैलपकायफुनऔषधपावे दहीमलाईदूधमिलावे चौगुणपायतेलरहजाय एतेरोगहरतगुण-दाय वालपित्तजीर्णज्वरहरै वलादीतैलमर्दनसुखकरै ॥ अन्यच ॥ जाकोज्वरहिपुरातनहोय कफपि त्तजुगघटताजोय अग्निदढवररूक्षवद्धकोष्ट अनुवासनवस्तीहिततुष्ट चंदननीलोफरकसीरबर मुलठीलघुदंतीकीजढधर अश्वगंधकरषमात्रकुटछान कचेतोलआठसेरजलपान तैलपायपकायसवारै अनुवासनवस्तीहितधारै ज्वरफुनज्वरकृतवातनिवारै गुणीतैलइहकायसवारै ॥ अन्यच ॥ अमलतास खसराडमंगावै थंदरमुद्गपर्णीफुनपावै मुलठसूकरणीमाषपर्णी इनवरतूसमकाथसुकर्णी शेषरहैतौप्रयं-गुअरुराड मुत्थरमुलठीसोंफतिहगाढ इनवरतूकल्ककलेयवनाय तिसकरघृताहिंमरुीरपकाय तिहबस्ती-अतिहीहितकार वंगसैनसोजाहिविचार जोईश्वरहजारमुखधार उौरचराचरजगतरिथतिकार कर्ताह-तासर्वमनधरै ताहिस्तुतीसहस्रनामसोकरै इहज्वरसवहीकाहरधार श्रुतिस्मृतिमोनिश्चलसार-

॥ अथहरिद्रकज्वरलक्षणनिरूपनं ॥

॥ दोहरा ॥ हृदयमध्यकफवातपितज्वरउपजावैआय कंठसुकावैदाहतनपीतवर्णताछाय

॥ अथहरिद्रकरोगज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हरिद्रकतापचिकित्साभाषों जैसेंग्रंथलिखीत्योंआषों पक्कतापरेचनदेतास हृद्रकज्व-रकोहोएविनाश ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ हरडेमोथकिरायतालीजै वासामघांनिंबमुलहीजै द्राक्षगि-लोयपिप्पलामूल क्काथकरैसभलेसमतूल मधुमिलायपीवैपरभात पीतवर्णहृद्रकज्वरघात ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ वासापरपटमोथमंगाय निंबमूलकीछालसुपाय सौंफपद्माषगिलोयआनीजै धान्याककन्या-गिगिलषलीजै कौडरक्तचंदनपहिचान द्राक्षकिरायतासमकूटान प्रातहिक्काथकरैनितपीवै हृद्रकनाशै-अतिसुखथीवै ॥ अन्यच ॥ कौडकिरायताहलदीपावै निंत्रपटोलसारवाल्यावै इटसिटपावैअवरगि-लोय सभसमलेवैकूटैसोय पीवैक्काथनित्यनरनारि पीडातापहरिद्रकटारि ॥ अन्यच ॥ चंदनमु-त्थागिलोयमंगावै नेत्रमालपरपटछडपावै इटसिटसुंठीधनियांपाय कौडमूरवाषसजुमिलाय केतकिचं-वेलीकीजढआनै रक्तचंदनजहसभसमठानै ॥ दोहा ॥ करैजुक्काथवनायकैपीवैनित्यप्रभात हृद्रकज्वरकोना शहोइअरुनाशेसन्निपात ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ हरडपिप्पलीआनपतीस अरुकिरायतातामोपीस स-भयहऔषधएकसमान पीसछानकरगुटकाठान जलसौंवीरसमानवनावै प्रातसमयउठरोगीपावै तापहरिद्रकइहवैनाश रोगीतनमोसुखपरकाश ॥ अथसमस्तज्वरकोसुदर्शननामचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडआमलेसुंठीलीजै कौडमघांकंडचारीदीजै गिलोयमुलठीपुष्करमूर ककडशृंगीवरचकचूर शालिजुपरणीहलदमिलाय अगरथमांझंपरपटपाय कलौंजीलेमूवांत्रायमान लोचनवालाकोगडठान

लेतजपत्रपतीससुरदार मोथपटोलजवायनडार चित्रापीपलामूलमिलावो समऔषधएकत्रकरावो सभतेंअर्धकिरायताठान कूटपीससभकरोमिलान चूरणपीजैजलसोंप्रात बलअनुसारसमुझयहवात आठोज्वरततकालविनाशै दाहशोथतंद्राकोंनाशै कामलावातपांडुहतकरै त्रिषाशूलसन्नपातहिंहरै छर्दउवार्कोश्वासजुकास नाशहोंहिलषलीजैतास गंडगलग्रहहृदभारीजान एतेरोगकरैयहहान ॥ दोहा ॥ चक्रसुदर्शनज्योंहरिकरैदैत्यभयदूर त्योंहिसुदर्शनचूर्णयहकरैज्वरादिकचूर ज्वरनिदान-भाष्योंसकलकीनचिकित्सागान सन्निपातलक्षणयथाभाषोंसुनोसुजान

॥ अथज्वरकेदशउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ तृषा खांसी स्वास अरुहिचकी वमन मांस अतीसार अरुचकी बद्धकोष्ट अंगभेद मूर्छाइ इहज्वरउपद्रवदशविधगाइ

॥ अथउपद्रवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वरहोइअन्यरोगतिहसाथ सोज्वरदूरकरणहुसरात प्रथमहिताहिहनोअतिचातर पाछैज्वरहिचिकित्साअतिवर क्षुधातृषाज्वरइस्त्रीजान कासश्वासबेटेपरमान हिचकीवमनबेटीतिहदोय अतीसारज्वरभाईजोय अरुचिभेहनवद्धकोष्टभानजा अफारसुसरमूर्छांवांदीसा जोवलवानताहिकोहनै तोरोगहिकोंनिवृत्तताभनै .

॥ अथज्वरतृषायत्न ॥

॥ चौपे ॥ धनियांनागरमोथापित्तपापड वरइहमानकूटदोइदोटंकधर दिनसतकाढाकरजोपीय तृषादाहअतीसारहरलीय.

॥ अथज्वरखांसीयत्न ॥

॥ चौपई ॥ पीपलपीपलमूलसुंठवर भडंगीखैरसारबहेडाधर कटेलीअडूसाकुलंजनआन इहसमइकइकटंकपरमान काढासतदिनदेहुसुजान इसकाडेसोंज्वरखांसीहान

॥ अथज्वरस्वासयतन ॥

॥ चौपई ॥ मिरचपीपलीनागरमोथा ककडसिंगीभडंगीसमोथा पुष्करमूलसभीसमले टंकका-ढादिनसातकरे पीवैरोगीज्वरश्वासनरहै रोगजायरोगीसुखगहै

॥ अथज्वरहिचकीयत्तन ॥

॥ चौपई ॥ जलमेंपीससैंधानोनपाय नासदेयहिचकीमिटजाय पुनः मोरपंखकीराखजुकरै पीपलसहितामिलायसोवरै सातदिननमोंइहाविधकरै हिचकीवमनज्वरादिकहरै

॥ अथज्वरवमनयत्न ॥

॥ चोपई ॥ इकटंकगिलोकाढाकरदेय सहतामिलाज्वरवमनहरेय पुनः दोइरत्तीमाखिकीविष्टा सहत मिलाइवमनज्वरनष्टा पुनः चावलखीलपीपलीसहित चाटैछर्दीज्वरनारहित

॥ अथज्वरअतीसारयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सुंठपतीसलेनागरमोथा चिरायतागिलोकुडछालसमोथा जबकुटकाढाटंकदोइकरै सातदिनाज्वरअतीसारहरै पुनः पीपलपीपलामूलचव्यधर चित्रकसोंठवेलगिरीसमकर नागरमोथा चिरायताआन कोगडछालइंद्रजबमान लेसभकोसमजवकुटकरेय दोइटंककाढानितलेय अतीसा रमुखशोथअरुस्वास कासवमनतृषासबनास

॥ अथज्वरमूर्छायत्न ॥

॥ चौपई ॥ करंगुलगिरीअरुदाषमंगावे पित्तपापडाहरडछिलकापावे समइहदोइटंकपरमान काढादेमूर्छाहरजान

॥ अथज्वरमेंबद्धकोष्टयाअफाराहोयउस्कायत्न ॥

॥ चौपई ॥ सत्रूनलेयवातीबनवाय ताहिगुदाभीतरधरवाय बद्धकोष्टफुनअफाराहोय ततक्षणनास होइहैसोय

॥ अथज्वरमैजोमुखसूकेअरुजिह्वाहिरसहोएतिस्कायत्न ॥

॥ चौपई ॥ मिश्रीऔरअनाररसल्यावे ताकेकुरलेहितबतलावे अथबादाषअनाररसपाय कुरलीकरदु खसोषमिटाय

॥ अथज्वरमेंनिद्राजातिरहैउस्केआउनेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ आलुबुखाराएकमंगाय रत्तीएकतिसवंगरलाय सहतमिलायचाटैहितलाय निद्राआवै भूखलगजाय ॥ अतीसारसंग्रहणीजोहोय सोभीदूरहोयसुनसोय पुनः एकटांकपिपलामूलपिसाय गुड मेंखाइनिद्राबहुआय पुनः एरंडऔरअलसीकोतेल कांसकोथालीमोघसमेल अंजनकरैनिद्रातिहआय भावप्रकाशमतकह्योबनाय

॥ अथज्वरउत्तरगयाहोयउसकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ सबशरीरहौलाहोइवहै मस्तकखुर्कओष्टपपडीरहै इंद्रीसकलविषयश्रुतसाधै काहाविकारसब जातविषाधै शरीरमाहिपरसीनाआवै क्षुधालगैअरुछीकदरसावै मलप्रवृत्तहोवैदृढमान तबज्वरजात जानवुद्धवान जबतकबलनहिआवैकाय तबतकपथ्यसाधनाहितचाय मैथुनअरुव्यायामनहिकरै बोज उठानअतिभोजननहिवरै

॥ अथरसप्रकारनिरूपणम् ॥

दोहा रसप्रकारअबकहितहोंसुनलीजोचेतधार जैसेंवैद्यकशास्त्रमोंकोनोंभलैउचार अथसर्वैश्वरज्वरांकुशरस चौपई रसगंधकयवक्षारमंगावै सुहागासज्जीषरीमिलावै टंकटंकभरयहपीसाय वरचटंकछैपीसरलाय तीन टंकमीठापुनपावै करइककत्रपुनकूटपिसावैं आद्रकरससोंखरलकराय गुंजाभरगोलीबंधवाय गुटिकाएकज्व रीजोषावै नैतिकद्विति त्रितीज्वरजावै तापचतुर्थिककासजुस्वास क्षईछर्दपीनसकफनाश जायअरुचिजो- पथसोंरहै औषधसेवैसभज्वरदहै अथपित्तजएकांत्रज्वरकोज्वरांकुश चौपई चूनाकलीइकभागमंगावै ताके-

समहरतालमिलावे रसकुआरसोंषरलकरीजे टिकीसंपुटमांहिधरीजे लेपनकरगजपुटदेतास शीतलहोइ. सौलएनिकास तत्तनीरसोंरत्तीदोय प्रातसमयषावेजोसोय नैतिकत्रितीयचतुर्थिकजाय एतेज्वरतत कालमिटाय ज्वरनाशनयहजानसुजान वैद्यकशास्त्रनमोंपरिमान ॥ अन्यच ॥ पाराइकदोइगंधकलेय विष्मरचांत्रैत्रैसंगदेय तांबात्रैअभरकपुनचार सुहागात्रैजुभूनकरडार यामदोइनिंबूरसषाय विधिसों- ऐसेंषरलकराय रत्तीदोइमात्राठहरावे छालबहेडेमधुसोंषावे नैतिकदूजातीजाजाय ज्वरचातुर्थिक. जायविलाय कफषांसीसोहोइहैहान सुखउपजावेग्रंथप्रमान ॥ अन्यच ॥ मनछलएकटंकभरलीजे चूनाकलीदोटंकभनीजे नीलाथोथाटंकदोइपाय जलसोंपीसगुटिकावनवाय सोगुटिकाहांडीमोंकरे मुखलेपैअग्नीपरधरे चारघडीलौंअग्निदिवावे शीतलकरजातैंनिकसावे औषधदोइरतीपरिमान चार. टंकतकरअनुपान प्रातसमयनितषावेजोय दुग्धभातपथ्यलषसोय नैतिकद्वितीत्रितीज्वरजाय चातु. र्थिकज्वरजायनसाय अपनेमनमांनिश्चयठान रुद्रकह्योयहवचनप्रमान अथनागज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ मीठामघांजुपीपलमूल इकइकटंकलेहुसमतूल पायसुहागाटंकजुचार मरचसुंठपंचपंचडार आद्र. करससौतिन्हेभिगाय तीनदिवसलगयतनकराय निर्गुंडीभंगरारसपावे यामदोयलौंषरलकरावे गोली- चणकप्रमानकरीजैं पानपत्रसोंप्रातहिदीजें पथ्ययुक्तव्याधीजोरहै ज्वरदुःखमिटैपरमसुखलहै अथभै. रवरसज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ पाठाजाफलजावतिआन लौंगटांकटांकयहठान पीपलसुंठअकरकरा. दीय इन्हेंपायटंकदोदोय मरचांटंकचारलषपावे रसआद्रकसोंषरलकरावे गोलीचणकप्रमाणकरीजे व्याधीकोंनितप्रातहिदीजै शीतवातकफज्वरनरहाय अवरसर्वज्वरतनतैंजाय अथहुतासनरस ॥ चौपई ॥ सिंगरफमीठामरचांआन रोहूपित्तातामोठान निंबूरससोंषरलकरावे गोलीमूंगप्रमाणबंधावे प्रातहिगुट. काव्यधीषाय ज्वरशीतांगसन्निपातमिटाय षांसीधांसीदूरपलावे रोगरहितहोइनरसुखपावे अथरस. चिंतामणिज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ पारागंधकमरचसुपीपर स्वेतश्यामजीरेपुनसौंचर लोनसमुद्रअवराविड. सांभर यवक्षारसुहागालेसज्जीधर सिंगरफसुंठविषअकरकराय अभरकहाफूइकसमभाय कूटपीस- आद्रकरसपावे यामचारलगषरलकरावे गुटकापांचटंकभरठाने व्याधीषावेनित्यविहाने सन्निपात- ज्वरशूलमिटावे विष्मज्वरादिसभीज्वरधावे आममवेसीकफहोइनाश दुःखजायतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ रसगंधकइकटांकटांकभर त्रिकुटाकिरातधतूरबीजधर टाकदोयदोतामोपाय आद्रकर- ससोंषरलकराय प्रातअवरसंध्यालषपाय वातपित्तकफशीतमिटाय उदरव्याधसभहीज्वरजावे वैद्यकशास्त्र- प्रगटयोंगावे अथवज्रभज्वरांकुशरस चौपईपारागंधकविषयवक्ष्यार सज्जीअवरसुहागाडार इकइकटंकवस्तु यहलेय मरचांटांकअष्टभरदेय आद्रकरससोंषरलकराय गोलीमुंगप्रमाणबंधाय तुलसीदलसोंप्रातहि- षावे नैतिकआदिसभीज्वरजावे मूंगभातपथ्यसोंषाय दुःखमिटैतनसुखप्रगटाय ॥ अथशीतभंजीसि- द्धज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ शंखभस्मलेटंकअठारा अर्धभागहरतालउचारा नीलाथोथागंधकआन त्रै- त्रैटंकसुजानप्रमान इकइकदिनषरलपायरसकुआर सूकैटिकीकरैसुधार हस्तप्रमानगर्तलाय शी- तलकरवाहरनिकसाय गुंजाप्रमाणषंडसोंषावे दूधगावभत्तपथ्यधरावे नैतिकद्वितीत्रितीयज्वरजाय अ- रुज्वरशीतचतुर्थमिटाय सूक्ष्मज्वरकोनाशकरावे भारद्वाजयोंप्रगटसुनावे ॥ अथकनकसुंदरीरस ॥ चौ- पई ॥ मरचपीपलीसुंठमंगावे दीयजवायणलौंगमिलावे दोइदोटंकसभीयहआन टंकएकभरमीठा ठान नीरधतूरेषरलकरावे पहरएकलगमोंलषपावे सूकेचूरणकरधरजोय रत्तीएकषवावेसोय ज्वरशीतांग

करैयहनाश कफ़ज्वरकोभीङोएविनाश कनककसुंदरीरसुइहनाम शिवजूकह्योपरमसुखधाम ॥ अथलघुज्वरांकुशरस ॥ चौपई ॥ रसगंधकचित्राअरुनाग त्रिकुटातजपीसोसमभाग रसभंगरेसोंचणकप्रमान गोलीजलमिसरीसोंपान शीतांगआदितेरहिसनिपात श्वासकासशूलकरघात कफभ्रमवातचौरासीहरै सिद्धज्वरांकुशलखुसुखकरै ॥ अथमहाज्वरांकुशरस ॥ चौपई ॥ रसगंधकविषटंकदोइदो त्रिकुटातीनटंकधरसंगसो कनकबीजदोइटंकामिलावै सभइकठेकरपीसरलावै अडिल्यछंद रसआद्रककेसाथखरलसोकीजिये रसआद्रकसोंदोयगुंजाभरदीजिये वातपित्तकफतापअंगतेंजावही विष्मद्वितीयतृतीयचतुर्थिकनांरही सूक्ष्मज्वरअरुशीतउदरकीव्याधहर महाज्वरांकुशनामहरैदुःखपथ्यधर ॥ अन्यच ॥ कनकसुंदरीरस ॥ चौपई ॥ सिंगरफगंधकपिप्पलीआन मरचसुहागातामोठान मीठाकनकबीजपुनल्यावै समसमओषधपीसछनावै विजयारससेंगुटीबंधान मात्राचणकप्रमाणपछान गोलीतंडुलजलसोंपान अतीसारसंग्रहणीहान ॥ दोहा ॥ रसप्रकारभाष्योभलैंशास्त्रनकेअनुसार ॥ करैचिकित्सासमुझकैसोवैद्यचतुरसंसार ॥ इतिरसकृयाज्वरांकुशप्रकारसमाप्तम् ॥

॥ अथसर्वज्वरेदैवपायनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ दैवउपायवषानहौंसकलज्वरनपरिमाण औषधतैंरहजायजोइहउपायज्वरहान ॥ चौपई ॥ श्रीविष्णुसहस्रनामकोपाठ करैकरावैदृढकरहाठ अपामार्जनकोमार्जनकरै मृत्युंजयआदिजापअनुसरै स्वर्णरौप्यअन्नादिकदान गोमहिषादिदानदुःखहान अरुजिसग्रहकीपीडाहोय ताजपपूजाकरहैसोय अरुताग्रहहितदानकरावै इन्हैउपायनरोगामिटावै सकलरोगकोऔषधदान वेदस्मृतपुराणपरमाण हरिकोभजनश्रवणमनआनै विप्रसंतकीपूजाठानै पार्वतीसअनुचरोंकेसंग अरुमंत्रनयुतसहितउमंग शिवपूजनपार्थिवकरवावै रोगज्वरादिकक्षयहोइजावै ॥ दोहा ॥ दैवउपायवषानयोंबंगसेनअनुसार रोगसमस्तानिवर्तकरयहनिश्चयमनधार ॥ इतिदैवउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथनक्षत्रविचारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहौंनक्षत्रविचारकोंज्वरप्रविसेजिन्हमांहि तिन्हकेफलआगेसुनोकष्टावालिकाहिंगाहि ॥ चौपई ॥ प्रविशेज्वरजुधनिष्टामांहि दशादिनतकज्वररहियोंगांहि षटदिनवाद्वादशदिनजानो ज्वरतेंमुक्तहोइयोंमानो जोशतभिषमोंज्वरपरवेश षट्द्वादशदिनरहैकलेश भाद्रपदाभीइसीप्रकार षटद्वादशदिनकीनउचार परइसमोंइकविवरोअहै पूर्वाकोफलमरणोंकहै जोउत्तरामोंज्वरहोएप्रवेश सार्धचतुर्दशदिनजुकलेश जोरेवतिमोंज्वरसंचार चारदिवसवाअष्टविकार जोअश्विनीमोंज्वरसंचरै षटादिनलोंनरदुःखकोंधरै जोभरणीमोंज्वरप्रगटावै पांचदिनालोंमृत्युकरावै जोकृतिकामोंज्वरप्रगटाय सप्तदिवसलगसोदुःखदाय सप्तमदिनलगदूरनहोय दिनइक्कीसरहैज्वरसोय जोइक्कीसादिननमंझार होइनदूरजोतापविकार दिनपंतालीसोंउपरंत निश्चैमरैसोरोगीजंत जोरोहिणिमोंज्वरपरवेश यारांवादिनअष्टकलेश जोमृगशिरमोंज्वरसंचार षटवादसदिनरहैविकार आर्द्रामोंजोज्वरसंचरै उपरंतपंचादिनमृत्युसुकरै इसउपरंतजुजीवतरहै संसामरणात्रिपक्षमोंगहै पुनर्वसुमोंजोज्वरप्रगटावै दिवसत्रयोदशज्वरमिटजावै इसउपरंततापजोरहै दिवससताईमोंसुखगहै पुष्यनक्षत्रहिंज्वरप्रगटावै तीनरात्रिवासप्तरहावै श्लेषामोंजोज्वरआभासै दीर्घकालकरनरहिंविनाशै मघांवीचजोज्वरसंचरै द्वादशदिनमृत्युसोकरै जोद्वादश-

दिनलगनरजीवै तौनमरैंश्रैलैलषलीवै जोपूर्वाफाल्गुनिमंझार जिहनरकोंज्वरकरसंचार दुःखरहैद-शरात्रिपर्यंन सुखउपजैताते उपरंत जोउत्तराफालगुनिज्वरआवै आठवानवइकविंशरहावै हस्तनक्ष-त्रमांहिज्वरजानै उपरंतसप्तदिनसुखकोंमानै चित्रामोंदिनअष्टप्रमान जौनजायपुनचित्राजान स्वाती-मोंजोज्वरप्रगटावै दशादिनरात्रिपर्यंतरहावै जोउपरंतरहैयोंमान तीनपक्षमोंहोइज्वरहान विशाखा-मोंजाकोंज्वरआवै दिनइकीसमोंमृत्युकरावै अनुराधामोंज्वरसंचरै अष्टमदिनलौंज्वरनरवरै जोदिन-आठउपरदुःखधरै ताकोवैद्यउपायनकरै सोरोगीअवश्यकरमरै यहनिश्चयनिजमनमोंधरै ज्येष्ठामोंदि-नपांचप्रमाण रोगीमरैनहोइकल्यान याहीतैउपरंतजुरहै दिनद्वादशमोंआनंदलहैं मूलामोंजोज्वरप्र-गटावे दिनदशरहैंसुयोंलषपावै दशदिनवीचनहोवेहान दिनइकीसउपरंतसुखमान पूर्वाषाढा-मोंज्वरजास नवदिनलौंमिरयादातास उत्तराषाढामोंज्वरजाहि एकमासदिननवदुःखताहि श्रवणवि-षैदिनआठप्रमाण ताउपरंतहोइकल्याण ॥ दोहा ॥ प्रथमनक्षत्रविचारलैवैद्यजुवुद्धिउदार पाछैराजा-दिकनकोंसमुझकरैउपचार ॥ इतिज्वरप्रवेशनक्षत्रदिनसंख्यासमाप्तम् ॥

॥ अथसमस्तनक्षत्रेज्वरप्रवेशउपायनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरप्रवेशाजिहजिहनक्षत्रमों तिन्हतिन्हकोउपचार भाषसुनावोंसमुझकैबंगसेनअनु-सार ॥ चौपई ॥ धनिष्टामोंउत्पन्नज्वरजोय समंत्रउदुंबरहोमेसोय शतभिषमोंउत्पतज्वरजानै समं-त्रहवनजलपुष्पजुठानै पूर्वाभाद्रपदाजुमंझार समंत्रहवनशालीभतधार उत्तराभाद्रपदाज्वरमानै हवनस-मंत्रसघृतभतठानै रेवतिमोंज्वरजबलषपरै सखंडफलनकोहवनसुकरै अश्विनीवीचतापतनजाहि मामिधांखीरवृष्यहितताहि भरणीमध्यजुज्वरसंचरै काचेचावलहवनसुकरै कृतिकामोजोज्वरहोइजास केवलदधीहोमैहिततास रोहिणीमध्यजुज्वरप्रवेश सर्वबीजहोमैउद्देश मृगशिरमोंजोज्वरलषपावै पा-यसहोमसमंत्रकरावै आर्द्रामोतिलतंडुलजान होमकरैयुतमंत्रप्रमान पुनर्वसुमोंजोज्वरप्रकाश तंडुल-हवनकरैहिततास पुष्यविषैघृतक्षीरमिलाय हवनसमंत्राकरैचितलाय श्लेषामोंजोज्वरप्रगटावै सर्वौष-धजोहवनकरावै ॥ सर्बौषधनाम ॥ कुठमांसीहलदीदोइजान मधांवचमुस्थरलुहरिमान ॥ अन्यप्रका-रसर्वौषधि ॥ छडगुर्डानखवचाकुठमान बालारजनीदोनोजान कचूरचंबुकमुथूछलीरापावै सर्वौषधमु निजनहिवतावै मघाविषैशालितंडुलजानै अक्षतपूर्वाफालगुनिमानै उत्तराफालगुणीमंझार घृततंडुल-होमैहितधार हस्तमांहिदधिहवनकरावै चित्रामोपयमधुहोमावै स्वातीमोंजोज्वरलषलीजै घृतगुडतं-डुलहवनकरीजै विशाखामोंयवकोटाजान अनुराधामोंमसुरप्रमान ज्येष्ठामोजोज्वरलषपैये पीतपु-ष्पवाम्रर्णहोमैये मूलामोंत्रविसेज्वरआय मूलीहवनसमंत्रकराय पूर्वाषाढामोंज्वरजानै वासमतीको-हवनसुठानै उत्तराषाढामोंज्वरहोय रूपाहवनकरावैसोय तासअभावपुष्पसितजानै यथासमरथहव-नकोंठानै श्रवणविषैजाकोंज्वरहोय सर्वरत्नहोमैनरसोय तदअभावमोंतंडुलजान कष्टावालियोंकीन-बषान ॥ अथमृत्युयोगः ॥ चौपई ॥ श्लेषाआर्द्रापूर्वातीन विशाखाकृतकाज्येष्ठाचीन धनिष्टाशतभि-षाभरणीजान मंगलशनिरविवारपछान चतुर्थीषष्ठीद्वादशीजोय नवमीयोगयहदिनतपहोय मृत्युयो-गताकोंपहिचानो रोगीमरैनसंशामानो ॥ दोहा ॥ नक्षत्रविचारकह्योभलैंबंगसेनअनुसार करैचिकि-त्सातमुझयहतासाचीकरैसासार ॥

॥ अथज्वररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरकेपथ्यापथ्यसभभाष्योंभलीप्रकार रुग्मुझाचिकित्साजोकरैतहांनहोयविकार

॥ अथनवीनज्वरेपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ बमनअवरलंघनपहिचानो मांडपानप्रस्वेदहिमानो कटुअरुतीक्षणइसकोंखावै ज्वरनवीन केपथ्यलषावै ॥ अथनवीनज्वरेअपथ्यमाह ॥ चौपई ॥ स्नानविरेचनऔषधकाथ सरद वस्तुस्वादिकलहुगाथ व्यायामअरुतनवुटणाजानो दिनमांनिद्राभ्रमणपछानो क्रोधअवरतनपवनल गावन मद्यपानगुरुवस्तूषावन मांसदुग्धघृततक्रमठाय बहुभोजनसुअपथ्यलषाय ॥ दोहा ॥ ज्वरन वीनकेपथअपथभाषैभलैंबनाय मध्यज्वरीकेकहितहोंसुनहोमनचितलाय

॥ अथमध्यज्वरेपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ बासमतीअरुसठीदोऊ यहतंडुलजुपुरातनहोऊ अरुवृंताकसुहांजणजाण करैलेपटौ लककोडेमान मुंगमोिठमसुरअरुचणै अवरकुलत्थनकोरसगणै इन्हसभकोरसद्राक्षअनार द्रावक शाकहरीडविचार यहसभमध्यज्वरीकेपथ्य इन्हतैंवाहिरसकलकुपथ्य ॥ दोहा ॥ मध्यज्वरी केपथअपथभाषेभलीप्रकार पथ्यपुरातनतापकेकहोंसुनोंचितधार

॥ अथपुरातनज्वरेपथ्यम् ॥

॥ चौपई ॥ रेचछर्दअंजननसवार रुधिरनिकासनहरडविचार तैलाभ्यंगतनवुटणाधरै नाडेकोज लपानसुकरै एरंडतैलमलावैदेह सितचंदनपापडालषेह लवावटेरातीतरमोर कुकुटहरणपुनलहो चकोर इन्हसभनकेकहैजुमास पुरातनज्वरकेपथलषतास चंद्रचांदनीजानसुजान इस्त्रीकंठलगनप थमान गौबकरीकोपयघृतमानै जीरणज्वरकेपथ्यपछानै इन्हतैंअवरवस्तुजोहोय जीर्णज्वरैअपथक हैसोय ॥ दोहा ॥ जीरणज्वरकेपथ्यसभअरुअपथ्यानिरधार सन्निपातज्वरकेकहोंपथ्यापथ्यविचार

॥ अथसान्निपातज्वरेपथ्यम्

॥ चौपई ॥ आमवातकफहरजोलहिये सन्निपातमोंपथ्यसुकहिये गंडूषअवरअंजननसवार हृदि शोधनपुनकीनउचार खेतकुलत्थमहीनापिसावै सोबहुताकेअंगमलावै हस्तपादकंठउरमांहि मस्तक अवरकपोलमलांहि सन्निपातामेंलंघनपथ्य शीतलजलअरुअन्नअपथ्य ॥ दोहा ॥ सन्निपात केपथअपथभाषेग्रंथनिहार अवरहुंवहुतेज्वरनकेअवसुनकरोंउचार ॥

॥ अथवहुज्वरेपथ्यापथ्यम् ॥

॥ चौपई ॥ षेदहुतेंजोतनज्वरहोय तैलमलनवुटणापथसोय व्रणजक्षतजज्वरजातनलहिमे व्र णक्ष्यतकोउपायपथकहिये कुट्यादिकवस्तुगंधकरजोय ज्वरनरतनमोंउपजतहोय पित्तशांतिपथ्यतिसजा नो अवरप्रकारनमनमोंआनो अरुअभिचारशापतैंजोय नरकेतनज्वरउतपतहोय दानहवनजपतपप थमानो अवरभावनाहितउरठाना जोग्रहपीडाउतपातनतैं प्रगटहोइज्वरजाकेतनमैं ताग्रहपूजनपाठ करावै जपकरवावैदानादेवावै यहीपथ्यताकोपहिचान करेजुनाहिअपथ्यसोऊमान जोवहुक्रोधहुतैंज्व

रहोय पित्तहरनवस्तूपथसोय अवरहुंहितआचारणसुपथ्य भखिमहुसथ्यनकरेकुपथ्य कामशोक-भयतेंज्वरहोय वातहरनवस्तूपथसोय अवरादिलासाहर्षबढावै कामादिकज्वरकेपथगावै ज्वरभूतादि-डाकिनीजोय जौआवेतनउत्पतहोय ताकौबंधनताडिनपथ्य लिख्योशास्त्रमोंयहबिधितथ्य मनके क्षोभहुतेंज्वरजोय उपदेशजुसंतशास्त्रपथसोय सर्वज्वरनकोपथ्यबताए जैसेंशास्त्रनतैंलखपाए विष्णुस-हस्रनामकोपाठ करेसुनैकरबावैहाठ देवपित्रगुरुबाह्मणजजै मंगलाचरणनारायणभजै यहसभज्वर-कोपथ्यपछान अवरपथ्यनाइन्हेसमान सभरोगनकोपथहरिनाम अवरदानधारोउरधाम ॥

॥ अथज्वरवेगसमयकेअपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वेगज्वरनकेमध्यमेंकहोंअपथ्यविचार सोकबहूंनहिचाहिएसुनहोवुद्धिउदार

॥ चौपई ॥ रक्तपुष्पकीमालाजान रक्तवस्त्रपुनलर्षोसुजान अतिभोजनअरुदांतनलहिये अमल जुपत्रशाकपुनकहिये बमनअवरशीतलजलपान हिंदवाणाकेलापहिचान अरुतांबूलभक्षणसुनलेहु ज्वर केवेगअपथ्यसुएहु ॥

॥ अथज्वरमुक्तअपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरकेमुक्तहूयेंहूयेंजेऊअपथ्यजुमान तिन्हसभहींकोंकहितहोंसमजोपुरुषसुजान

॥ चौपई ॥ इस्त्रीसंगश्रमणइसनान अतिभोजनव्यायामपछान जबलगबलआवैनहिदेह तबल गतजैअपथ्यजुएह ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यसभज्वरनकेभाषेभलीप्रकार पथ्यगहैत्यागैअपथसोसुखिया संसार ॥ इतिसमस्तज्वररोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ निदानचिकित्साज्वरनकीअरुस मस्तसन्निपात विचारनक्षत्रपथअपथसभीभलैंकीनविख्यात ॥

॥ अथकर्मविपाकउपायज्वरको ॥

॥ चौपई ॥ जौनरपूर्वजन्महोइक्रूर नीचकर्मदुराचारमतिपूर तिंहसंततिज्वरकरैप्रहार तासउपाय करोउपचार ॥

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ जातवेदकामंत्रपरधान अष्टोत्तरजपकरेसुजान फूलहजारकलशजलधरै सोजलशंभुजलै रीधरै इसीमंत्रबह्मभोजकराय यथाशक्तपुनदानदिवाय कलसमध्यमांसीअरुऔषध पाइताहिजलकरैस्नानबिध

॥ अथज्योतिषज्वरको ॥

॥ दोहा ॥ देवगुरूकीदशामोंबुधजोकरैप्रवेश अथवानिसिपतदशामोकेतूकरेनिवेश सूर्यपडैजानी. चघरअथवाचंदपडजाय तौप्राणीकोंरोगज्वरसदारहैलपटाय सूरजनीचउपायइहआकृष्णमंत्रकरजाप मुंगाअथवामणीकोअंगधारहरपाप मनशिलालाचीमुलठकेसरखससदियार कमलबीजफुनपुष्पवरकर स्नानज्वरटार दधिसुतनीचउपायहपलासकाष्टकरहोम मोतीरजतधरअंगमोमंत्रजापकरसोम चंद-नीचमेंस्नानपहपंचगव्यअरुसीप कुमुदछालअरुफटिकर्सोमजलकरैसमीप गऊदानसूरजप्रतीचंदचांदी-डारखमान सोप्राणीज्वरमुकहैसंतापसदूरपछान ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ अथसन्निपाततथासंततज्वरेकर्मविपाक ॥

चौपई ॥ जौनरदाहसीतज्वरवरै अथवासन्नपातज्वरधरै असेज्वरकरपीडतहोय तासउपायकहोहितसोय

॥ अथउपाय ॥

॥ चोपई ॥ कुंभरत्रयंचांदीवाषीतल यथाशक्तमृतिकाकरनिश्चल सोकुंभउचितमीतसोंकरै तंदुल-पांचद्रोणपरधरै घृतअथवाखंडगुडसोंभरै वामक्षीरदधीतिलकरै यथाशक्तबलपूरणकरताहि तिहकुंभ-पुष्पमालापहिराहि श्वेतगंधकरलेपनकरै पूर्वमंत्रसोंहवनचरुकरै भुतशूलायमंत्रसनमान विधिविधान-पूजनजपदान यथाशककंचनकरदान शिवनिमित्तइहकरैमहान इहविधिसर्वज्वरनकोहरै सन्निपातनैतिक ज्वरटरै द्वितीयतृतीयचातुर्थिकहोय पक्षकमासकहनेज्वरसोय ॥ दोहा ॥ ज्वररुजसबवरननकियोकार-णसहितउपाय उदररोगवरननकरोंसोसुनियेचितलाय ॥

॥ अथज्योतिषसन्नपातको ॥

॥ दोहा ॥ जोकेतूअंतरदशावुधपडेगोआय अथवाशानिकीदशामोराहुदशापडजाय तौवुधकर-पीडावरैजपवुधमंत्रमहान पुटकंडेकोकाष्ठलेहवनस्वर्णकरदान गोअक्षतफलगोरोचनासिपीस्वर्णमक्षीर शतावरकलसमोडारकरस्नानकरैमातिधार जोराहूकरपीडावरैकयानमंत्रजपसार दूर्वासोंअतिघज्ञकरदूधवि-प्रमनधार सुर्मालोधरधंमानिकालेतिलसोइआन घनमुत्थरधान्यखीलले५ाइकरेइस्नान नीलमपहरेअंगमोस-नपातज्वरजाय औरअंतरेजोलिखेसबहीतापनसाय ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ श्रीनृसिंहयंत्रधारणेनभूतज्वरशांतिः
बीजंसाध्यसमन्वितं तंप्रविलिखेन्मध्येष्टपत्रे
ह्लिप्यावहिर्वेष्टयेत् बाह्येकोणगवीज
हामयरिपुप्रध्वंसनंश्रीपदंयंत्रप्रकाशोयथा
भिधास्येविधिवन्नारसिंहंमहाहनुंउग्रं
पदमाभाष्यसर्वतोमुखमीरयेत्न्टासिंहंभीषणं
कोमंत्रोद्वात्रिंशदक्षरः मंत्रप्रकाशोयथाउग्रंवीरं
भीषणंभद्रंमृत्युमृत्युंनमाम्यहं ऋषिर्ब्रह्मासमुद्दिष्टछंदो
रासुरनमस्कृतःचतुर्भिहृदयंवर्णैशिरस्तावद्भिरीरितं
तावद्भिर्नयनंप्रोक्तमस्त्रंस्थारकरणाक्षरैःशिरोलल
गलेपार्श्वद्वयेपुनःअपरांगककुदिचन्यसेद्द
निजनुत्रासंत्रस्तरक्षोगणंजानुन्यस्तकरद्वयं
क्रमनिशंदंष्ट्रोग्रवक्त्रोल्लसज्वालाजिन्हमुद
क्षंजयेन्मंत्रतत्सहस्रंघृताक्तैःपायसान्नैः
भवेन्मंत्रोसिद्धिमंत्रप्रतापवानह्नि किंच
शांतिःतथाचोक्तंशारदातिलकेषोडशपटले
स्मृतःतन्मंत्रमप्युक्तंतत्रैव क्षकारोवन्हिमारूढोम

॥ तथाचोक्तं शारदातिलकेषोडशपटले
यथोमंत्राणांनश्रुतिशोविभज्यविलिखे
वद्ववसु.धागेहद्वयेनावृतं यंत्रंक्षुद्रविषघ्न
इतिकिंच नरसिंहमंत्रोद्धारोयथाअथा
वीरंवदेत्पूर्वमहाविष्णुमनंतरंज्वलंतं
भद्रंमृत्युमृत्युंवदेत्ततः नमाम्यहमयंप्रो
महाविष्णुंज्वलंतंसर्वतोमुखंन्टासिंहं
नुष्टुप्उदाहृतम् देवतानरसिंहोस्यसु
शिष्टाष्टभिःसमादिष्टाषडि.कवचमीरितं
नेत्राणुमुखबाह्वंघ्रिसंधिषु साग्रेषुकुक्षौहृदये
र्णान्यथाक्रमात् माणिक्याद्रिसमप्रभं
त्रिनयनंरत्नोज्ज्वलद्भूषणंबाहुभ्यांधृतशंखच
ग्रकेशनिचयंवंदेनृसिंहंविभुं वर्णल
प्रजुहुयाद्विधिवत्पूतेनले एवंकृते
श्रीनृसिंहमंत्रलक्षजपेनभूतज्वर
विशेषात्क्षुद्रभूतादिनाशनायमनु:
नुस्वारसमन्वितः विंदुतारलसन्मूर्द्ध

श्रींबीजंनरहरीविंदुःबीजंनमोभगवतेनरसिंहायतत्परं स्याज्वालामालिनेपश्चाद्दीप्तदंष्ट्रायतत्परं अग्निनेत्रायसर्वां

उग्रंवीरंमहा
विष्णुंज्वलं
तंसर्वतोमु
खंनृसिंहं
भषिणंभ
द्रंमृत्यु
मृत्यु
नमा
म्यहं

दिरक्षोघ्नायपदंत्रदेत् सर्वभूतविनाशांतेनकारोदीर्घमान्मरुः सर्वज्वरविनाशांतेनायांतौदहयुग्मकम् एषद्व-यंरक्षयुगंहुंफट्स्वाहाध्रुवादिकः अष्टाषष्टाक्षरैःप्रोक्तोज्वालामालीमहामनुः क्षकारःवन्हिरेफमारूढः मनुस्वरेणचतुर्दशस्वरेणऔकारेणसमान्वितःतेनक्ष्रौइतिभवति बिंदुतारेणमूर्धियुतःतेनक्ष्रौंइतिबीजं इदमेवनमोभगवतेनरसिंहायइतिज्वालामालिनेपश्चाद्दीप्तदंष्ट्राय इतिचस्फुटंअग्निनेत्रायइत्यपिस्फुटंसर्व इतिआदौयस्यतथाविधंरक्षोघ्नायइतिपदंसर्वभूतविनाश इत्यतोनकारःततोमरुनइकारःदीर्घमान नेनहइतिसर्वज्वरविनाशइत्यन्नेनायइति अतोदहयुग्मंदहदहइति पचद्वयंपचपचइति रक्षयुगंरक्षरक्षइति हुंफट्स्वाहाइतिस्फुटंअयंमंत्रोध्रुवादिकः ॥ मंत्रप्रकाशोयथा ॥ ॐक्ष्रौंनमोभगवतेनरसिंहायज्वालामालिनेदीप्तदंष्ट्रायअग्निनेत्रायसर्वरक्षोघ्नायसर्वभूतविनाशाय ज्वरविनाशायदहदहपचपचरक्षहूंफट्स्वाहा हत्रयोदशभिःप्रोक्तंशिरोदशाभिरीरितं शिखैकादसभिर्वर्णैर्वर्णोष्टादशभिर्मतं वर्णैर्द्वादशभिर्नेत्रमस्त्रंस्यात्करणाक्षरैः एवमंत्रानिविन्यस्यचिंतयेन्मंत्रदेवता उज्वलन्प्रलयानलाभयुग्मनेत्रमनारतंभास्वरांशिखिनः शिखाभिरुदग्रदंष्ट्रमुखांबुजं रक्षसांभइदंकीर्णसटाकलापविभीषणं शंखचक्रकृपाणखेटकधारिणंनृहरिंभजे लक्षमेकंजपेन्मंत्रंतद्दशांशंसमाहितः कपिलाज्येनजुहुयात्समिद्धेहव्यवाहनेइति ॥ किंच श्रीनृसिंहचक्रंलिखित्वा ॥ तत्रभूतातुरसंस्थापनतन्मंत्रजपाभ्यांभूतज्वरशांतिः ॥ तथाचोक्तंशारदातिलकेषोडशेपटले ॥ नृसिंहशक्तिबीजे द्वेशूलतारगतोलिखेत् तत्रागृहार्तसंस्थाप्यजपेन्मंत्रंषडक्षरं आविश्यसद्यस्तंमुंचेत्ग्रहःक्रंदनभयाकुलःमंत्रःपूर्वोक्तएव ॥ इति ॥

॥ अथदुर्गायंत्रमंत्र ॥

महालक्ष्मीमंत्रसहस्राभिमंत्रितकलशाभिषेकेनभूतज्वरशांतिः तथाचोक्तंशारदातिलकेष्टमेपटले महारोगेषुजातेषुकृत्याद्रोहेषुदैशिकः भूतेषुदुर्निमित्तादौविदध्यादभिषेचनं ॥ तन्मंत्रोद्धारंयथा ॥ वाग्भवंशंभुवनितारमामकरकेतनः तार्तीयंचजगत्पार्श्वोवन्हिवीजसमुज्वलः अर्घीशाढ्योभृगुस्त्यैदून्मंत्रोयंद्वादशाक्षरः वाग्भवंऐंशम्भुवनिताह्रींरमाश्रींमकरकेतनः क्लींतार्तीयंसौःजगत्स्फुटंपार्श्वपकारः वन्हिवीजेनसहितः तेनप्र इति भृगुःसकारःअर्धीशाद्यःऊकारःतेनसहितःसूइतिभवति त्यैइतिस्फुटं हन्मनुःनम इति अयंमनुःतारायःतारःॐकारःआद्यस्येति महालक्ष्म्यासमुद्दिष्टस्ताराद्यः सर्वसिद्धिदः ॥ मंत्रप्रकाशोयथा ॥ ॐऐंह्रींश्रींक्लींसौःजगत्प्रसूत्यैनमः ऋषिर्ब्रह्मासमुद्दिष्टछंदोगायत्रमीरितं देवताजगतामादिमहालक्ष्मीः रमीरिना हस्तौसंशाव्यमंत्रेणताराादिहृदयांतकं वीजानांपंचकंन्यस्येदंगुलीषुयथाक्रमं मंत्रशेषंन्यसेन्मंत्रीतलयोरुभयोरपि मूर्द्धादिचरणंयावन्मंत्रेणव्यापकंन्यसेत् मूर्द्धाक्षिवक्षोगुह्यांघ्रोपंचवीजानिविन्यसेत् शेषान्यसेत्समवर्णान्हृदयेसप्तधातुषु अंगानिपंचभिर्वीजैरस्त्रंशिष्टाक्षरैर्भवेत् ज्ञानैश्वर्यादिभिर्युक्तैश्चतुर्थ्यंतैः सजातिभिः ज्ञानमैश्वर्यशक्तीचवलवीर्येसतेजसी ज्ञानैश्वर्यादयः प्रोक्ताषटक्रमादंगयोजिताः एवंन्यस्तशरीरोसौरमेद्युद्यानमद्भुतं चंपकाशोकपुन्नागपाटलैरुपशोभितं ॐवालार्कद्युतिमिंदुखंडविलसत्कोटीरहारोज्वलां रत्नाकल्पविभूषितांकुचनतांशालेः करैर्मंजरीम् पद्मांकौस्तभरत्नमध्यविरतंसंविभ्रतींसास्मितां फुल्लांभोजविलोचनत्रययुतांध्यायेन्परामंबिकाम् ॥ अथकलशाभिषेकविधिः ॥ कृत्वानवपदात्मानंमंडलंयंत्रभूषितं अभिषेकंप्रकुर्वीतविधिनासर्वसिद्धिये कलशान्स्थापयेतेषुपदेषुशुभलक्षणान् चंदनालिप्तसर्वांगांदूर्वाक्षतसमन्वितान् दुकूलवेष्ठितानेतान्पूरयेत्तीर्थवारिभिः मध्यकुंभेक्षिपेत्यंत्रायेदेशिकोत्तमः चंदनोशीरकर्पूर-

जातिकंकोलकुंकुमं कुष्ठागुरुतमालैलायुतंसंपिष्पभागतः विलोडचसर्वकुंभेषुरत्नान्यापिविनिक्षिपेत् लक्ष्मीदूर्वामहाभद्रामहादेवींमधुव्रता मुसलीशक्रवल्लीचक्रांतापामार्गपत्रकं प्रियंगुमुद्गगोधूमव्रीहिश्चसतिलान्यवान् शालीतंडुलमाषांश्चप्रक्षाल्यैतेषुनिक्षिपेत् धात्रीलकुचविल्वानांकदलीनारिकेलयोः फलान्यपिविनिक्षिप्यपुष्पाण्येतानिविन्यसेत् पद्मसौगंधिकंजातिमल्लिकांवकुलंतथा चंपकाशोकपुन्नागतुलसीकेशकोद्भवं पल्लवानिवटाश्वत्थल्पक्षोदुंवरशाखिनां ब्रह्मकूर्चंचनिक्षिप्यचषकैः सफलाक्षतैः विधायकुंभवक्त्राणिक्षौमैराच्छादयेततः आवाह्यमध्यकलशेमहालक्ष्मींप्रपूजयेत् यजेदुमाद्याशिष्टेषुकलशेष्वष्टसुक्रमात् गंधैर्मनोहरैः पुष्पैर्धूपदीपसमन्वितैः निवेद्यभक्ष्यभोज्यानितान्स्पृष्ठाप्रजपेन्मनुं त्रिसहस्रंजपस्यांतेसाध्यमानीयसंयुतं संस्थाप्यस्थंडिलेपीठंतस्मिंस्तंविनिवेशयेत् रम्यैराभरणैर्वस्त्रैरलंकृत्यतमादरात् सुमंगलाभिर्मालाभिःक्षिप्तपुष्पाक्षतान्वितं अर्चितानांद्विजातीनांआशीर्वादपुरःसुरं नदत्सुपंचवाद्येषुमुहूर्तेशोभनेसुधीः मध्यस्थंकुंभमुद्धृत्यमहालक्ष्मीमनुस्मरन् अभिषिंचेत्क्रमादन्यैःकलशैरपिदैशिकः करेणास्यशिरःस्पृष्टःप्रयुंजीताशिषंगुरुः भद्रमस्तुशिवंचास्तुमहालक्ष्मीःप्रसीदतु रक्षंतुत्वासदादेवाःसंपदःसंतुसर्वदा- अथोत्थायाभिषेचकःसवासांसिपरिधायच यथाविधिसमाचम्यप्रणमेदंडवद्गुरुं वस्त्रैराभरणैर्धान्यैर्धनैर्गोमहिषादिभिः दासीदासैश्चविधिवत्तोषयेद्देवताधियः ब्राह्मणान्भोजयेत्पश्चाद्दिनांधरूपणैःसह तदारुतार्थमात्मा-

नंमन्यतेनुद्विजोत्तमः ॥ इति किंच श्रीदुर्गायंत्रधारणेन भूतज्यरशांतिः ॥ तथाचोक्तंशारदातिलकेएकादशेपट-ळेमध्यतारेबीजमंतस्थसाध्यंपत्रेष्वष्टौमंत्रवर्णान्विलिख्य त्रिष्टुब्वीतंवेष्टितंमातृकार्णैर्यंत्रंदौर्गंभूपुरस्थंविदध्या-त् क्षुद्रभूतमहारोगचौरसर्पनिवारणम् यंत्रप्रकाशोयथा ॥ दुर्गायंत्रधारणेनभूतज्वरशांति ॥ कार्त्तवीर्यार्जुन-कवचस्मरणेनभूतज्वरशांति श्रीनृसिंहयंत्रधारणेनभूतज्वरशांति श्रीपशुपतिमंत्रायुतद्वितयेजपेनभूतज्वरशां-ति प्रत्यंगिरीपाठोभवाजलसेचनेनभूतज्वरशांति नरसिंहमंत्राभिमंत्रितकलशजलसेचनेनवग्रहज्वरशां-ति दुर्गामंत्रस्मरणेनग्रहज्वरशांति हनुमन्मंत्रमष्टोत्तरशतजपेनविष्मज्वशांति वासवंज्वराशांति मृत्युंजयमं-त्रजपपाठेनाविष्मज्वरशांति सूर्यकवचपाठेनसर्वज्वरशांति अपामार्जनस्तोत्रपाठेनसर्वज्वरशांति

॥ अथान्यप्रकारज्वराधिकारकथनं ॥

॥ चौपई ॥ तापनामज्वरकहिएसोई हुंमानामफारसीहोई यूनानीनउोभेदकाजांनो लक्षणआगेभिनवखांनो हुंमायोमनामइकहोई दिवसतींनलगआवतसोई कईवैद्यदिनछेइवतावत निश्चेतापआपहटजावत दूसरहुंमादिक्कहावे धातुगतहोदेहसुकावे तीसरहुंमागिबजोहोई तृतीयपित्तज्वरकहिएसोई चौथाहुंमावलगमकहिए कफकाकोपताहुमेंलहिए पंचमहुंमामतवकहोई रुधिरदोषकरमांनोसोइ छेइमुरकबहुंमाकहिए द्वंदजदोषताहुमेंलहिए सप्तमहुंमारुबकहावे चातुर्थिकवातकोपकरआवे हुंमामोरकअष्टमजानो रहेवेगअतिपित्तपछांनो नवमासतरूलगिबकहावे द्वंदजकफअरुपित्तदिखावे तीसरदिनमेजोरपछांनो लक्षणनउोभेदकेमांनो उनतालीभेदऊोरमतमांने नउोभेदजोआदवखांने संन्निपात.केतेरांकहिए अतीखेदज्वरआठोलहिए असाध्यनउोभेदकाजांनो यतनवीचआवतनहिमांनो उनतालीभेदजाहिविधहोई करनिश्चाविधऊोषधसोई हिंदुस्तानतापनहिजानत सरदीहोगरमीमनआनत गरमीहोसरदीलखपावे रोगीमरेभलेखेजावे चरवीआदऊोरचिकनाई मन्हेतापमेंदेवेनाही वातिकतापक्षोनअतिहोई तीसरदरजेप्रापतजोइ चिकनाईवस्तताहमिंदेवे तापदूरनिश्चेसुखलेवे जेकरतापपछाननहोई निराहारव्रतदेवेसोई जेकरप्रवलक्षुधाप्रकटावे मुंगीचावलताहिखुलावे गर्मनीरकरताहिपिलाय सकलभेदपरसिक्षागाय दोइतापहिंदीमतमांनो एकदोषवाद्वंदजजांनो आदवातज्वरऐसाहोई लक्षनभिनसुनोअवसोई दर्जेप्रथमतापजोआवे कंपवातअतिसीतलगावे रोमावलीखडीप्रगटाय हृदयदाहमुखकांतिजाय करपदभारेनिद्रानाहि अवासीवहुतदेहअकडाही नखकालेअतिश्वासत्रबावे वकवादकरेशिरपीडापावे देहगर्मसीतलहोजाय मीठामुखलक्षणप्रघटाय गिलोयसतावरीदोइमंगावे दसदसमासेक्काथचढावे ताकोपानकरेनितकोइ दिवससातलगअतिसुखहोइ आद्रकपत्रगिलोईल्याय पुष्करमूलधारसंगपाय मघाकिरायतातासंगहोई वृद्धकंडेआरीमिलोसोई चारसेरजलक्काधचढावे तिनातिनमासेऊोषधपावे कोसापांनकरेनरकोई वातज्वरतवनासेहोई जेकरदरजादूसरजांनो आगेलक्षनताकेमांनो खुशकीजोडपीडप्रघटावे हाथपैरपरपीडादिखावे जैसेंवातगंठिआजांनो ज्ञानइंद्रिआंउलटीमांनो जेकरहाथजोडपरलावे रोमावलीखडीहोंजावे सकलदेहसीतलहोजाय सकलजोडपरसोजदिखाय लक्षणपेटपीडप्रघटावे पूर्वयतनकरखेदहटावे जेकरदजांतीसरहोई आगेलक्षनसुनिएसोई वातअगपरअतिवलपावे सोईअंगमारेआजावे खुष्कीतहाप्रापतहोई अडेअंगऊोषधनाहिकोई हर्कतरहेऋतूवतमांनो करेयतनदुखदूरपछांनो चिकनाईनर्मस्निग्धअतिखावे गर्मतेलकीमर्दनभावे नारायनतैलसतावरहोई निफततैलइत्यादिककोई मर्दनकरेधूपमेंजाय सीसपादलगमर्दनभाय तप्तनीरसंगसीसधुलावे फुलकामांसरसेसंगखावे मदिराआदनशामनभाय खट्टामिठासोनहिखाय एरनकेफुनिपत्रमंगावे एरनतैलताहुपरलावे करेगर्मवाधेनरकोई जोडपीडदुखनासेहोई संभालुपत्रनर्मकरवावे एरनतैलताहिपरलावे गुदावीचवत्तीपहुंचाय होवेसुखदुखनिश्चेजाय दुंवेकीमींडनमंगवावे जलायभस्मरोटीमेपावे मलेजोडफुनिपत्ररखाय ऊपररोटीगर्मवंधाय मांसवीचगरमीपहुंचावे जोडपीडदुखदूरहटावे कलौंजीखलउवालकरकोई वांधेगर्मसीप्रसुखहोई छिलकानिंबच्यारमंगवावे मघकंडेआरीदाखरलावे पुष्करमूलागिलोईल्याय त्रैत्रैमासेकाथ.

चढाय मलेगर्मपीवेजवकोई हरेदोषसुषनिश्चेहोई मुलठीमघगजपिप्पलल्यावे त्रिवीसंगजढपन्हीपावे सतसतमासेकाथचढाय आधसेरपीवेदुखजाय भोजनमुंगीपथ्यखुलावे वातज्वरदुंखदूरहटावे

॥ तपदूसरापैत्तक ॥

॥ चौपै ॥ पित्तज्वरहिंदीमतहोई शतरुलगिव्वफारसीसोई पित्तवीचपित्तेकेआवे दुरगंधी वीचहृदेपहुंचावे तौफु निसकलदेहमेजाय तृतीयज्वरतवहींप्रघटाय लक्षणमुखकौडाहोजावे हृदेवो चग्रतिकाःलीपावे मुखअरुनेत्रपीतरंगहोई दाणेस्वेतजोडपरसोई जैसेंखसखसदाणामांनो तैसेंनामतो रकीजांनो तृषावहुतवकवादकराय घूर्नितारहेक्षुधाहटजाय पीतनेत्रअरुमूत्रदिखावे अंधकारदृष्टीमे- आवे वमनपीतरंगनिकसतसोई चलेपेटनर्मअतिहोई तृषाअधिकऊंष्टफुटजाय मुखअरुहृदेजलन प्रघटाय घूंमेशिरसीतलमनभावे लक्षननाडीचपलदिखावे सुगंधितसीतलछायाजोई रोगीतहांसयन सुखहोई सीतलभोजनताहिखुलावे वहुविधपित्तजकोपहटावे पित्तपापडादाखमंगाय अंवलतास कौडसंगपाय नागरमोथासंगरलावे करेकाथसीताहिपिलावे चंदनत्रिवीसुंठमंगवाय नागरमोथावा- लापाय काथतीनदिनताहिपिलावे पित्तजतापसीघ्रहटजावे पन्हीजढअरुदाखमंगाय धनिआंतीनो जलमेपाय तृषाहोएसोनीरपिलावे पित्तजखेदसीघ्रहटजावे रातसमेगंनेमंगवाय गनेरीकरगुलावछि डकाय रात्तेत्रेलकेवीचरखावे चूपेप्रातपित्तहटजावे घडेमंगायनीरभरकोई नजरवीचराखेसुखहोई- अथवानीरहौदकाल्यावे चांदीतपायवुझायपिलावे धनिआजढपन्हीमंगवाय दाखमेलसमभागपिसाय पोटलीबांधनीरमेपावे होवेसीतलपांनकरावे जेकररुधिरपित्तप्रघटाय वालाचंदनश्वेतमंगाय नागरमो थादाखमंगावे पन्हीजढपित्तपापडपावे काकजंघजढसोसनल्याय सतसतमासेकाथचढाय नौमासे मिसरीसंगपावे अष्टमासकरकाथपिलावे पदममुलठीदाखमगाय निंववृक्षकाछिलकापाय कामिआंपु ष्पकिरायताल्यावे गिलोकंडेआरीसंगरलावे सतसतमासेकाथचढाय दसमासेमिसरीमेलपिलाय ताप तीसराकफदा ॥ चौपै ॥ श्लेषमज्वरजाकोप्रघटावे छातिजठरअधिककफआवे उवालल्लेतदुरगंधी सोई हृदेजायधमनिगतहोई तौवहपसरदेहमेजावे श्लेषमीज्वरताहिप्रघटावे तंगश्वासरवांसीसंगहोई परसाअधिकश्वेतनखसोई चलेनेत्रजलक्षुधाहटाय भारिजोडसिथलताछाय पलकसोजवहुनिद्राआवे कंपवाततनसीतलगावे मुखमीठावाखाराहोई मूत्रश्वेतकछुपीलासोई पृष्ठकमरमेपीडदिखावे सक- लजोडसीतललखपावे ऋतूवतलेसदाअतिजाको निश्चेदोखहोततनताको अथवासीतकालमेसोई निराहारव्रतकरसुखहोई कुलथउवालनीरनिकसावे दिवसतींनलगसोइपिलावे दिनचौथेमुंगीमंगवाय दलिआकरघृतकेविनखाय दिवसछेइलगऐसाकीजें तौफुनिकाथताहुकोदीजें वांसासुंठधारमंगवावे गिलोकिंडेआरीसंगरलावे सतसतमासेकाथचढाय दिवससातलगताहिपिलाय भडिंगीसुंठगिलोमंग वावे किरायतासंगकंडेआरीपावे त्रैत्रैमासेकाथचढाय दिवससातलगपांनकराय वांसासुंठगिलो ईआंनों पुष्करमूलकंडेआरीठांनो धमाहमेलसमऔषधल्यावे त्रैत्रैमासेकाथपिलावे कौडहरडसुं- ठीमंगवाय पिप्पलमूलताहिसंगपाय त्रैत्रैमासेकाथचढावे दिवससातलगताहिपिलावे छिलका- निंवसुंठमंगवावे अंमलतासमघसंगरलावे करेकाथपीवेनरसोई सातोदिनमेकफहरहोई त्रिफला- नागरमोथाल्यावे हीरेजोइंद्रलावे पटोलपत्रचित्रासंगपाय अंमलतासकाथवनवाय सतसतमासेऔ षधपावे मधूमेल दिनसातपिलावे गर्मनीरजलपांनकराय कफकाकोपसकलहटजाय चौथा-

तापरुधरी ॥ चौपे ॥ जेकरतनगरमीअतिहोई रुधरीतापताहुकोसोई हिंदीमतमेंरुधिरनमांने मांनततींनदोषजगजांने युनानीदोषचारमनआनत रुधिरदोषसोमुख्यपछानत ताकरऔषधलिखीनकोई इंदजतापमुनोअवसोई ॥

॥ तापपित्तवातसंयोगी ॥

॥ चौपे ॥ वातपित्तज्वरजाकोहोई कासश्वासतंगीकासोई क्षुधादूरमुखपाणीआवे वकवादकरेचितामनलावे अवासीवहुतननिद्राहोई हृदेजलनदुखदायकसोई रोमावलीखडीहोजावे गाडीकफमुखभीतरआवे सकलजोडपरपीडामांने तृषावहुतमुखमीठाजांने जलैंनेत्रकवजीप्रघटाय अंगअंगमेंखाजदिखाय वमनसंगकफवाहिरहोई देखवलावललक्षणसोई वातपित्ततपइंदजआवे त्रिफलासारिवांनमंगवावे रहसनपत्रताहुमेंपाय सतसतमासेकाथचढाय प्रतिदिनकोसापानकरावे इंदजतापआपहटजावे पुष्पकमीजढपन्हील्याय मुलठीमहुआपद्मकपाय मषाराछिलकादाषमिलावे समलेऔषधदर्डकरावे रातभिगोयप्रातमलसोई करेपांनदुरदइंदजखोई नागरमोथाकरंगुलल्यावे वालाकश्वेतदोपावे हलदीदारूहर्दलल्याय मुलठीजढपन्हींकोपाय निंदवृक्षकाछिलकाल्यावे पटोलपत्रवांसासंगपावे सतसतमासेकाथवनाय दिवसतींनमेंइंदजजाय गिलोइदाखजढसोसनल्यावे करंगुलवांसाहलदीपावे दारुहरदलमूर्वाल्याय निंववृक्षकाछिलकापाय नागरमोथातासंगपावे काकजंघसोसंगरलावे पढोलपत्रताहींसंगपाय सतसतमासेकाथचढाय पीवेइंदजदोषहटावे निश्चेपित्तवातज्वरजावे.

॥ इंदजपित्तकफताप ॥

॥ चौपे ॥ तापपित्तकफइंदजजांनो हुंमावलगमसफरामांनो काहलीकंपवातप्रघटावे क्षुधादूरअतितृषालगावे किसीअंगपरसोजाहोई रहैजलनअंतरगतसोई मुखजिह्वास्निग्धनमंप्रघटाय अंगजोडपरपीडादिखाय भारीकंठपूर्नितापावे कौडामुखशिरपीडादिखावे अतीतापअतिगोलनभाय लेवारदेवमनहोजाय कवजीरहेननिद्राआवे कमलापनकीवातसुनावे लालनेत्रनिकसतजलसोई फुनसीश्वेतरंगकेहोई आवतपरसाखांसीआवे कफपित्तज्वरलक्षणगावे करेपरीक्षायतनविचारे कफपित्तज्वरदूरनिवारे पडोलपत्रवालामंगवाय जढसोसनकीवांसापाय त्रिफलामेलकाथवनवावे सतसतमासेऔषधपावे मधूमेलपीवेजवकोई कफपित्तज्वरनासेहोई गिलोकिरायतादाखमंगावे कौडकचूरआंमलाल्यावे नागरमोथाहरडमिलाय मधांपित्तपापडासंगरलाय सतसतमासेकाथवनावे मधूमेलदिनसातपिलावे पडोलनिंवकेपत्रमंगाय मुलठीहलदीकौडरलाय किरायताकरंगुलवालापावे नागरमोथासंगरलावे साडेत्रेमासेल्याय चारसेरजलकाथचढाय थोडामधूमिलायपिलावे निश्चेइंदजतापहटावे भंडिगीभंगहरडमंगवाय मषारानागरमोथाल्याय धनिआंतज्जपत्रमंगवावे पापडासुंठीसंगरलावे सतसतमासेकाथचढाय मधूमेलपीवेदूखजाय ॥

॥ तपसंयोगीवातकफतें ॥

॥ चौपई ॥ वातश्लेष्मज्वरजाकोहोइ आगेलक्षणसुनिएसोई शिरअरुअंगपीडप्रघटावे कवजीवमनतृषाअतिलावे मुखद्वाराकफवाहिरमांनो तंगश्वासकाससंगजांनो अरुचिभारेजोमदिखावे

भराकीवअतित्रीलनभावे मूत्रश्वेतकलुक्षगादिखाय मांनोमिट्टीसंगरलाय ऊनअधिकदोषजोहोई ल-
क्षणऊनअधिकहैसोई मुलठीअवलतासमंगावे अगूरदारुमघसंगरलावे जीराश्वेतकृष्णदोपाय म-
हूवृक्षकाकाढरलाय कलौंजीधारभाडिंगीपावे नागरमोथात्रिफलाल्यावे लेसमऔषधदरडकराय प्र-
तिदिनतोलाडूडचढाय करेकाथहिंगूसंगपावे दिवससातलगद्वंदजजावे अष्टमांसमुंगीरसदेवे प्रति-
दिनकाथयथाविधसेवे भांडिगीसुंठसतावरल्याय किरायतानागरमोथापाय त्रेत्रेमासेकाथवनावे सा-
तोदिनमेंद्वंदजजावे गिलोकिरायतात्रिकुटाल्याय छिलकानिंवकरःसंगपाय नागरमोथापत्रपडोल-
साडेत्रेत्रेमासेतोल चारसेरजलकाथवनाय पीवेद्वंदजतापहटाय धारसुंठधनिआंमंगवावे नागरमोथा-
कांफलपावे रोहिनपुष्पवर्चसंगपाय सतसतमासेकाथचढाय हिंगूमासाडूडरलावे पीवेद्वंदजताप-
हटावे ॥

॥ तपअजीर्ण ॥

॥ चौपई ॥ अजीर्णज्वरजाकेतनहोई हुंमावदहजमकिहुसोई शिरअरुग्रीवाभारीजांनो षटेअ-
धिकडकारपछांनो टूटतजोडअवासीआवे तंगश्वासवहुदुरननभावे निराहारदिनतीनकराय तप्तनी-
रनितपानकराय पिप्पलमूलहरडमंगवावे कौडवहेडासंगरलावे नागरमोथाकरंगुलपाय सतसतमा-
सेकाथचढाय प्रतिदिनगर्मपानकरसोई अजीर्णज्वरतवनासैहोई कृष्णलूणासितजीराल्यावे चित्राचि-
बीताहुमेंपावे साडेत्रेत्रेमासेपाय राखेचूरनपीसवनाय साडेत्रेमासेनितखावे अजीर्णज्वरनिश्चेहटजावे
हलदीकौडधारमंगवाय कंडयारीनागरमोथापाय मघअरुवालासंगरलवे समचूरनदसमासेखावे-
तप्तनीरसंगसेवनकरिए अजीर्णज्वरसोनिश्चेहरिए. ॥

॥ तपदिक ॥

॥ चौपै ॥ क्षीनज्वरजाकेतनहोई तपेदिककरकाहिएसोई दर्जेप्रथमतापजवआवे ताहियतनकरवू-
रहटावे जेकरदूसरदर्जेमांनो तापअसाध्यकष्टकरजांनो पित्तअग्धितानष्टकरावे ताहियतनकरसुखउ-
पजावे वडकीजढछिलकामंगवाय चाउलभुंनकपूरमिलाय कमिआपुष्पताहुमेंपावे साडेत्रेत्रेमासे-
ल्यावे हिंदवानेकाजलनिकसाय मूरनताकेसंगखुलाय ताजादूधगधीकाल्यावे पत्थरगर्मकरवीचवु-
झावे आदगधीकोवांधरखाय प्रतिदिनधनिआजउोखुलाय तौफुनिदूधपांनकरसोई क्षीनज्वरतवनां-
सेहोई कपूरगुलावकेवीचघसावे कपडासेडसीसपरलावे छातीऊपरराखेकोई लापसीभोजनकरसु-
खहोई कमिआपुष्पमुलठील्यावे मधूमेलदसमासेखावे करंगुलकीजढपासिरखाय प्रतिदिनमिसरीमे-
लखुलाय संनिपातज्वरतेरांकहिए आगेभेदयथारथलहिए तीनदोषमिलउतपतहोई त्रिदोषजसंनि-
पातकहुसोई सर्वदेसमेंअतिवलपावे सीतकालतनअधिकतपावे अतीसीतलनरभोजनखाय दस्त-
फरनकरस्नानकराय भोजनसर्दनारअतिखावे प्रसूताहोएपवनतनलावे अथवाहोएवृद्धनरकोई सं-
निपातजाकारनसोई नाडीजोडपीडप्रघटावे क्षुधावंदतनसोजदिखावे करडातापहीनवलहोई उत-
रतनीरनासिकासोई गिलोहिंगुएरनजढलीजें सुंठयारात्रेफलासंगदीजें सतावरीभेलभागसमल्यावे-
त्रेत्रेमासेकाथवनावे गुगुलमासेतीनमिलाय पीवेसंनिपातहटजाय सुपारीसीवनवहुफलिल्यावे तीन-
तूपाडलअरनीपावे कंडआसेभखडासंगपाय दोदोमासेकाथचढाय गुगुलमासेतीनामिलावें पीवैसं-

निपातहटजावे दसमूलऔषधलिवेजबहीं सकलदोषहरमांनोतवही सुग्रपिप्पलामूलमंगाय चित्रा-मवांचोकसंगपाय ग्रैनैमासेकाथवनावे दिनइकीतकताहिपिलावे पुष्कमूलकचूरमंगाय किराय-ताकौडभडिंगीपाय सुंठागिलोकंडेआरिपावे वालासंगधमाहरलावे दोदोमासेकाथवनाय पीवेतापत्रि-दोषजजाय सुंठीकौढदाषमंगवावे किरायताजउोंइंद्रसंगपावे चारसेरजलकाथवनाय पीवेतापत्रि-दोषजजय

॥ अंतकसंनिपातदूसराभेद ॥

॥ चौपै ॥ अंतकसंनिपातजोहोई निश्चेदेहअन्तकरसोई रोगअसाध्ययतननाहिभावे करेयत्नवि-षजोगमिलावे अंतकलक्षणजाविधहोई उदासीनाचिंतातुरसोई भ्रमेसीसवकवादकरावे नर्मपेटवहु-दस्तचलावे दिवसतींनलगअंतकसोई तौफुनिजतनआसमनहोई कंडेआरीजढकचूरमंगवावे सुंठ-कुठधनिआंसंगपावे किरायताकौडगिलोईपाय त्रैत्रैमासेकाथचढाय प्रतिदिनगर्मागर्मपिलावे अंत-कसंनिपातहटजावे

॥ भेदतीसरारुग्दाहसंनिपात ॥

॥ चौपै ॥ रुग्दाहनामजाकोप्रगटावे सकलअंगज्योंआगजलावे वकवादकरेलज्जाघटजाय मूर्छा-अंगपीडप्रघटाय भारीकंठकाससंगहोई तृषापेटपीडाकरसोई उदासीनचिंतातुररहे देखीसुनीवात सभकहे चंदननागरमोथाल्याय जढअनारअरुछिलकापाय पितपापडामेलकाथसमकीजें पीवेसंनि-पातहरलीजें जामनफलकेउडाजढल्याय कंडेआरीकीजढछिलकापाय मुकोईकीजढछिलकापावे-कचूरकुलथसोसंगरलावे महुआपुष्यनारकापाय त्रैत्रैमासेकाथचढाय आधसेरकरकाथपिलावे निश्चे संनिपातहटजावे धनिआंसोडादाखमंगाय सतसतमासेकाथचढाय कोसापांनकरेनरकोई निश्चेसं-नपातहतहोई

॥ भेदचौथाचित्तविभ्रमसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ संनिपातचित्तभ्रमजोई मूर्छाकरचिंताअतिहोई सदाचित्तभूमिमनचहे वातांवहु तगर्मतनरहे भ्रमकतनेत्रवाउलाहोई हांसीकरपदमारतसोई सवहींकोअतिखेददिखावे लक्षणदेखय तनमनभावे ब्राह्मीनागरमोथाल्याय दोइकंडेआरीकीजढपाय दाखभखडासंगरलावे सतावरीकरंगु लत्रिफलापावे किरायतानिवकाष्टसंगपाय तींनतूंनसागूनमिलाय दोदोतोलेदर्डकरावे सातभागदिन सातपिलावे करेकाथतेत्रैनितसोई तिश्चेसंनिपातहरहोई दसमूलऔषधीसोईमंगावे तोलेतींनतींनसम ल्यावे पुष्करमूलधमाहमंगाय भडिंगीककडसिंगीपाय किरायताइंद्रजउोकाथवनावे प्रतिदिनपांनक रेदुखपावे जीराश्वेतकलोंजील्यावे त्रिफलाचंदनयारामिलावे कोडपत्रवांसेकेपाय त्रैत्रैमासेंकाथचढाय प्रतिदिनगर्मपांनकरसोई निश्चेसंनिपातहरहोई' ॥

॥ पंचमभेदसीतांगसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ सीतांगसंनिपातजोहोई तपावतहदाखेदकरसोई सीतलजोडसिथलहोजावे चले-पेटाहिडकीप्रघटावे भ्रमेसीसमुखपसरतहोई जीवनकाभयउपजतसोई रोगअसाध्ययतननाहिभावे तौ-

भीपतनकरेहटजावे भडिंगीजढकंडेआरील्याय सुंठीहरडगिलोईपाय त्रैत्रैमासेकाथचढावे पविसं निपातहटजावे ॥

॥ भेदछेमातुंद्रकसंनिपान ॥

॥ चौपई ॥ रहेतापउतरतनहिंजांनो मूकताजिव्हाश्यामपछांनो करडीहोकंडेलखपावे चलेपेटवहुपरसाआवे अंगअंगमेंखाजदिखावत भारीसीसकर्णप्रघटावत रोगअमाध्यवेगअतिहोई तौभीयतनलिखाकरसोई ककडासिंगीहरडमंगावे गिलोईजढकंडेआरीपावे भडिंगीसुंठभागसमल्याय सतसतमासेकाथचढाय प्रातेदिवसमेंपांचकरसोई निश्चेसंनिपातहरहोई कांफलनागरमोथाल्यावे मघांमचंहलदीसंगपावे अजामूत्रसंगपीसेकोई मस्तकलेपकरेसुखहोई बूंदबूंदकरनासिकपावे निश्चेसंनिपातहटजावे धनिआंसुंठगिलोईआंनो किरायतामेलभागसमठानो सतसतमासेकाथचढावे पीवेसंनिपातहटजावे ॥

॥ सप्तमभेदकंठकुवजसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ रहेतापअंगपीडापावे निराहारजलअंननखावे भारीग्रीवाखांसीहोई कंपवातचितातुरसोई मीठामुखमूर्छाप्रघटावे खांसीपीडानियमनपावे रोगअसाध्ययतनहितहोई करेयतनहटजावतसोई कौडवृक्षकाछिलकाल्यावे धनिआककडासिंगीपावे नागरमोथासुंठील्याय किरायताकांफलमघांरलाय कचूरमचंत्रिफलासंगपावे दारूहंदलछिलकाल्यावे दोकंडेआरीकजिढल्याय वांसामेलभागसमपायदोदो मासेकाथचढावे पीवेसंनिपातहटजावे मघांउटंकनवीजमंगाय कांफलजउोखारसंगपाय लेसमचूरनपीसवनावे मासेसातनिताप्रतिखावे

॥ अष्टमभेदकर्णकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ भारीकर्णसोजप्रघटावे नीरकर्णनेत्रतेंआवे अंगअंगपरसोजाहोई कांपतहृदासीतकरसोई वकवादकरेसोजाप्रघटावे करेयतनदुखदूरहटावे मघांमर्चहिंगूमंगवावे जढकंडेआरीहरडमिलावे बहेडानागरमोथापाय सुंठकौडकुठसंगरलाय ककडासिंगीतासंगपावे त्रैत्रैमासेकाथापिलावे सुंठीनागरमोथाल्याय वांसांपुष्करमूलरलाय गिलोईमेलभागसमल्यावे त्रैत्रैमासेऔषधपावे हिंगूरतीसातरलाय पीवेकाथदोषहटजाय ॥ नवमभेदरक्तअस्तवायसंनिपात ॥ चौपई ॥ चलेरुधिरमुखपरसाआवे वमनसंगवारुधिरचलावे तृषाअधिकभयभीतपछांनो चलेपेटहिडकीसंगजांनो तंगश्वासकलुसमअनआवे मूत्रलालकालाप्रघटावे किरायताहलदीघारमंगाय नागरमोथासितजीरापाय दसदसमासेकाथचढावे पीवेगमंषावेहटजावे श्वेतअसगंधमर्चमघल्याय गजपिप्पललूणतज्जसंगपाय महूकाष्टताहीसंगदीजें त्रैत्रैमासेचूरनकीजें सतमासेनेडमूत्रसंगखावे कछूनासिकाद्वारचढावे ॥

॥ दसमभेदभीषननेत्रसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ विकरालनेत्रचमकतहेरूोई कहेचमकघरभीतरहोई वकवादकरेमूर्छाप्रघटावे करेवातफुनिसोईभुलावे लेलेनामकांममनधारे भागनचहेनगेहविचारे मारकरोगअसाध्यकहावे करेयतनदुखकमहटावे दुधलभत्तलसुंठमंगाय कौडाकूंगिरिमिलाय मघकिरायताहलदीपावे सतसतमासेकाथपिलावे ॥

॥ जारमाभेदप्रलापकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ अधिकतापवकवादकरावे वेहोसीतनपीडालावे हृदानिकलज्योंवाहिरहोई प्रलापकरेदुखदायकसोई जढअसगंधतगरमंगवावे थारमहूपित्तपापडपावे संखाहुलिमुर्डासिंगपाय नागरमोथादाखरलाय मनक्काभूंमकेशसंगपावे दोदोमासेक्काथपिलावे नागरमोथासुंठील्याय छिलकाविल्ववृक्षकापाय कंडेआरीदोभखडासंगपावे कचूरगिलोपन्हीजड्ल्यावे त्रैत्रैमासेक्काथचढाय पीवेसंनिपातहटजाय

॥ भेदवारमाझोकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ तनभाराकरडाप्रघटावे भारीकर्ननिर्वलील्यावे दोकंडेआरीकुठमंगाय नागरमोथादाखरलाय कचूरगिलोवांसासंगपावे भडिंगीतज्जभागसमल्यावे दोदोमासेक्काथवनाय पीवेसंनिपातहटजाय सुंठकचूरचित्तराल्यावे रोहीत्रायमांनसंगपावे वीजमीचकामघांरलाय कंडेआरीसंगविल्वजढपाय सतसतमासेक्काथवनावे पीवेसंनिपातहटजावे किरायताहलदीकौडमंगाय छिलकानिंवघारसंगपाय दोकंडेआरीत्रिफलाआंनो पडोलपत्रकुठवालाठांनो गिलोईमेलभागसमल्यावे दोदोमासेक्काथपिलावे प्रतिदिनकोसासेवनकरिए निश्चेसंनिपातदुखहरिए

॥ भेदतेरमाभयनाशसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ करपदअतिसीतलप्रघटावे करडातनमुखस्वादनआवे सिथलहोएकछुवोलतनाही करडातापरहेतनमाही तोलेपांचमघांमंगवावे चारसेरजलक्काथचढावे आधसेरजवहींरहजाय दिवससातलगताहिपिलाय दसमूलभडिंगीकौडमंगावे जीवककककडासिंगीपावे धमाहइंद्रजउोसंगरलाय पुष्करमूलमेलसमल्याय त्रैत्रैतोलेदर्डकगवे तोलाडूडनिताप्रतिपावे करेक्काथपीवेनितसोई निश्चेसंनिपातहरहोई भडिंगीरहसनपत्रमंगावे नागवलाअरुवलामिलावे छिलकाविल्वसुंठमंगवाय पन्हीपुष्करमूलमिलाय कंडेआरिमघअजुआइनपावे राजकंडेकाछिलकाल्यावे मषारामेलभागसमल्याय त्रैत्रैमासेक्काथचढाय प्रतिदिनकोसापांनकरावे भेदत्रयोदससंनहटावे भडिंगीककडासिंगील्याय कौडकंडेआरीकीजढपाय पुष्करमूलधमाहरलावे रसपडोलपत्रनकापावे इंद्रजउोमेलभागसमल्यावे सतसतमासेक्काथपिलाय सकलभेदकानापनसाय महूवृक्षकाकाष्टमंगावे मर्चलूणमघसंगरलावे लेसमपीसनीरसंगपाय पायनासिकासंनहटाय ॥ आंठोभेदखेदज्वरकहिए आगेलक्षणसिगरेलहिए प्रथमभेदवकज्वरकहुसोइ अतिचिंताकरप्रापतहोइ होएनासधनाचिंताजाको मरेपुत्रमित्रादिकताको सोचरहैचिंताअतिहोई रुधिरउवालल्लेततनसोई गरमीतेजतापप्रघटावे आगेलक्षनप्रघटसुनावे लालनेत्रासिरपीडाजांनो क्षुधावंदनिद्रानहिमांनो तृषाजोडपीडाअतिहोई लालमूत्रसुनऔषधसोई वावडिंगपितपापडाल्यावे धमाहकिरायताकौडरलावे हलदीमेलभागसमल्याय सतसतमासेकाथचढाय मिसरीमासेसातरलावे गर्मपांनकरतापहटावे चंदनलौंगइलाचील्यावे दारचीनीसाजजहींल्यावे कमीपुष्पजढ' पन्हीपाय अगरसुंठमघसंगरलाय कचूरलोध्रसितजीराल्यावे नागरमोथासंगरलावे लेसमऔषधमिसरीपाय दसमासेनितचूरनखाय काकजघंवांसामंगवावे गिलोईनागरमोथापावे थारसुंठकंडेआरीपाय सतसतमासेक्काथपिलाय इलाचीतवासीरमंगवावे तालीसपत्रसमऔषधपावे दसदसमासेतींनोपाय मासेतींनकपूरमि

लाय पीसछानचूरनवनवावे मासेतीननीरसंगखावे एरनकीजढद्यारमंगाय छिलकावृक्षमीचकापाय तुंमेकीजढकौडमिलावे नागरमोथाहलदीपावे जढचिरायतासंगरलाय लेसमऔषधक्काथवनाय तोला-खंडघृततोलापावे पीवेवकज्वरदोषहटावे ॥ भेददूसराऐसाहोई कालज्वरकरकहिएसोई उद्यमनाहि-सिथलताजांनो सूकतजिव्हातालूमांनो इर्यामूत्रहिडकीप्रघटावे रोगअसाध्ययतननहिभावे सुंठगि-लोधनिआंमंगवाय नागरमोथासंगरलाय लेसमऔषधक्काथवनावे करेपांनज्वरकालहटावे ॥ क्षीनज्वर-तीसरहैसोई पुरातनहोअस्थीगतहोई मुंगीपथ्यऔरनहिसेवे हरडतापमेंकवहुंनदेवे चुलाईजढजढभांगुर-दोई आदितवारमंगावेकोई कुमारीसूत्रलालकरल्याय दक्षणभुजवांधेतपजाय वांमभुजानारीवंधवावे निश्चेतापआपहटजावे कंडेआरीसुंठगिलोईल्याय सतसतमासेक्काथवनाय दोमासेमचेंपीसकरपावे पीवेदिनइकीदुखजावे चिरायतात्रिफलाहलदील्यावे दारूहर्दलकुठरलावे नागरमोथावरेआंपाय वांझ, ककौडासंगरलाय त्रैत्रैमासेक्काथवनावे पीवेक्षीनज्वरहटजावे मुलठीकमिश्रापुष्पमंगाय चंदनदाखकु ठसंगपाय छिलकामहूइंद्रजउोपावे किरायतापद्मलोध्रमंगवावे त्रिफलाकमलतुरीसंगपाय दोकंडेआ-रीबांसाल्याय दोदोमासेक्काथचढावे पीवेतापपुरातनजावे ॥ चौथाभेदकंपज्वरहोई दोप्रकारकाक-हिएसोई प्रथमभेदअतिकंपदिखावे अतिभयअतिचिंताप्रघटावे कफअरुपित्तहोएतवजांनो आगेभेद-दूसरामांनो दूसरभेदउदासील्यावे तौफुनिअधिकशीतदर्शावे पित्तअधिककफथोडाजांनो भेददोईस-मऔषधमांनो मैंदीपत्रकारसनिकसावे गूत्रमेलकरपांनकरावे महिषीगोवरदूधमिलाय पोवेप्राततापहट-जाय सुंटभंडिंगीधनिआंल्यावे गिलोकिरायतादाखमिलावे लेसमक्काथपिलावेकोई कंपवाततपनासे-होई मघदसमासेपीसमंगावे चीनीखंडताहिसमपावे इकत्तीमासेमधूमिलाय भेडदूधपंजतोलेपाय कर-इकत्रदिनदिनप्रतिचाटे निश्चेकंपवातज्वरकाटे छिलकामहूवृक्षकाल्यावे कांफलमेलभागसमपावे पी-सगूत्रमेंनासिकपाय निश्चेकंपवातज्वरजाय काकजंघजढप्रतिदिनखावे पांनसंगतपदूरहटावे ॥ पंचम-भेदएकांतरकहिए तृतीयज्वरकालक्षणलहिए पुरातनतापनाडगतहोई तृतीयज्वरकाकारनसोई अंम-लतासकौडमंगवावे मघहरीडसोसंगरलावे त्रैत्रैमासेक्काथचढाय पीवेतापत्रियानकजाय मघदसमा-सेखंडरलावे भेडदूधमधुचटनीखावे नागरमोथासुंठमंगाय आंमलागिलोकंडेआरीपाय सतसतमासेक्काथचढावे पीवेतापत्रियानकजावे हलदीसर्षपपुष्पमंगाय उल्लूकापरसंगरलाय आदितवार-भुजापरवांधे त्रियानकदूरयतनजोसाधे रुधिरकवूतरकामंगवावे कुमारीमूत्रताहुमेंपावेआदितवारभुजावंधवाय निश्चेतापत्रियानकजाय चूलाईजढभुजमाहिवंधावे ताहीछिनमेंतापहटावे जिसदिनतापवेगअतिहोई तवजहतंत्रकरेसुनसोई अर्कपासताहीछिनजावे प्रदक्षनकरजहवचनसुनावे मेंमौतनूपौचातूंनाहिपौचदादो-इवारज्योंकहेतापतजसोंचदा छिलकानिंवगिलोईआंने धारइंद्रचउोतासंगठाने पडोलपत्रसमऔषधल्यावे त्रैत्रैमासेक्काथपिलावे सठीचावलसुंदरलेवे अर्कदूधत्रैभावनदेवे तौफुनिदूधथोरकाल्यावे तीनभावनादेइसुका वे चाढअगनपरभरमवनाय मासेतींनपांनसंगखाय कंपवातज्वरनेतकहोई तृतीयचतुर्थज्वरनासेसोई पटो-लवीजगुग्गुलमंगवावे सपकंजपत्रसर्षपकेपावे धूनीकरेतापहटजाय घोढचडीगोलीसुखदाय छेमाभेदद्वां तरकाहिए गर्मतापदिनतीसरलहिए तापअसाध्ययतननहिभावे तौभियतनकरेहटजावे गिलोवांसात्रिफ लामंगवाय सतसतमासेक्काथचढाय दिनचालीतकसेवनकरिए द्वांतरतापताहिछिनहरिए मुंगोचावलपथ्यखु लावे करेपालदुखदूरहटावे मघचंदनजढपन्हील्याय गजपिप्पलनागरमोथापाय सतसतमासेक्काथवनावे

द्वांतरतापआपहटजावे सुंठगिलोचंदनमंगवाय नागरमोथाघाररलाय वालाधनिआसंगरलावे त्रैत्रैमासेका थपिलावे गोकादूधमखीरमिलाय गोघृतमधमिसरीयुतखाय सहदेवीछिलकानिंवमंगावे वरेआंकुठसरीह- रलावे कलेहारीमुंडीअगरमिलाय हरडमेलसमपीसवनाय मधूगावघृतसंगरलावे मर्दनकरतनतापहटा- वे सुंठगिलोकंडेआरीआंने तजआंमलेतासंगठांने नागरमोथासंगरलाय मधूमेलकरक्काथपिलाय चुरां ज्वरजोदिनचौथेआवे कारनअधकषटेआईखावे नागरमोथासुंठमंगाय घारकंडेआरीक्काथपिलाय- ॥ सप्तमभेदरुधिरकरजांनो ॥ तृषाअधिकाशिरपीडामांनो हृदेपीडदृष्टीघटजावे वकवादकरेभोजनन- हिभावे प्रतिदिनदुर्वलदेहीमांनो जाविधलक्षनयतनपछांनो सरीहवीजत्रिफलामंगवावे श्वेतआकज- ढसर्षपपावे वीजमीचकारोहिनल्याय गिलोईहलदीसुंठरलाय नागरमोथावैरमंगावे हिंगुवचंमघसंगरलावे- लेसमऔषधपीसेकोई अजामूत्रयुतगोलीहोई दसमासेगर्मनीरसंगखावे सकलभेदकातापह टावे वांसातोलाढूढमंगाय पीसछांनचूरनकरल्याय इकत्तीतोलेमधूरलावे चाटेतापरुधिरकाजावे- ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांज्वराऽधिकारकथनंनामखटविंशोऽधिकारः ॥ २६ ॥
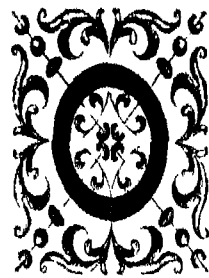
॥ अथउदररोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदरनिदानबषानहौंसुनलीजैचितधार ताकेलक्षणसमुझकैकरैवैद्यउपचार ॥ चौपई ॥ मलिनअन्नकरउदरमंझार मलसंचयहोइकरतविकार वाअजीर्णकरअग्निमंदहोय रोगअनेकप्रगटकरसोय मंदाग्निकरकुपितजोदोष नाडीभ्वेदवहराखैरोक अग्नीप्राणअपानजुवाय ताकोदुखितकरैनितजाय तातेंउदरमध्यवहुरोग होवैप्रगटकरैसंयोग अथउदररोगपूर्वरूपं वलवर्णावलिकांक्षानासउदरनिरोधजीर्णपरकास दाहअवरअज्ञानताहोय वस्तिस्थानपीडारहेजोय पादमाहिजोशोथअपार पूर्वरूपतिसाकियोविचार ॥ अथसामान्यलक्षणं ॥ चौपई ॥ गमनविषैजुअशक्तिअपार दुर्वलताअरुशोथअफार अंगपीडतंद्राअरुदाह मूत्रपुरीषवंधहोइताह हैंसमस्तजेउदरविकार उदररोगकारहैसंचार-

॥ अथउदररोगअष्टभेदनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजपित्तजकफजप्रमान त्रिदोषजअवरपलीहजजान बद्धजक्षतजउदकजयहलहिये आठोभेदउदररुजकहिये ॥

॥ अथवातोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पादहस्तकुक्षनमंझार सोजाउपजतवातविकार कुक्षपार्श्वकटिपृष्टीमांहि उदरजुपीडाहोवततांहि पर्वभेदसूकीहोइकास अंगमर्दभारीतनतास मलसंग्रहत्वचाश्यामादिषावै अथवालालरंगप्रगटावै अकस्मातउदरवधजाय घटैअकस्मातग्रंथयोगाय उदरऊपरनाडीप्रगटावै सूक्ष्मश्यामरंगदरशावै आध्मानहोवतहेतिसतांई शब्दउदरहोयषालकीन्याई उदरसर्ववायूसंचारत पीडसहितसोशब्दउचारत ॥

॥ अथवातजउदररोगचिकित्सा ॥

॥ वातजउदररोगमंझार यहक्रियाकरेजुसमुझविचार वस्त्रवेष्टनउपनाहनजान एरंडतैलदशमूलपछान स्वेदअवरजोवस्तिनिरूह दुग्धमांसरसयूषसमूह क्रमसेंवैद्यकेयहयोग वातजउदरहरेसवरोग- ॥ क्वाथ ॥ चौपै ॥ दशमूलकाथसंगएरणतैल पीयेकरैवातजरुजरेल ॥ चूर्ण ॥ त्रिफलाचूर्णगूत्रकेसंग पीयेहोयवातजरुजभंग ॥ क्वाथ ॥ दशमूलकाथसंगगूत्रामिलाय पीयेउदररुजवातजजाय ॥ अथचूर्ण- ॥ चौपै ॥ दंतीकुठतृवीयवक्ष्यार तीनोलवणवरचहिंगुडार चवकजवायणसज्जीजीरा चित्रासुंठीसमलेवीग पीयेचूर्णतप्तोदकसंग सपीडवातोदरहोइहैभंग ॥ अन्यच ॥ चौपै चूर्णशिलाजितदुग्धरलावै दशमूलकाथसोंपीसुखपावै वातजउदररोगहोइनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ जोनवीनवातोदरहोय ऊटणीदुग्धपीवैदुःखषोय ॥ अथसामुद्रचूर्ण ॥ चौपै सामुद्रजुसोंचलसैंधापाय विडअजवायणमघांमिलाय अजमोदाचित्रायवक्ष्यार आद्रकहिंगूसभसमडार घृतमिलाययथावलषावै वातोदरअर्शभगंदरजावै गुल्मअजीरणग्रहणीनाश पांडूवायुकोपसुविनाश ॥ चूर्णप्रथमजुग्रासमोषाय रोगसभीतातेंमिटजाय ॥ अथदशमूलादिघृत ॥ चौपै ॥ मघांपिप्पलामूलमंगावै चित्राचवककक्षारसुंठपावै अर्धअर्धपलयहपरिमान अर्धतुलादशमूलपुनठान आढिकदाधिकोमंडमिलावै दोयप्रस्थघृततामेपावै मंदअग्निपकायसोषाय वातोदरशोथगुल्मअर्शनसाय ॥ अन्यच ॥ दशमूलादिघृत ॥ चौपै ॥ दशमूलीसमकाथबनावै रासनासुंठपुनर्नवापावै अरुपावै,

तामोसुरदार घृतमिलायसमलेहुसुधार षावैबातोदरमिटजाय वंगसेनयोंदियोजनाय अथलसणतेल- ॥ चौपै तुलाप्रमाणलसणकोंआनै पकायद्रोणजलतामोंठानै पादशेषरहजावेजवै ताम्रपात्रमोडारेतवै- आढिकएरणतैलमिलावै पुनयहऔषधचूर्णरलावै त्रिफलात्रिकुटादंतीआन सैधाहिंगुवरचकुठठान सुरदारुसुहांजणाचित्रकविडंग सौंचलगजपीपलधरसंग अजवायणपुनर्नवापावै यहसभपलपलचूर्ण- मिलावै त्रिवीअर्धपलपीसमिलावै कौमलअग्निजुताहिपकावै प्रातःकालयथाबलषाय उदरजरोगस- वैमिटजाय मूत्रकृछ्रगुदकृमालिफहरै उदावर्तअंगपीडसुटरै अंत्रवृद्धपार्श्वकुक्षशूल वातजरोगअ- र्शनिरमूल अवरकलेजेकेदुःखजेते दूरहोंहिजानोतुमतेते मासपर्यंततयाहिकोंषावै लसनतैलयहरो- गमिटावै कर्षएकसुहागालीजै कुआरकंदलागीरिसंगरलीजै दोनोकोनितषावैजोय उदरदुःखदूरतिस- होय ॥ इतिवातोदररोगचिकित्सा ॥

॥ अथपित्तोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरमूर्छामुखकटुताजान उदरदाहअतिसारपछान त्वचानेत्रनखपीतदिषावै उदरहरि- तरंगसोलषपावै ताम्रवरणअथवारंगपीत नाडीउदरप्रगटलहुमीत स्वेदउदरपरहोवैतास उदरस्पर्शको- मलपरकाश शीघ्रहिंदेहपाकहोइआवै कंठधुषैपीडाप्रगटावै तृषाअवरश्रमसंयुतजान लक्षणपित्तउ- दरपहिचान.

॥ अथपित्तोदरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तोदरीहोवैनरजोय रेचनकरवावैसुनसोय रेचनकीऔषधसुपिसावै घृतअरदुग्धसाथसो- षावै तातेपित्तोदरमिटजाय रोगनाशरोगीसुखपाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ सातलात्रायमानसमलीजे इन्हमोघृतपकायकरपीजै वाघृतअमलतासकेसंग सिद्धकरेपीवैरुजभंग शीतलमधुरसुऔषधपाय सिद्ध- करेघृतनित्यजुषाय पित्तोदररुजहोवैनाश शास्त्रमतीयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलारस- हिंत्रिवीसिद्धकरै घृतसंयुक्तमेलसोधरै रोगीजहपीवैघृततास पित्तोदररुजहोवैनाश ॥ अथन्यग्रोधादिघृत ॥ चौपई ॥ न्यग्रोधादिप्रथमकरक्वाथ पक्वकरैघृतताकेसाथ मधुमिसरीमिलायसोषावै पित्तोदरदुःखभा- ग्योजावै ॥ अन्यचघृत ॥ चौपई ॥ पांचमूलकोकीजैक्वाथ घीऊपकावैताकेसाथ बलअनुसारताहिनि- तषावै पित्तोदरभाग्योकहुजावै ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ पृष्टपर्णिनागरकंडचारी लाक्ष्यबलाचहियेस- मडारी दुग्धमोपायकाढसोपीवै नाशरोगपित्तोदरथीवै ॥ इतिपित्तोदरचिकित्सा ॥

॥ अथकफोदरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अंगपीडतनभारीभासै निद्राछर्दअरुचपरकासै त्वचाश्वेतअरुश्वासजुकास उदरनाडी- सितआवृततास उदरकठिनस्पर्शलषपैये शीतस्पर्शउदरपुनलहिये चिरकरवृद्धिकोप्राप्तजान निश्चलउ- दरजुस्निग्धपछान शीतवातदुरदिनमंझार कोपकफोदरकरेअपार

॥ अथकफोदरचिकित्सा ॥

॥ चौपई पिप्पल्यादिकफहरजोवस्तु घृतमिलायषावैपरशस्तु नाशकफोदरइहपरकार यहनिश्चय- अपनेमनधार ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ थोहरतरुकोदुग्धमंगावै तासमघृतपकायकरषावै होयकफोदररु-

जकोनाश निश्चयनिजमनकीजैतास ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ मुस्तादीक्काथतैलगोमूत त्रिकुटारसकीजै इकसूत इहउौषधअनुवासनधारै रोगकफोदरदूरनिवारै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचूर्णआनसमकीजै कुलत्थकाथसोंनितउठपीजै होयकफोदररुजकोनाश कहीप्रसिद्धयहउौषधतास अरुकुलत्थरसत्रिकुटासंग सभोजनषावैहोयरुजभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचूर्णगूत्रकेसंग पीवैहोयकफोदरभंग अथवासाथनिंबरसपीजै रोगकफोदरनाशलहीजै ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ सर्षपखलजुआमलेबीज समयहपीसगूत्रमोंदीज करयहउष्णउदरपरबाधै दृढऊपरसुवस्त्रकरसांधै इहप्रकारकरहैनरजोय नाशकफोदररुजकोहोय ॥ इतिकफोदरचिकित्सा ॥

॥ अथत्रिदोषोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकेसभाचिन्ह इकठेप्रगटहोंहिअविछिन्न ताहित्रिदोषजउदरपछानऐसेंभाषैग्रंथनिदान

॥ अथसान्निपातोदराचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ रोहीतकअत्ररहरडसमलीजै गूत्रसाथयहचूरणपीजै सन्निपातोदरप्लीहप्रमेह अर्शगुल्मनाशैरुजएह ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ सप्तलाअवरसंखनीआन इन्हसभमोंघृतकरैपकानप्रातहिंनितउठषावैतास होयसान्निपातोदरनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठीत्रिफलाप्रस्थप्रमानआढिकघृतअरुतैलपछान मंदअग्नियहपायपकावै मधुमिलायताकोनितषावै दोयसन्निपाततोदरनाशयहउपायकीनोपरकाश ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ दंतीअवरद्रवंतीआन इन्हकेफलकोतैलप्रमान पीयसान्निपातोदरजाय यहभीकह्योउपायसुनाय ॥ इतिसन्निपातोदरचिकित्सा

॥ अथप्लीहोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तप्रवाहनाडजोकहिये तांकेमध्यठिकानालहिये वामभागातिंहप्लीहाजानो दक्षिणभागतिंहयकृनपछांनो विदाहिकअरुअभिष्यंदीजोय वस्तूभक्षणकरैनरकोय रक्तअवरकफइकठेहोय उपजावैंजुप्लीहासोय लिफनामभाषामोंभनै लोकप्रसिद्धजगतयोंगनै वामभागवादक्षिणभाग होतप्लीहालहोविभाग चीरतसदाकलेजारहै नामप्लीहाताकोकहै सोऊप्लीहातींनप्रकार वातजपित्तजकफजाविचार

॥ अथवातजादिप्लीहालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वद्धकोष्टअरुपीडालहिये उदरअफारावातजकहिये पीतवर्णस्वेदपीडयुतकहिये त्रिषादाहज्वरपित्तजलहिये गौरवकठिनअरुचितामान कफजप्लीहालषोसुजान श्वेतवर्णअरस्थूलताजाससीतमहापरिग्रहरहैतास

॥ रक्तजप्लीहालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ क्लमअरदाहजुमोहपछान विवर्णगौरवउत्क्लेदसुजान भ्रमअरुमूर्छासंयुतजोय रक्तजलक्षणजानोसोय वातपित्तकफकेजोलक्षण सन्निपातमोजानविचक्षण पुनवातजादिउपाय ॥ चौपई ॥ वातोदरीहोयनरजोय मघांसलवणतक्रसोंसोय पीवैवातोदरमिटजाय इहविधिभाष्योंसभहिसुनाय ॥ पित्त-

उपाय ॥ चौपई ॥ पित्तोदरीनरमरचपीसाय समशकराप्रातउठषाय होइपितोदररोगबिनाश श्रैसे- निश्चयश्रानोतास ॥ कफजउपाय ॥ चौपै ॥ कफजोदरीजवायणजीरा त्रिकुटामेलचूरणसुनवीरा त- कसाथयाकोंजोषाय कफजोदरदुःखतनतैंजाय ॥ सन्निपातोदरउपाय ॥ चौपै ॥ त्रिकुटासैंधाश्ररुयव- क्षार यहसमचूरणकरोसुधार तकसाथपीवैनरजोय रोगसन्निपातोदरषोय

॥ अथयकृद्दाल्युदरनिदानचिकित्सा ॥

॥ अथनिदानं ॥ चौपई ॥ जोयकृद्दाल्युदरोहोय ताकेचिन्हलषोतुमसोय मंदश्राग्निमंदज्वरतास कफापित्तलक्षणप्रगटेजास होयक्षीणबलपांडुसंयुक्त त्रिषादाहज्वरसोंकरीउक्त वामउोरबादक्षिणउोर कलेजेकेमलदुष्टकरेंजोर गौरवश्रवरश्रफाराजान यकृद्दाल्युदरचिन्हपरिमान इतिनिदानं ॥

॥ अथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्लीहक्रियाजेतीकछुकही याकीभीसोऊजानोसही दक्षिणभुजाकोरुधिरनिकास इह- भीचिकित्साहितहैतास ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ चित्रामघांजुपिप्पलामूल यहतीनोपीसोसम- तूल घृतमोंपाःयपकायसुपावै चतुर्गुणाश्रजादुग्धार्तिहपावै इहिप्रकारतिसषावैजोय यकृद्दाल्युदरप्लीहाषो- य ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघपीपलसूक्ष्मपीसावै घृतकेसाथनित्यउठषावै चतुर्गुणादुग्धामिलायष- वाय यकृद्दाल्योदरदुःखमिटाय ॥ इतियकृद्दाल्युदराचिकित्सा ॥

॥ अथप्लीहतथायकृतसामान्याचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ ऐरंडतैलगूत्रसोंपिजै अथवादुग्धसंगपीलीजै नाशैसकलजुउदरविकार यहनिश्चयनि- जमनमोंधार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मालकंगुणीतैलमंगावै दुग्धमिलायप्रातपिवावै उदररोगजोश्रष्ट- प्रकार नाशहोयनिश्चयमनधार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघांजुथोहरदुग्धभिगावै सहस्रपर्यंतदुग्धसोंपावै श्रजरामरहोवेनरसोय यहसेवैनिश्चयबुधहोय अथवर्धमानपिप्पलीक्रमः दुग्धमधाक्रमशाथजुषावै द- शदशदशहीदिनाहिवधावै पुनक्रमदशदशलेयघटाइ दुग्धक्रमहिइसलेयघटाइ उत्तमक्रमदशहीकोजान मध्यमक्रमषटकीनवषान अधमपांचपिपलीसोंकहै दशदिनामिर्यादासोंलहै जौलौसहस्त्रमघकरेश्रहार ताहिरसायणदेहउधार बलपुरुषहिकाकल्कप्रमाण दुग्धशाथसोपीयसुजान मध्यमदुग्धकाढसंगपीय क्षी- णबलहिचूरणपयलीय इहक्रमसोंपिपलीजोसेवै बलश्रनुसारपानशुभलेवै जवपचजायफुनपथ्यसुकरै सठीभातघृतदुग्धसंचरै उदररोगसवहोतनिवार वर्धमानपिपलीजियधार ॥ चौपई ॥ स्नेहपानमर्द- नपुनजान रेचनस्वेदप्लीहाकीहान वामवाहुकीनाडिविधावै रुधिरछुडायप्लीहमिटजावै रुधिरनिकल- नेलागेजवै प्लीहगाढमर्दनकरतवै तातेदुष्टरक्तनिकसाय रोगप्लीहतातैंमिटजाय ॥ अन्यच ॥ ना- डिवामणिबंधउभारै श्रंगुष्टमूलकीनाडिनिहारै वाणतपायगुल्लातिंहदेय रोगप्लीहानाशकरेय जासकले- जावहुवधजावै दक्षिणभुजकीनाडिविधावै अथक्काथ श्रमलवेतसहसुहांजणकाथ पीजैसैंधवलवणेहिं- साथ रोगप्लीहकोहोवेनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कुठवरचश्राद्रकमघ- चित्रा पाठाइंद्रयवकरोइकत्रा अजमोदासमचूरणकीजै उष्णोदकसोंकर्षहिपीजै होवेप्लीहारुजको नाश निश्चयश्रानोमनमोंतास ॥ अथक्षार ॥ चौपई ॥ क्षीरीवृक्षनदग्धलेक्षार समुद्रसीपक्ष्यारपुन-

डार मघांमिलायदुग्धसोंपीवै नाशप्लीहरोगकोथींवै ॥ अथपुटपाक ॥ चौपई ॥ अर्कपत्रसंगलवण-
मिलाय करपुटपाकसुअग्निपकाय पीसताहिदधिमंडहिंसंग षावैहोयप्लीहरुजभंग अथचूर्ण ॥ चौपई ॥
जिह्वातप्लीहाआश्रयहोय पार्श्वशूलप्रगटावैजोय तासउपायचूर्णयहठांनो सुनलीजैसोप्रगटवषानो-
हिंगुकुठसैंधायवक्ष्यार पुनत्रिकुटासभसमलेडार विजोररसर्सोंचूरणषावै प्लीहाशूलसहितमिटजावे दं-
तीघृतपाडुरुजमेकह्यो प्लीहरोगमोश्रेष्टसुलह्यो ॥ अथक्ष्यार ॥ चौपै ॥ पलासदग्धकरलीजैक्ष्यार
तासंगपीसमघांतिंहडार पीवैताहितिःयकेसंग शूलप्लीहगुल्महोयभंग ॥ चूर्ण ॥ शंखनाभिजोचूर्णकी
जै जंभीरीरससंगकर्षहिपीजै प्लीहकूर्मसमानमिटावै असप्रकारताकोगुणगावै ॥ अन्यच ॥ सर-
पुंषमूलकोचूरणकीजै तक्रसाथताहूंकोपीजै बहुचिरकालिकप्लीहविनाशै ताकोगुणअैसैंपरकाशै अन्यच-
चौपै ॥ यवक्ष्यारमघांविडलवणपिसाय करंजूजलहिंपकायसुषाय रोगप्लीहाकोहोवेनाश निश्चयआनो-
मन मोंतास ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ जवायणचित्राअरुजवक्ष्यार दंतीपिप्पलवरचसुडार यहसमचूर
णतप्तजलसंग पीवैहोयप्लीहरुजभंग वादधिमंडवामदसोंपीवै नाशप्लीहारुजकोथींवै ॥ अन्यच ॥ चौपै
वायविडंगजवायणचित्रा इहतीनोसमकरोइकत्रा सुंठपुनर्नवाअरुसुरदार यहदुगुणोलेचूरणमोंडार त्रिवी-
भागचारपुनधरे विधिवतशुंदरपात्रमोकरे वललषउष्ट्रीपयसोंपीवै वृद्धप्लीहनाशतवथींवै ॥ अन्यच ॥
चौपै ॥ वायविडंगयवसत्तूचित्रा वरावरलावैकरैइकत्रा सैंधाघृतसंयुतकरैतास पयसोंपीवैप्लीहानाश
वाइन्हकोमधठीकरिपाय दग्धकरैविधिसाथवनाय पयअनूपानसंगजोषावै प्रातषायपुनपथ्यधरावै हो-
वैप्लीहारोगविनाश दुःखजावैतनसुखप्रकाश ॥ अथमोदक ॥ चौपै ॥ हरडेंजीराअवरभिलावे यहती
नोंसमपीसमंगावै गुडमिलायमोदककरखाय रोगप्लीहातातेंमिटजाय ॥ अथअभयावटिका ॥ चौपै ॥
हरडेंपलजोतीनमंगावैं त्रिकुटापलत्रयतासमिलावै जवायणचवकचित्राजुविडंग अमलवेतसैंधाधर-
संग वरचअर्धअर्धपलपाय दालचीनीलाचीतज्जमिलाय कर्षकर्षलेचूरणकीजै गुडपलतीसताहि-
मोंदीजै वटिकाबांधयथाबलखावे प्लीहाअर्शगुल्ममिटजावे पांडुकामलाअग्निमंदनाश जठररोगसभ-
करैविनाश ॥ अथअग्निमुखलवण ॥ चौपै ॥ चित्रादंतीत्रिवीपछान त्रिफलापुष्करकरोमिलान स
भसमसैंधालवणमिलावै पीसैथोहरदुग्धमिलावै पुनथोंहरकोदंडमंगाय छिद्रकरैसोचूर्णभराय ऊपरमृ-
तकालेपलगावै अग्निदवायतांड़िदग्धावै ताहिनिकासयथावलषाय प्लीहकलेजारोगमिटाय उदररोगस-
भहोवेदूर गुल्मअफाराहोवेंचूर अर्शपांडुकोहोवेनास निश्चयआनोमनमोतास ॥ अथषट्पलघृत ॥
चौपै ॥ मघपीपलचित्रापिपलामूल क्षारसुंठचवकसैंधासमतूल यहपलपलघृतप्रस्थमिलाय दुग्धसभन-
ममपायपकाय षावैनाहिप्लीहमिटजावै मंदअग्निउदावर्तमिटावै शोथपांडुश्वासअरुकास अर्धंगवात-
विषमज्वरनाश पीनसरोगजुसीघ्रनसावै षट्पलघृतयहनामकहावै ॥ अथवन्हिषट्पलघृत ॥ चौपै ॥
प्रस्थकरंजुत्वचाकोकाथ प्रस्थजुआद्रकरसदेंसाथ प्रस्थएकदधिमंडामिलावै प्रस्थभिलावेकाथसमावै प्र-
स्थघृतअमलप्रस्थमिलाय कांजीप्रस्थएकपुनपाय त्रिकुटाहापुषहिंगुदोइजीरें अजमोदापांचलवणसुनवीरे
चवकक्षारपिपलालेंमूल कर्पकर्षयहलेसमतूल हरडअवरमधुतासमिलाय मृदुलअग्निसोंताहिपकाय षा-
ययथावलअग्निवधाय रोगसभीतातेंमिटजाय प्लीहउदररोगजुअफार वातोदरकृमअर्शविडार कुष्टज-
लोदरदद्रीनाशै वातजकफजशूलसुविनाशैं ॥ अथचित्रकघृत ॥ चौपै ॥ चित्राकाथतुलापरमान प्रस्थ-
दोयकांजीतिहठान चारप्रस्थदधिमंडमिलावै एकप्रस्थघृततांहिसमावै तालीसपंचकोलयवक्ष्यार पां-

पलवणदीइजीरेडार दीइरजनीमरचातजपत्र यहसमपलपलकरोइकत्र सभीमिलायपकायसुखाय प्लीह-गुल्मपांडुज्वरजाय उदरविकारसमस्तविनाशैं शूलहृदयपार्श्वनकोनाशैं उरथनाभितलेकोशूल उन्मा-दउदावर्तहोईनिरमूल अरुचशोथअर्शनहिंरहै भस्मकरोगनाशकोंगहै बलवरणकरैअरुअग्निबढावै चित्रकगुणएतेसुनगावै ॥ अथमहाघृत ॥ चौपई ॥ शिलाकालशाकमघनागार काकादनिमूलहिंगुसंगधार पांचोलवणअवरकंडचारी अक्षअक्षयहचहियतडारी प्रस्थएकघृतताहिंमिलाय चारप्रस्थ-गोमूत्रसमाय प्रस्थदोयपयपायपकावे नित्ययथाबलताकोंपावे उदररोगसप्लीहानास यहगुणवज्रघृत-कोनप्रकाश ॥ अथरोहीतकघृत ॥ चौपई ॥ रोहीतकत्वचापचीसपलपाय दोयप्रस्थतिंहकोलरलाय अष्टगुनाइन्हतेंजलठान करैकाथसोपुरुषसुजान पादशेषरह्योजलजवै वस्त्रछनायप्रस्थघृततवै पलपल-पांचोकोलरलावै पकावेताहिपथावलपावै ह्वोवेप्लीहारुजकोनाश रोहीतकघृतकीनप्रकाश अथमहारोहीतकघृत चौपई शतपलत्वाचारोहीतकआन आढिकबदरीफलपहिचान द्रोणातोयमाँक्वाथकरै पादशेषरहैछानसुधरै प्रस्थएकघृतताहिमिलावै प्रस्थचारछागलपयपावै कर्षकर्षयहऔषधजान त्रि-फलात्रिकुटाहिंगुपछान विडजीराअजवायणठानो कुष्ठलवणवचतुंवरुआंनो दाडिमतुम्भाअरुसुरदार बिडंग कलोंजीचित्राडार हौपुनर्नवापुष्करमूल अरुजवक्षारसमसिमतूल पायपकायसुपात्रनवीन धरैयथाब-लषायप्रवीन मांसरसयूषदुग्धअनुपान प्लीहाशूलकरैसोहान मूत्रकृच्छशूलमिटजावै पांडुशूलअजीर्ण-मिटावे विबंधशूलकामल्लानिवारै तंद्राअतीसारसंहारै अवरसोज्वरकोकरहैनाश महारोहीतकगुण-लषतास ॥ अथशंखद्राव ॥ चौपई ॥ सजीकक्षारयवक्षार कासीससुहागाताम्रेडार सोराछसैंधव-अरुनोसादर फटकीलेकरताकूंमेधर यहसमचूर्णइकअकसार कूटकुठालीमांहिद्रवाय ताकोंनित्यय-थाबलपावे गुल्मप्लीहअफारासजावै कंठउदरकेरोगनिवारै ग्रहणीअर्शभगंदरटारै यहश्रीशंखद्राव-नप्रमान पावैइन्हरोगोकीहान ॥ अथकदलीक्षार ॥ चौपई ॥ कदलीअरुतिलनालमंगावे तासमइक्षु-रसहिमिलावै तीनोसमकरक्षीजैक्षार तिलतेलमिलायपकायसुधार ताहिनित्यहीपावैजोय प्लीहाना-नकफरुजकोषोय ॥ अथचित्रकलेह ॥ चौपई ॥ शतपलचित्रालीजैआन पिपलामूलपलशतपुनठान पलपंजाहदशमूलामिलावै पुनयहचूरणसुनोलषावै बलाविडंगीअवरकचूर पाठालीजैपुष्करमूर पांच-पांचपलताहिरलाय चारद्रोणजलमांहिपकाय पादशेषरहैतवछान शतपलगुडतिंहकरोपकान पकभ-येजानैसोजवै यहचूरणतंहमेलेतवै वंशलोचनमघपलपलचार मरचत्रिजातकपलपलडार सभहीमेल इकत्रधरै कडछीसेतीमर्दनकरै सुंदरवासनमाहिधरावै पलप्रमाणमात्रानितपावै प्लीहगुल्मसभउदरवि कार राजयक्ष्मसोरोगनिरवार भारद्वाजयहचित्रकलेह भाष्योअहैश्रेष्टलषएह ॥ अथपिप्पलीक्षार ॥ ॥ चौपई ॥ मघापंचपलसमयवक्षार लवणपांचपांचोपलडार वेणुअखरोटसरीहपछानो लोधरशिखा कांगीपुनआनो कंदविशाखामाणकजान गिलोयअवरशरपुंखप्रमान तालीसपत्रअरुलेवेचित्रा सुहांजनामूलसुकरोइकत्रा बलावारुणासमयहठान पांचपांचपलयहसभजान पलपचीसलषलेहुपलाश सभकरदग्धभस्मलेतास आढिकगूत्रपुनआढिकतोय सभहीमिलायपकावेसोय घृतजुमिलाययथाबल-पावे गुल्मप्लीहत्रिदोषजजावै ॥ अथअभयलवण ॥ चौपई ॥ वकाइणथोहरअर्कपलाश अपामार्ग-चित्राकवतास वरुणाभरुडादीकंडचारी अग्निमंथपुनर्नवाडारी सारवाकुटजकोशातकील्याय वनतुलसी-लेताहिमिलाय यहसमूलपत्रशाखाआन कफलमोचरकरैकूटान नालतिलोंकीअग्निमंझार विधिवतकी-

जैसाकीजार छीलककारमस्थपरिमान मध्यद्रोणजलकौपकान पावशेषरहोजबजाने एकप्रस्थतिस-लवसहितठाने आढककूष्मासमौंदीजै दृढपात्रअग्निमाहिधरीजै अर्धप्रस्थहरदलिहपाय मंदअग्निसों-तासुपकाय समनहोयचूरणठान सोसुनहोअनकरौंवषान जीरात्रिकुटाहिंगुकचूर अवरजवायणपुष्कर मूर अर्धअर्धपलइन्हकोजान लवणअभयतासकोमान नित्ययथाबलताकोषावै उदरव्याधसभहीमिटजावै प्लीहकलेजागुल्मनिवारै मंदअग्निहृदरोगविडारै रुजशरकराअश्मरीनाशै गुणयहअभयलवणपरकाशै प्लीहोदरकोकह्योउपाय बंगसेनज्योंदियोलषाय ॥ इतिप्लीहतथायकृतसामान्यचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथबद्धगुदोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पिछलअन्नउपलेपिजान तिन्हकरकुपितमलदोषपछान ज्योंकूडापरिवाहिरद्वार-रोकरषैयोंलषोविकार तैसेंमलजोगुदकौरोकै अरुआद्रोंकोरोकविलोकैं शनैशनैविष्ठाहोईजातैं अल्पअ-ल्पहोवैहैतातैं गुदाऊपरकचअन्नजुआय विष्टाद्वारबद्धहोइजाय तातैंविष्टाद्वाररुकावै नाभिउदरवृ-द्धतापावै

॥ अथबद्धगुदोदरीउपाय ॥

॥ चौपई जवायणसैंधाजीरातीन समचूर्णकरैपुरुषप्रवीन तक्रसाथपीवैपुनतास बद्धोदररुजहोवै नाश बद्धोदरजिसनरकौंहोय करैचिकित्साऐसेंसोय विटद्रावकभोजनअरुवस्तु स्नेहपानरेचनप्रशस्तु. वक्तितैलमर्दनअरुपान पचलवार्धेउदरप्रमाण इन्हउपायबद्धोदरनाश आगेंअवरउपायप्रकाश ॥ अथक्षा-रगुटिका ॥ चौपई ॥ हस्तिअश्वकीलीदमगाय तासुदग्धकरक्षारबनाय पिप्पलामूलमघांवचचित्रा. सूंठभिलीपुनकरोइकत्रा पांचलवणअरुदोनोक्षार सातलात्रिफलादंतीडार स्वर्णक्षीरिविषाणकाजान-कर्षकर्षइन्हकोपरमान पीसैकांजीसंगमिलाय गुटिकाबद्रिसमानबंधाय कांजीसेंतीषावैजोय बद्धगुदो-दरहरैसोय अवरजलोदरहोवैनाश क्षारगुटिकायोंकीनप्रकाश ॥ इतिबद्धगुदोदरचिकित्सा ॥

॥ अथक्षतोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शल्पभुक्तअन्नआंद्रनजोय इस्थितआयप्राप्तहैसोय अथवाजोभोजनबहुकरै वाअ-तिजृंभांकोंअनुसरै इन्हकारणजोभिद्दतनाडी तिन्हतैंजलमलश्रवतविचारी सोजलमलतलनाभीआय उदरवृद्धकरहैलषपाय अस्सयनाभिदलतीहोय नामक्षतोदरभाषैंसोय

॥ अथक्ष्यतोदरीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मघपीपलचूर्णमगवावै मधुमिलायसंगतक्रपिलावै होयक्ष्यतोदरदुःखजुनाश. सुगमउपायकियोपरकाश ॥ अथनिचयोदरीउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाअवरजुलेयवक्षार चूरण-यहसमकरोसुधार तक्रसाथपीवैपुनतास निचयोदरदुःखहोवैनाश

॥ अथजलोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ घृतकोपानअवरउपबास वमनविरेचनबहुआयास अरुव्यायामादिकसोकीजै-इन्हकेअंतजलशीतलपीजै शीघ्रपियेजलशीतलजोय सभआंद्रेनाडिपूर्णजलहोय सोनाडिअवआंद्रा-

सारी निजनिजकार्यश्रसमर्थनिहारी तिसतैंनाडीतलैमंझार होतजलोदररोगविकार ताकोउदरसनिग्ध लषावै नाभिवर्तुलाकारदिषावै जलकरपूर्णमस्कक्रिन्याय दिषियतहैसोथलइंहभाय सोनरक्षोभहिंप्राप-तहोय गुडगुडशब्दउदरकरसोय

॥ अथजलोदरीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पूतिकरंजुबीजपिसावै मूलीबिजतासंगमिलावै मवादनीमूलसंखनीश्रान यहसमचू-र्णकरोसुजान कांजीकेसंगप्रातपिलावै रोगजलोदरभाग्योजावै

॥ अथक्षतोदरजलोदरअन्यप्रकारनाडिवेधचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रुजीसभनकीश्राज्ञालेवे श्ररुनृपश्राज्ञालेकरसेवै इष्टदेवनिजलेयमनाय नमसकारगुरुकोंसत-भाय तानंतरवेधक्रियासोकरै इहप्रकारप्रथमाहिंश्रनुसरै काहेवेधकियाकेमाहि जीवनकोंशसालषपांहि-तातैंप्रथमजोमंगलकरै विघ्नश्रनेकजोयातेंटरैं नाभितलैवेष्टनकरवावै श्रंगुलचारतरैवेधकरावै नाभीवा-मभागकोउोर धान्यमुखसोंवेधेकरजोर श्रथवासूक्ष्मसूइंसंग वेधकरैयहलहोप्रसंग मोटोउदरश्रंगुलपर-मान वेधेचतुरातााहिप्रमान तातैंश्रधिकवेधनहिकरैं श्रांश्रानिकसवाहिरनाहिंपरैं एकहिदिनसभजलहिनि कारै काहेयांतेबहुरुजधारै कासश्वासज्वरतनप्रगटावत त्रिष्णागात्रभंगउपजावत कंपदेहउपजेश्राति. सार इकदिनतैंयहउपजाविकार पूजाउदरकरतहीरहै याहिचिकित्सामोंउरगहै तीसरवादिनपांचम. पाछैं जलक्रमसोंकाढैविधिश्राछैं स्वल्पस्वल्पजलकोंनिकसाय उसहींव्रणसोंश्रवरनाविधाय लवणतैल-व्रणकेमुखलावै व्रणमुखपोलेजलनिकसावै जलसभनिकस्योजवहीजानै उदरउपरवंधनपरमाने सहोम-चर्मभेडकालीजै ताहिउदरपरवंधनकीजै तानंतर षटमासप्रयंतु दुग्धपिवावतरहिलषंतु पुनदूसरषट-मासप्रमाण यहपथदेतरहैसज्ञान तंडुलकोद्रवस्वांकलहीजै दुग्धसंयुक्तपथ्ययहदीजै निरोगीहोयवरषप्रयंतुः तानंतरानिजइछावरतंतु ॥ इतिवेधक्रियाविधिः ॥ श्रथलोह ॥ चौपई ॥ थोहरश्रर्कदंतीश्ररु-धावै चित्रामाणवकायनपावै यहसमदग्धकरक्ष्यारवनाय प्रस्थक्ष्यारसभकोलषपाय पलासक्ष्यारप्रस्थसं: गदीजै चतुरगुणजलमोंक्राथसुकीजै चतुर्थपादशेषपलषधरै फुनिक्राथजहदूसरकरै चित्रादंतीत्रिवीभि-लावै द्रवंतीश्रौरपुनर्नवापावै रविवृद्धमूलकंचकीश्रान शतावरितालमूलीपुनजान गिरिकर्णकाश्रमल तासकंडयारी तजपत्रभंगनीलनीडागी चारचारपलयहपरमान श्रष्टविशेषकरैकाथसुजान थोहरदूध-श्रर्कपयश्रान चारचारपलजानप्रमान सभहोतावपात्रमोंपाय षोडशपलघृततांहिमिलाय मंदश्र-ग्निधरताहिपकावै श्रवशीतलयोहोयलपावै लोहचूर्णषोडशपलश्रान तामोंपायमिलायसुजान व-लश्रनुसारताहिनितषावै उदरविकारसकलमिटजावै ॥ इति ॥ श्रन्यच ॥ श्रौषध ॥ चौपै ॥ पांचलव-णश्ररुदोनोक्ष्यार पांचऊषणमरचेंपुनडार श्रजमोदाश्ररहिंगुमिलावै तालमूलीचित्रासंगपावै गवाक्षी त्रिवीविडंगपछान दंतीश्ररुपुनर्नवाठान जिमींकंदश्ररुपिपलामूल इन्हकाक्राथकरेसमतूल पादशेष-जबहीसोरहै वस्त्रछाणतासकोंगहै पुनजहश्रौषधतामोंपाय इकइकपलसोकहोंसुनाय स्वर्णमषीकंकु-ष्ठपीजै शिलाजीतगुग्गलुसंगदीजै पारागंधकपीसरलावै श्रल्पश्रग्निसोंताहिपकावै पुनताहीकोशी-तलकरै ताहीमधुघृतश्राधलधरै लोहपात्रसोंताहिधराय लोहदंडसोंताहिघसाय सप्तदिवापरश्रंतष-

सावै नित्ययथाबलताकोषावै सर्वोदररुजहोवैनाश अनेकप्रकारशोथसविनाश अर्शकामलापांडुजु-रोग यहविशेषनाशैसुनलोग इति

॥ अथसफोदररोगाचिकित्सा ॥

॥ काथ ॥ चौपई ॥ हरडागिलोयसुंठसुरदार गिलोपुनरवासमयहडार करेकाथगुग्गुलअरु-गूत पायपिलावैलषयहसूत रोगसफोदरहोवैनाश निश्चयश्रानोमनमोतास ॥ अन्यच ॥ आद्रके-चवकसुंठविलकत्थ इन्हकाकाथवाकल्ककरत्थ तिसकरसिद्धघृतकरेनरजोय अजादुग्धसंगखावै-सोय संग्रहणीउत्थितशोथविनासे अरुचिमंदाग्निरोगजुनाशे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लेपुनर्नवाह रडागिलोय दालहलदपुनताहिसमोय करैकाथगुग्गुलुतिंहपाय अरुगोमूत्रमिलायपिलाय त्वचादोष-सभपांडुविनाशे रोगसफोदरकोंसुविनाशे शूलरोगकफरोगानिवारे वंगसैनयोंप्रगटउचारे ॥ अन्यच ॥ निंवपुनर्नवसुंठगिलोय अरुपटोलदालहलदसमोय हरडपायकरकाथजुकीजे परभातसमयउठरोगीपीजें सर्वांगशोथउदरदुखनास शूलश्वासकासपांडुविनास ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साउदरकीवंगसेनअनु सार आगेयाकेपथअपथसुनहोकरोउचार

॥ अथदूष्योदरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जिसपुरुषकाकोइशत्रुहोय सिंहरखमूछखुलावेसोय दुष्टजानवरमलमूत्रजिसको रुधिर-वीर्यतुमजानोतिसको अन्नरलायखुलावैकोय दूष्योदरतवप्रगटतहोय विषसंयुतजलाकियोजुपान तातेंरक्तकुपितकरमान रक्तवातपित्तकफमिलजवाहिं दूष्योदरसन्निपातिकतवाहिं वर्षाऋतुमेकोपकोंप्रापित मूर्छादुःखितकरेसंतापित तृषकरमुखमेंशोषितरहै पीतवर्णकृशदाहतनलहै ॥ चौपई ॥ सर्वोदरचिकित्सा-जानोजेती दूष्योदरकीमानोतेती भावप्रकासकछूनवषाने ऐसीसमझतुमकरोसिआने

॥ अथसर्वोदरसामान्यचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ शिलाजितत्रिफलगुग्गुलुपावे थोहरदुग्धभिगोयरषावे पुनसुकायचूरणसोकरै गूत्रसा-थपीवैदुःखटरै सभहीउदरविकारमिटाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यचूर्ण ॥ चौपई ॥ कलिंगबीज अरुसणकेवीज सुहागामघांशंखनीलीज अवरहिंगुलूवीजरलावे सभसमचूरणपीसवनावै नितगोमू-त्रसाथसुपिलाय उदररोगसर्वमिटजाय ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ महिषीमूत्रसप्तदिनपान करैआप-नोहितपहिचान तबलगजलकोपाननकरै प्यासलगेतोदुग्धआचरै रोगउदरसभहोवैनाश दुःखजावै-तनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ अजामूत्रवादिवसजुसात ऐसेंपीवैहोइरुजघात ॥ अन्यच ॥ अथ-वाऊंठमूत्रकोपीवै सप्तदिवसमोंरुजहतथीवै प्यासलगैकरहैपयपान सर्वउदररुजनाशपछान ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ चित्राचवकसमचूरणकीजै ऊंठमूत्रसोंनितउठपीजै असाध्यउदररोगजोहोय निश्चय जानोनाशैसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विशालादंतीत्रिवीमंगाय निशाशंखनीत्रिफलापाय विडंगनी-लनीअवरकंवीला यहसमचूरणाकरोसुसीला गौमूत्रसोपीवैतास सर्वउदररुजहोवैनास ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ दंतीचित्राचवकविडंग त्रिकुटायहसमपीसोंसंग दुग्धसाथपीवैयहजोय उदररोगनाश-सभहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्रादोनोक्षार पांचोलवणनीलनीडार यहसमचूर-

णपयसोंपांन गूल्मोदरकीहोवैहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्राचवकविडंग दंतीले-
पीसोतिंहसंग यहसमचूरणपयसोपान होयवृद्धोदररुजकीहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गवाक्षीदंतीपीस-
मंगाय शंखनिअवरनीलिनीपाय यहसमचूरणगूत्रहिंसंग पीवैंउदररोगहोयभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥
लेसुहांजनाअरुसुरदार मजूरशिखांसहकल्कसुधार वाअसगंधचूर्णकरलीजै गूत्रसाथप्रातहिंउठपजिै
वृद्धोदरअरुकमहोइनाश सुखउपजैहोयरोगसुनाश ॥ अन्यच ॥ वर्धमानमघपीपलसेवै उदररोगसभ-
हरसुखलेवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तंडुलथोहरदूधभिगोय इन्हकायूषवनावैसोय षावैसप्तरात्रिमंझार
उदररोगसभजाहिविकार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ बबूलत्वचाजलमोकरक्वाथ पुनहिछनावैवस्तरसाथ
पुनतिसअग्निचढायपकावै घणाहोयतवपात्रधरावै तक्रसाथनितषावैतास होयजलोदररुजकोनाश
तक्रसाथजोभोजनकरै उदररोगतांतेपरिहरै ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ आठमूत्रजोकरहैपान उदररो-
गसभकीहोएहान ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ अर्कपलाशअवरसुरदार असगंधसुहांजणगजकणाडार
यहसमपीसगूत्रकेसंग लेपउदरकरहोएरुजभंग ॥ अथपटोलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ पटोलपत्ररज-
नीजुविडंग त्रिफलाकर्षकर्षसमसंग कंवीलाकर्षदोयतिहजानो नीलनीकर्षतीनतिहठानो त्रिवीभाग
चारपुनधरो विधिवतचूरणसुंदरकरो गोमूत्रसंगजोचूरणखाय उदररोगसवहींमिटजाय वनमृगपक्षिन-
केरससंग मृदुओदनखावैअरुचीभंग मांडपेयजोकरहैपान त्रिकुटासहितजुदुग्धप्रमान पटदिनजोन-
रसेवनकरै पुन.चूरणप्रतिदिनअनुचरै पटोलादिचूरणविधिवतखाय उदरविकारतातैंभगजाय पांडु-
कामलाशोथविडारै उदररोगसवहींपरिहारै ॥ अथनारायणचूर्ण ॥ चौपई ॥ जवायणलेधनियांत्रिफलाय
कलौंजीसोंफवरचसुमिलाय अजगंधात्रिकुटाकुटजजुचित्रा स्वर्णक्षीरीजीरासुनमित्रा पिपलामूलस-
टीदोक्षार पुष्करमूलविडंगसुडार पांचोलवनशतावरिपावै यहसमभागऔषधील्यावै तीनभागदं-
तीधरलेय सातलाचारभागतिंहदेय तुम्मात्रिवीदोयदोभाग यहचूरणषावैबडीविहाग रोगसमस्तना-
शहोयऐसें श्रीनारायणतैंराक्षसजैसें ॥ अथअनुपान ॥ जाकोंहोवैउदरविकार तक्रसाथपीवैसुनिहार
गुल्मरोगजाहीकोंहोय रसवेरोंसंगपीवैसोय जाकोहोवैरोगअफार मदेरेसोंपीवैहितधार जाकोवातरो
गजोहोय गिलोयक्वाथसोंपीवैसोय विटभग्नरोगजाकोंलषपाय दधिमंडसाथताकोपीवाय अर्शविकार-
होइजोजास दाडिमजलहिंपिलावैनास जाकोंरोगअजीरणथीवै उष्णतोयसोंसोनरपीवै
भगंदरपांडुकासअरुश्वास गलग्रहहृदयरोगहोइजास ग्रहणीकुष्टअग्निमंदजोय ज्वरअरुकुष्टजा-
सकोहोय जीवमूलकृत्रिमविषतीन जाकोविषजविकारप्रवीन इतनेरोगनकोअनुपान हैघृतगाव-
उष्णकरपान ॥ इति अथमहाक्षार ॥ चौपई ॥ तिलसर्षपयवत्रैयहनाल दसमूलअाढकीदंतीडाल
महूअपामार्गजुगिलोय चित्राऐंद्रीत्रिवीसंजोय कनेरपुनर्नवाअरुत्रिफलाय अर्ककंवीलानिंबरलाय
पुनपुनर्नवारक्तसुजान दशदशपलयहऔषधठान यहकरदग्धभस्मसभल्यावै द्रोणगूत्रसोंताहिपकावै
सातवारगोमूत्रमंझार तांहिपकावैयहपरकार पुनयहचूरणताहिमिलावै पलपलइकइकवस्तुरलावै पाठा-
वचदोयहलदपतीस त्रिवीकंवीलासुंठीपीस पांचोलवणकुठयवक्षार मघांसुहांजणात्रिफलाडार कौड-
भिलावैमुथ्रविडंग अमलवेतदंतीधरसंग देवदारुहिंगूलषलीजै यहसमऔषधतामोंदजि दधिचुक्र-
कांजीयहतीन अाढिकअाढिकपायप्रवीन अाढिकअाढिकघृतअरुतेल पायपकावैसभयहमेल उष्ण-
वारिसोंकर्षप्रमान षावैसभरुजउदरकीहान मद्यअम्लपयगूत्तरसंग क्षारषायएतेरुजभंग लिफअर्शगु-

ल्मअरुशूल हृदयरोगकुमब्रणानिरमूल ग्रहणीपांडुयक्ष्मपरमेह भगंदरउदावर्तहोयषेह कुंडलरोगमूत्रकृ-च्छ्रनाश अपस्मारकोकरैविनाश ॥ इति अथनाराचघृत ॥ चौपई ॥ थोहरदुग्धदंतीत्रिफलाय चि-त्रावासात्रिवीमिलाय वायविडंगपुनसंगरलावै कर्षकर्षयहपीसमिलावै कुडवएकघृतपायपकाय मा-त्राकर्षप्रमाणधराय तप्तनीरसोंपीवैसोय उदरविकारनाशसभहोय ॥ अथत्रिवृतघृत ॥ चौपई ॥ अष्टगुणापयप्रस्थघृतएक पलथोहरपयलहोविवेक षटपलत्रिवीसुपायपकाय षावैउदररोगमिटजाय ॥ अथबिंदुघृत ॥ चौपई ॥ अर्कदुग्धदोइपलआनीजै षट्पलथोहरदुग्धलहीजै हरडकंबीलात्रि-वीसनाय अमलतासगिरकरनीपाय नीलनिशंखनिदंतीचित्रा यहपलपलपावोसुनमित्रा डेढप्रस्थभ-रजलजुमिलाय वस्तुसभीतिसमाहिरलाय प्रस्थपायघृतताहिपकावै जितनीबूंदांघृतकीषावै तितने-रेचनवेगाहिसंग होवैंहोयरोगकोभंग आठप्रकारजुउदरविकार नाशहोंहिलागैंनाहिंवार गुल्मकुष्ट-शोथमिटजावै भगंदरउदावर्तनरहावे इहसवरोगनाशहोयऐसे वृक्षवज्रघातसोंजैसें ॥ अथशालीपर्णी-तैल ॥ चौपई ॥ शालिपर्णिसहदेवीआन पृष्टपर्णीविदारीठान वलातीनअवरवृद्धिपावै महासताव रीताहिमिलावै दोइसारवादोपार्णील्यावै जीवकरिषवतुम्मापुनपावै जजूलीकर्षकर्षसभलेय पुनर्न-वाएरणपलपलदेय दशमूलीलीजोपलवीस सभयहकूटलीजियेपीस तोयद्रोणमोंपायपकाय चौसठपलरै-हैवस्त्रछनाय दधिघृतकांजीगोमूत्रसमान प्रस्थप्रस्थइन्हकापारिमान प्रस्थएकपुनएरंडतेल पुनचूर्णइहकी-जैमेल पलाशवीजसोपीसमिलाय थोहरमदनवृक्षत्वचपाय अमलतासचित्राअरुधावै त्रैत्रैपलइह-संगरलावै अरुपललोधरलेयवक्ष्यार थोहरदुग्धचारपलडार पायपकाययथावलषावै रोगसमस्तउदरकोजावै

॥ अथउदररोगअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ बद्धगुदोदरहोवेइजिसको मासउपरंतअसाध्यहैतिसको पसलीमाहिशूलआवरै नेत्रनमोंसूज-नलपिपरै इंद्रीकायत्वचागलजाय रुधिरमांसतनकछुनरहाय अग्निमंदहोजावेजाको सोअसाध्यजा नोतुमताको पुनपसलिनमोशूलजुकरै पसलीटूटफूटलषपरै अधिकरुचीसभजातीरहै अतीसारसू जनतनवहै विनअन्नउदरअफारज्योंपेखे उदरअसाध्यचर्कऋषिलेखे उत्थितउदरजुरोगनवीन कष्टसा-ध्यतुमजानप्रवीन होतजलोदरवालिकोंजोय कष्टसाध्याजानोतुमसोय उदररोगानिर्वलिकोंजान अहेअसा-ध्यतुमलषोस्यान

॥ अथउदररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदररोगकेपथअपथतिन्हकोसभअधिकार सुनअपनेमनधारियेसोअवकरोंउचार अथपथ्य ॥ चौपै ॥ रेचनलंघनमदरापथ्य यवमुंगचावललालकुलत्थ वनमृगपक्षिनकोजोमास उदररोगकेपथ-लषतास एरंडतैलतक्रपुनजांनो आद्रकलसुनकरेलेमांनो पुनर्नवाहरडइलाचीकही अरुसुहांजणापथ-लषसही लघुअरुदीपनवस्तुसमस्त गोअजाऊठणीदुग्धप्रसस्त पुनतांवूलपत्रपरमान उदरडंभदेवैहित-जान उदरसवस्त्रनवेष्टनकरै पत्तलवांधेमर्दनधरै जोउदरमध्यहोइलिफविकार ताकोंइटसिटवडउपचार अरुनाडीभुजवेधकरावै रुधिरवाहुमोक्षपथगावै जोवहुआमहुतेरुजहोय रेचनकरवावैदुखषोय अरुत-लेनाभिकेगुह्यसुदेवै तौण्याधीविनदुःखमुखसेवै वातहुतेजोदुखप्रगटावै रोगीकोंघृतपांनकरावै ॥ दोहा ॥ उदररोगकेपथ्यजोकीनेसकलउचार अवअपथ्यवरननकरोंसुनहोपुरुषउदार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥

धूम्रपानअरुबहुजलपान शिरनाडीकोरुधिरछुडान दिनकोशयनछर्दलषलीजै अरुव्यायामअपथ्यल. हीजै इक्षुविकारमिष्टांनजुजेते उदरविकारअपथलषतेते तिलअरुजलजीवनकोमास दाहकउष्णअ. पथलषतास बहुलक्षणगुरुवस्तुपछानो हिमालयनदियनकोजलजानो फलियोंवालेअन्नजुजेते अरु. गुरुअन्नअपथलषतेते ॥ दोहा ॥ उदररोगकेपथअपथभाषेसमुझविचार पथ्यगहेत्यागेअपथतौनाहिंहो. यविकार ॥ इतिउदररोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ उदररोगवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिवंगसेनेउदररोगसमाप्तम् ॥

॥अथउदररोगेकर्मविपाकदोषकारणनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपै ॥ मोहलोभभयतेंजोकोय अपनोधर्मत्यागकरसोय अरुब्रह्माविष्णुरुद्रमंझार भेदबुद्धिजोकरैगवार ताहिजलोदररुजसंचरै ऐसितासउपायउचरै ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ श्रीशिव. मूर्तपार्वतीसंग रूपेकोवनवायअभंग कुंभएकजलऊपरधरै विधिसोंताकीपूजनकरै कुंभचतुर्दिशदि. गपतचार कुवेरइंद्रयमवरुणविचार इन्हहूंदिगपालनकोजज्जै सभकेमंत्रनहोमहिंसज्जै दानकरैवि प्राहिंकोंदेय उदररोगसभनाशकरेय ॥ दोहा ॥ दोषजलोदरवरन्योकारणसहउपचार हृदयरोगवर. ननकरोंसोलीजैचितधार ॥ इतिउदररोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथउदररोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ चंदपडैजासिघमोउदररोगहोइतास फुनदांतनपीडाकरैपेटविकारहिजास औरसुभाव' तिहनरविषेस्त्रीसोंवैरकरेइ तृषाभूषकरतृप्तनहिशांतिनआवैतेइ तृष्णामूर्छारोगफुनआयकरेसंजोग चंद्र. मापूजाश्रेष्टतिहाविधविधानहररोग ॥ इतिउदररोगजोतिषसमाप्तम् ॥

॥ अथहृदयरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ हृदयरोगवषानहोंहोवतहृदयमंझार प्रथमहिंकारणतासकेकहोंलषोमतिसार ॥ अथ कारणं ॥ चौपई ॥ अतिगुरुअतिश्रमलोजोषावै उष्णतिक्तकषायअतिपावै अतिश्रमअतिचिंताकर जोय ताडिनअध्यसनहुतेंहोय विष्टादिकजोवेगरुकावै हृदयरोगएतेप्रगटावै सोहृदरोगपांचपरकार वातजापित्तजकफजविचार कृमत्रिदोषतेंउपजतजान पांचप्रकारयोंकरैवाषान प्रथमहिंकोपदोषयह- धरै अन्नरसोंकोदुष्टसुकरै हृदयमध्यपीडाउपजावैं ॥ हृदयरोगयाहीकोंगावैं ॥

॥ अथवातजहृदयरोगलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हृदाषैंचियतअसदुखहोय सूचीन्यायवेधियतसोय जैसेमथितमधाणीलहिये तैसेंहृदाम- थितसुलषैये अरुउरफूटतहृदालषावै होयदुटुकडेमनुलषपावै एतेलक्षणवातजजान पैतिजलक्षणक- रोंवषान.

॥ अथहृदयरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्सासुनहृदरोगकीसोहैचारप्रकार भिन्नभिन्नवरननकरोंसुनलीजेचितधार

॥ अथवातजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जिहवातजहृदरोगलषावै प्रथमताहिकोंवमनकरावै घृतसोंवादसमूलीक्काथ औषधवमनवालवणहिंसाथ वमनकरायचिकित्साठानै यौंवातजहृदरोगहिंमानै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै - मघांलायचीबचयवक्ष्यार सैंधासौंचलसुंठीडार हिंगुअवरअजमोदाआनै इन्हसभकोसमचूरणठानै कांजीवामदचरवीसाथ पीवैवाघृतकुलत्थकेक्काथ वातजहृदयरोगसुनसावै रोगजायरोगीसुखपावै के वलसुंठीकोकरक्काथ उष्णउष्णपीवैसुनगाथ श्वासकासकोदूरनिकारे हृदयरोगमंदाग्निविडारे ॥ अन्यच - ॥ चौपै ॥ हरडेसैंधापुष्करमूल सुंठीबीजपूरकोमूल पुनकचूरअमलवेतयवक्ष्यार यहसभऔषधसमलेडार चूर्णघृतामिलायकरपीवै वातजहृदयरोगहतथीवैं ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ पलासविजोरापुष्करमूर सुंठजवायणकरंजुकचूर जीराश्यामवचासुरदार अरुपाबोतामोंयवक्ष्यार इन्हसमऔषधकोकरक्काथ पीवैनित्यलवणकेसाथ वातजहृदयरोगसुनसावै निश्चैअपनेमनमोंल्यावैं ॥ अथघृत ॥ हरडेसुंठीपुष्करमूल लवणहिंगुयवआमलेतूल इन्हकेसंगघृतसिद्धकरीवै वातजहृदयरोगभगजावै ॥ अथतैल ॥ ॥ चौपै ॥ इटसिटविल्वपंचमूलसुरदार कुलत्थकोलरहसनयवडार इन्हसमसभकोकरहेक्काथ क्काथसमानतैलधरसाथ मंदअग्निसोंताहिपकावै मर्दनकरैअवरसोषावै वातजहृदयरोगसुनसाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ इतिवातजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ अथपैत्तिजहृदयरोगलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ त्रिष्णादाहहृदयप्रगटावै पाक्योउरप्रतीतहोइआवै मूर्छास्वेदहवाडानिकाशै धुषेहृदामुखशोषप्रकाशै हृदयग्लानिनितहोवतताको सर्वांगदाहरहैनितजाको एतेलक्षणपैतिकजान लक्षणकफजकरोप्रगटान ॥ अथपित्तजहृदरोगचिकित्सा ॥ चौपै ॥ वमनवस्तइन्हऔषदसंग देवैप्रथमवमन-- हैचंग श्रीपरणीवामधुगुडजान वामुलठवामिश्रीमान इन्हसभसोंएकोलषपावै वमनतासकेसाथकरावै अरुशीतललेपनतिसकरै सनिग्धसाथरेचनअनुसरै ॥ अन्यच ॥ मधुरवस्तुसाधितघृतजान पित्तज्वरनासनक्काथप्रमान इन्हकोहितसोंसेवेजोय पित्तजहृदयरोगकोंषोय ॥ अन्यच ॥ द्राक्षफालसेमिसरीपावैं मधुपावैपैतकरुजजावै अवरपित्तहरअन्नजुपान षावैपीवैहोइरुजहान ॥ अन्यच ॥ मिसरीकोसर्बतवनवावै गुलावतोयतिहमध्यरलावै मुलठकौडचूर्णतिससंग पीवैपितहृदयरुजभंग ॥ अन्यच॥ अर्जुनतरुकीत्वचामंगावै काडदुग्धमोंनित्यपिलावै पित्तहृदयरोगहोइनाश दुखनाशैतनसुखपरकाश अन्यच ॥ चौपै ॥ अर्जुनत्वचालेछांहिसुकावै पीसैचूरणवस्त्रछनावै साथपंचमूलीकेक्काथ अथवावलाक्काथकेसाथ वामुठवामधुघृतसंग वासदुग्धपीवैरुजभंग मिसरीवागुडसर्वतसाथ चूरणपावैसुनयहगाथ हृदयरोगजीर्णज्वरनास रक्तपित्तसवदूरनिकास अथकसेरुकादिघृतं ॥ चौपई ॥ कसेरुकसिवलभेहमुलठ शृंगवेरग्रंथीसुइकठ परपुंडरीकसभीसमलेवै समघृतदुग्धचतुर्गुणदेवै मंदअग्निसोंकरैपकान मधुसोंषावैवडीविहान पित्तजहृदयरोगमिटजावै दुखनासरोगीसुखपावै ॥ अथश्रेयसीयादिघृत॥ चौपै ॥ हरडशरकराद्राक्षलुहार जीवकरिषभवलापुनडार उत्पलमेदअवरमहामेद समयहचूर्णकरोलषभेद काकोलीअरक्षीरककोली चूर्णमेतिसदेयसुघोली महिषिदुग्धघृतमाहिषिमिलाय मृदुलअग्निसोंताहि पकाय वलअनुसारघीउसोंषावै पित्तजहृदयरोगमिटजावै ॥ अन्यच ॥ लघुपंचमूलसाधितघृतजोय वा-

दुग्धइक्षुरससाधितहोय वाद्राक्षारससाधितपांन हृदयरोगपित्तजहोएहान ॥ इतिपित्तजहृदयरोगचिकित्सा

॥ अथकफजहृदरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ गौरवताहृदमुखजलचले जडताअग्निमंदताभले कुपितहोयकफहृदयमोंव्याप्त तिसकरनरअतिक्लेशकोप्राप्त मुखमीठोजुअरुचितामान कफजचिन्हयहकीनवषान

॥ अथकफजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंरुजियेंवमनकरावै मघादिहरनकफऔषदषावै अथवाइवेदकरावैतास वालंघनताकोकरेप्रकास ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कुंभीसुंठीवलाकचूर हरडेरहसनपुष्करमूर यहसमचूर्णपीसरलावै गोमूत्रसोंनित्यपिलावै कफकोहृदयरोगमिटजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लघुलायचीपिप्पलामूल होवैरवरचसमतूल यहसमचूर्णइकठोकरै अजामूत्रसोंसेवनधरै गुल्मकफजहृदरोगनिवारै दुखमिटेतनसुखविस्तारै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुत्थरएलाचंदनआन षसत्रिकुटाचित्रात्वकठान कौडजवानीविल्वसुरदार दालहलदार्निवपुनडार पटोलपापडाअसनपतीस त्रायंतीवचसौराष्ट्रीपीस किरातमुहांजणपिपलामुल केसरयहसभलेसमतूल चूरणकीजैपीसवनाय यथावलगोमूत्रसोंषाय कफजहृदयकोरोगनिवारै गुल्मअफारसनिपातविडारै इतिकफजहृदयरोगचिकित्स

॥ अथत्रिदोषजहृदयरोगलक्षणं ॥

वातादिककेकहैजुलक्षण इकठेजामोंलखेंविचक्षण सन्निपातयहलक्षणजानो याहीकोअसाध्यकरमांनो त्रिदोषहृदयमोंउपज्योजान करैअपथ्यजोनरअज्ञान तिलगुडक्षीरादिककोंषावै यातेंहृदयग्रंथवझजावै सोऊग्रंथजवैगलजावै तवहृदयमध्यसोकृमउपजावै सोकृमतीव्रपीडउपजाहि थुकथुकीहोएअरुचप्रगटांहि शूलअवरउक्लेदहल्लास तमअरशोथप्रकटहोयतास श्यामनेत्रदेहसुकजाय अवरउपद्रवकहोंसुनाय उपद्रव ॥ ॥ चौपई ॥ कलेजेमोंपीडाभ्रमपित्त मुखसूकेयोंजानोमित्त इत्यादिकजुउपद्रवकहिये हृदयरोगमेप्रगटलहैये ॥ दोहा हृदयरोगऐसेंकह्योवैद्यकमतिअनुसार समझचिकित्साजोकरेताकोकहाविकार ॥ इतित्रिदोषजहृदयरोगानेदानसमाप्तं ॥

॥ अथत्रिदोषजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिदोषजहृदयरोगहोइजवै हृदमोंकृमउपजावततवै तासचिकित्साऐसेंकही सोअपने मनआनोसही लंघनअरुपाचनपरिमान यातेंहोयत्रिदोषजहान कृमरोगकीजुचिकित्साकही कृमहृदरोगमोंजानोसही ॥ अन्यच ॥ केवलचूरणविडंगापिसावै गोमूत्रसोंप्रातहिंषावै मांसभातपथ्यदेतास यह उपायकीनोपरकाश हृदयत्रिदोषजहोवेशांत निजमनमोंयहलषोवृतांत ॥ अन्यचउपाय ॥ ॥ चौपै मांसचीरदाधिसंगमिलाय वहुघृतपायवनायरिझाय तीनादिनानितसेवतरहै तानंतररेचनसोगहै रेचनऔषदजवपीसावै लवणविडंगअवइयरलावै कांजीसोंपुनपीवैसोय गिरेंसभीकृमरेचनहोय यवकीमांडविडंगमिलाय पुनताकोंयहपथ्यषुलाय त्रिदोषजहृदयरोगहोइनाश कीनचिकित्सातासप्रकाश इतित्रिदोषजहृदयरोगचिकित्सा.

॥ अथसामान्यहृदयरोगाचीकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ अमलवेतदाडिमअरुहिंग सुंठसौंचलपावोतिंहसंग यहसमचूरणकेरवनाय ततनीरसोंप्रातहिंषाय हृदयरोगसभहीपरकार नाशहोयनिश्चैमनधार ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकुटात्रिफलाजीरकल्याय गजपिप्पलमुत्थरतासमिलाय तिंतडीकतालीसजुआनो कर्षकर्षसभसमलेठानो एककर्षदालचीनीएला लोहचूरणसोपलइकमेला सबहिसमानशर्करापाय चूरणसुंदरधरेवनाय प्रातसमययहचूरणषावै हृदयरोगसवदूरनसावै हिंगुजवायणविडयवक्षार सुंठमघांकुठहरडेडार चित्रासौंचलपुष्करमूल यहसभचूर्णकरोसमतूल यवकेकांजीसाथपिलावै हृदयरोगसोसभमिटजावै ॥ अथ क्राथ ॥ चौपै ॥ प्रथमहिंदशमूलीकरक्राथ सौंचलअरुयवक्ष्यारहिंसाथ पीवैहृदयरोगामिटजावै गुल्मशूलश्वासकासनसावै ॥ आवलेह ॥ चौपै ॥ केवलपुष्करमूलपिसावै मधुमिलायकरनित्यचटावै हृदयरोगक्षईहोइहेनाश हिक्काशूलश्वासहरकाश ॥ अन्यउपायः ॥ हरणशृंगसंपुटमोंपाय दग्धकरैधरअग्निवनाय पीसताहिगोघृतसोंषावै हृदपृष्टशूलततक्षिणमिटजावै अथअन्यउपाय चौपै गोधूमचूर्णतैलगुडपाय करैकडाहताहिनितषाय अजादुग्धऊपरसोंपीवै हृदयरोगशांतितवथीवै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ अर्जुनतरुत्वचचूर्णकरावै ताहिचूर्णगोधूमरलावै अजादुग्धअरुघृतसोंपकाय मधुशरकरामिलायसुषाय हृदयरोगसमस्तमिटजावै दुखजावैतनसुखप्रगटावै ॥ अथवल्लभघृत ॥ ॥ चौपै ॥ पचासहरडसौंचलपलदोय मध्यप्रस्थघृतपावैसोय मृदुलअग्निपकायसोषावै हृदयरोगश्वासमिटजावै उदरपीडगुल्मअरुकास नाशैसुखतनकरेप्रकाश ॥ अथक्षीरवल्लभघृत ॥ चौपै ॥ पचासहरडकोदरडसुकरै दोपलसौंचलतामोंधरै प्रस्थएकघृतमोंसोउपावै प्रस्थचारतिहदुग्धमिलावै मंदअग्निपकायसोषाय हृदयरोगअपतंत्रकजाय ॥ अथअर्जनघृत ॥ चौपै ॥ अर्जनुवृक्षत्वचामंगवावै ताहिकुटायपुनरसतिसपावै घृतमोपायपकायसुषावै दुःखमिटेरोगीसुखपावै हृदयरोगकोहोइहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अथबलादिघृत ॥ चौपै ॥ वलाजुनागवलायहदोय अर्जनवृक्षत्वचालेसोय इन्हसमक्राथमध्यघृतपाय मुलठीचूरणपायपकाय षावेघृतहृदयरोगनसावे हृदक्षतरक्तपित्तमिटजावे श्वासकासपुननाशकरेह निश्चयमनमोंआनोएह ॥ अन्यच ॥ अथसुदंष्ट्राद्यंघृतं ॥ भषडेवालामंजीठमगाय कास्मारिकटतृणउशीरमिलाय दर्भमूलपृष्टपर्णील्यावै सर्पपशालपर्णीतिहपावै अतीवलापुनकेरमिलान पलपलसवकालेपरिमान इन्हसवकाकरलीजैक्राथ क्षीरचतुर्गुणपावोसाथ प्रस्थएकघृततासमोपाय कल्कयाहितिसमाहिरलाय क्रौंचवीजऋषिभअग्मेद जीवंतिअरजीवकभेद शतावरिऋद्धिमुनक्काल्याय शर्करामुंडीभिहामिलाय मंदअग्निसोंघृतजुपकाय षावैघृनयहरोगनशाय वातपित्तहृदरोगजुशूल मूत्रकृच्छ्रप्रमेहानिरमूल अर्शश्वासकासक्षयनास अवररोगजोकरोंप्रकाश वलकरधनुषसेचनोजान अतीकरस्त्रीसेवनमान भारउठावनमार्गचलन इहसवक्षीणमासवलकरन सोवलक्षीणहरेघृतजोइ वंगसेनकहदीयोसोइ ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साहृदरोगकीवंगसेनअनुसार उरग्रहरोगनिदानसुनसोंअवकरोंउचार ॥ इतिश्रीहृदरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथउरग्रहरोगनिदानं ॥

॥ दोहा ॥ उरग्रहरोगनिदानकोंसुनलीजैचितलाय जैसेंभाष्योग्रंथमोंतेसेंदेहुंवताय ॥ चौपै ॥ गुरुसूकोनरअन्नजुषावै अरुदुर्गंधीमांसअचवावै इन्हतेंआमयकर्त्तहैजोय अरुपलीहतीनोंवधैसोय तव-

कफवातदोऊमिलआम उरग्रहरोगहृदयप्रगटान उरपीडाहृदयपकड्योहोय अरुभारीछुहिजायनसोय अवरअफाराप्रगटैआय कुक्षहृदयमोंशोथलषाय विष्टामूत्रदोऊरुकजावै तंद्राअरुचशूलप्रगटावै ॥ सोरठा उरग्रहकह्योनिदानकह्योंचीकित्सातासकी सुनलीजैचितआन जैसेंभाषीग्रंथमों इतिउरग्रहनिदानसमाप्तम्

॥ अथउरग्रहरोगनिदानं ॥

॥ दोहा ॥ उरग्रहरोगनिदानकोंसुनलीजैवितलाय जैसेंभाष्योग्रंथमेंतिसेंदेहुंवताय ॥ चौपई ॥ गुरु-सूकोनरअन्नजुषावै अरुदुर्गंधीमांसअचवावै इन्हतेंआमयक्तहैजोय अरुपलीहतीनोंवधैसोय तवक-फवातदोऊमिलआम उरग्रहरोगहृदयप्रगटान उरपीडाहृदयपकड्योहोय अरुभारीछुहिजायनसोय-अवरअफाराप्रगटैआय कुक्षहृदयमोशोथलपाय विष्टामूत्रदोऊरुकजावै तंद्राअरुचशूलप्रगटावै ॥ सोरठा ॥ उरग्रहकह्योनिदानकहोंचिकित्सातामकी सुनलीजैचितआन जैसेंभाषीग्रंथमों इतिउरग्रह-निदानसमाप्तम् ॥

॥ अथउरग्रहरोगाचिकित्सानिरूपणम् ॥

दोहा रोगउरग्रहकीकहोंसुनोंचिकित्साजोय वंगसेनजैसेंकहीतैसेंभाषोंसोय ॥ चौपई ॥ देवैगुल्मसेकअ-रुस्वेद रक्तमोक्षरेचनहरषेद तीक्षणवस्तुकरवस्तिनिरूह अरुकरलंघनसमझसमूह याहिंचिकित्सासोंरुजना-शै होइआरोग्यदेहदुतिभासै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ जीयापोतेतरुरसआन अरुसुहांजणारसपहिचान सूर्यावर्तरसपुनसंगलेय अवरवलारससंगमिलेय हिंगूपंचलवणतिहपाय वागुडत्रिवीमिलायवनाय गो-मूत्रतैलमदआसवसंग चूर्णषायहोयरुजभंग उरग्रहरोगनिवारणहोय निश्चैआनोमनमोंसोय अथचूर्ण-॥ चौपई ॥ अमलवेतचविकाहिंगुयवक्ष्यार अरुपुनचित्रातामोडार समसमस्तलेचूरणकीजै कांजी-तैलमाथसोपीजै रोगउरग्रहहोवैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ रोगउरग्रहकीकही समझसमस्त-विचार जेऊचिकित्सायहकरैमिटहैरोगविकार ॥ इतिश्रीउरग्रहरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथहृदयउरग्रहरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथहृदरोगकेसभहीकहोंसुनाय जैसेंभाख्योग्रंथमततैसेंरचोंवनाय ॥ दोहा ॥ हृदयउरग्र-हरोगकेपथ्यापथ्यप्रमान जाविधग्रंथमतीलहीताविधकरोंवषान अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ रेचनचलंघनवमनक-रीजै वस्तीकर्मस्वेदलषलीजै सठीपुगतनचावलजाने मृगपक्षिमांसरसाहितमाने मुंगकुलथरसषंडप्रमान-कदलीफलअनारपहिचान कूष्मांडजुपुरातनहोय वर्षाजलपटोललषसोय नवमूलीजुमनकाद्राष तक्रपु-रातनगुडलषराष एरंडतैललसुनकुठजान सेंधालवणहरडपुनमान सुंठीजवायणधनियाकहिये आर्द्रककां-जीचंदनलहिये मद्यवारुणीकस्तूरीजो पत्रतमालपथ्यजानोसो दोहा पथ्यकहेहृदिरोगकेसमुझोपुरुषसुजान-अवअपथ्यवरननकरों शास्त्रमतीअनुमान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ त्रिषाछर्दमूत्राविष्टाऊ वीर्यश्वासश्रम-अरुअथवाऊ अरुडिकारइत्यादिकजानो इन्हकोवेगरोकनोमानो सोअपथ्यवडमानलहीजै मोक्षण-रुधिरअपथ्यकहीजै सरिताविंध्याचलपर्वतआषै इन्हसरिताजलअपथ्यसुभाषै महूफूलफलवस्तुजुक्ष्यार-यहअपथ्यकीन्हौनिरधार ॥ इतिअपथ्य ॥ दोहा ॥ हृद्यादिककेपथअपथसमु झेकीनउचार जानाचिकि-त्साजोकरैताकीवुद्धिउदार इतिहृदिउरग्रहरोगपथ्यापथ्यअधिकार समाप्तम् ॥

॥ अथहृदयरोगकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपई ॥ कामक्रोधलोभअनुसार परकोंदुखदेवैनरग्वार अरुब्राह्मणधनवृतिहरेय अरुपरनिंदाभाखैजेय तिसकोंहृदयरोगप्रगटावै औसैंतासउपायलषावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णमूर्तिलक्ष्मीनारायण रौप्यकमलपरधरअघचायण पूजैपीतफूलपीतांवर पंचद्रोणतंडुलपरतिहधर विष्णुमंत्रकरहवनकरेय संकल्पश्रेष्टब्राह्मणकोंदेय हृदयरोगताकोहोइनाश कर्मविपाककीनपरकाश ॥ दोहा ॥ हृदयरोगवरननकियोकारणसहितउपाय अजीर्णरोगकेदोषकोभाषोंसुनमनलाय

इतिहृदयरोगदोषकारणउपायसमाप्त् ॥

॥ अथहृदयरोगज्योतिष ॥

दोहा छायासुतचौथापडैसूर्यपडैकुंभमान हृदयरोगहोइताहि नरनिश्चयजियमोंजान शनीजापअरुमंत्रविधिसूर्य्यबलीसोदेय औसेकारणहोमजपव्याधीपुरुषहरेय ॥ इतिज्योतिषं ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांहृदयरोगाऽधिकारकथनंनामसप्तविंशोऽधिकारः ॥ २७